CMYK

कोई काम करने को लेकर देर तक सोच-विचार अकसर उसके बिगड़ने का कारण बनता है।

दैनिक जलते दीप

संस्थापकः स्व. श्री माणक मेहता | जोधपुर एवं जयपुर से एक साथ प्रकाशित | वर्ष 51 अंक 116 | जोधपुर, बुधवार 29 जनवरी 2020 | मूल्यः ₹ 3.00 | पृष्ठः 12 | ईमेलः jaltedeep@gmail.com

कांग्रेस की युवा आक्रोश रैली में राहुल गांधी ने केंद्र पर बोला हमला कहा, मोदी ने नहीं पढ़ी इकोनॉमिक्स

मोदी सिर्फ झूठे वादे करते हैं : राहुल

पीएम नरेन्द्र मोदी को चैलेंज करता हूं कि किसी भी यूनिवर्सिटी में जाकर युवाओं के सवालों का जवाब दें

गहलोत ने साधा केंद्र पर निशाना, कहा, देश की अर्थव्यवस्था गर्त में जा रही हैं, भाजपा के पास नीति, सिद्धांत और कार्यक्रम नहीं

पायलट ने कहा, लोगों में भय का माहौल पैदा किया जा रहा है समय दूर नहीं जब कांग्रेस का तिरंगा दिल्ली में लहराएगा

- राहुल बोले, हिंदुस्तान की छवि दुनिया में रेप कैपिटल की बनी
- हिंदुस्तान की सरकार देश में हिंसा फैला रही है
- मोदी को जीएसटी की समझ नहीं, शायद मोदी ने अर्थशास्त्र नहीं पढ़ा
- राहुल गांधी ने रैली में सीएए, एनआरसी और एनपीआर का जिक्र नहीं किया। राहुल का सीएए से किनारा

■ जलतेदीप विसं, जयपुर

जयपुर में हुई युवा आक्रोश रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर निशना साधा। राहुल गांधी ने बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यवस्था, धार्मिक टकराव के माहौल को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। राहलु ने कहा कि देश की ग्रोथ रेट 9 प्रतिशत थी, अब नए तरीके से नापने पर भी 5 प्रतिशत है, पुराने तरीके से तो 2.5 प्रतिशत ही है। हमारी सरकार मनरेगा जैसी योजनाओं से गरीबों को पैसा देती थी, अर्थव्यवस्था तब चलती है जब गरीबों की जेब मे पैसा आता है, जब उसकी जेब मे पैसा आता है तो वो माल खरीदते हैं, उनके माल खरीदने से फैक्ट्रियों चालू होती है, लेकिन नरेंद्र मोदी जी ने शायद इकोनॉमिक्स पढ़ी नहीं है, मोदी जी ने गरीबों की जेब से पैसा निकाला, उद्योगपतियों की जेब मे डाला।

सरकार देश मे हिंसा फैला रही है, ऐसे में निवेशक यहां आना नहीं चाह रहे हैं : राहुल

राहुल गांधी ने कहा, सरकार को उद्योगपतियों के साथ गरीबों , युवाओं की मदद भी करनी चाहिए। मैं मानता हूं कि बैलेंस होना चाहिए, इन्होंने पूरा फायदा 15 उद्योगपतियों को दिया। भाईचारे वाली देश की छवि को नुकसान पहुंचाया। 5 सालों में युवाओं के लिए क्या किया? यह पूछने पर आप पर ही गोली चलाई जाती है। पीएम को चैलेंज करता हूं कि किसी भी यूनिवर्सिटी में जाकर युवाओं के सवालों का जवाब दें, मोदी युवाओं के मन और उनकी समस्याओं से जुड़े किसी सवाल का जवाब नहीं दे पाएंगे। नरेंद्र मोदी केवल झूठे वादे जरूर कर सकते हैं, कांग्रेस मानती है कि देश को केवल युवा और स्टूडेंट्स बदल सकते हैं, जानते हैं कि आज आपको रास्ता नहीं दिखाई दे रहा है। शेष | 2 पर

भाजपा के पास न नीति और नहीं कार्यक्रम : गहलोत

सीएम अशोक गहलोत ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा देश की अर्थनीति गर्त में जा रही हैं। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। सीएए, एनआरसी खोखली बातें हैं, भाजपा के पास कार्यक्रम, सिद्धांत और सोच नहीं है।

राष्ट्रीय बेरोजगारी रजिस्टर (एनआरयू) की लॉन्चिंग : यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय बेरोजगारी रजिस्टर–एनआरयू की राहुल गांधी ने लॉन्चिंग की। यूथ कांग्रेस इसे अभियान के तौर पर लेगी। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा, हमें एनआरसी, सीएए की जगह एनआरयू चाहिए।

राहुल गांधी की युवा आक्रोश रैली में यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई बड़ी भूमिका में थे। राहुल के आज के भाषण को लेकर राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं हैं। राहुल गांधी ने आज सीएए, एनआरसी और एनपीआर को अपने भाषण में बिल्कुल भी महत्व नहीं दिया, जबकि कांग्रेस देश भर में इन तीनों मुद्दों के खिलाफ अभियान छेड़े हुए हैं। राजनीतिक प्रेक्षक इसे इश्यू शिफ्टिंग से जोड़कर देख रहे हैं।

क्यू आर कोड से हुई युवाओं की हाजिरी

- एआईसीसी मुख्यालय में दर्ज हुआ रैली में आने वालों का आंकड़ा
- कई युवाओं ने लगाई क्यूआर कोड से हाजिरी
- एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने क्यूआर कोड स्कैन कर रैली में उपस्थिति दर्ज करवाई
- अब हर रैली में किया जाएगा यह प्रयोग
- हर रैली का डेटाबेस तैयार होगा

राहुल गांधी की युवा आक्रोश रैली में ओन वाले युवाओं की उपस्थिति दर्ज करने के लिए हाईटेक सिस्टम अपनाया गया। रैली में आने वाले युवाओं की क्यूआर कोड के जरिए हाजिरी करने का प्रयोग किया गया। रैली में क्यूआर कोड युक्त सनपैक्ट शीट पोस्टर से उपस्थिति दर्ज की गई। रैली में जगह जगह स्पेशल क्यूआर कोड युक्त सनपैक्ट शीट पोस्टर लगाए गए थे। क्यूआर कोड को स्कैन करने पर एक लिंक खुल रहा था, उसमें नाम,पत्ता, फोन नंबर जैसी जानकारियां मांगी गई, जिसे सबमिट किया गया। शेष | 2 पर

एनसीसी का कार्यक्रम

पाक को धूल चटाने में दस दिन भी नहीं लगेंगे : मोदी

■ एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली में एनसीसी कैडेट्स को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे। कैडेट्स को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी, देश की युवाशक्ति में संस्कार, दृढ़ निश्चय और देश के देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का बहुत सशक्त मंच है। ये भावनाएं देश के विकास के साथ सीधी-सीधी जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा पड़ो.सी देश हमसे तीन-तीन युद्ध हार चुका है। हमारी सेना को 10-12 दिन से अधिक नहीं लगेंगे उसे परास्त करने के लिए। उन्होंने कहा आज विश्व में हमारे देश की पहचान, युवा देश के रूप में है। देश के 65 प्रतिशत से ज्यादा लोग 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। देश युवा है, इसका हमें गर्व है लेकिन देश की सोच युवा हो, यह हमारा दायित्व होना चाहिए।

भाषण के मुख्य अंश

- ऐसे लोगों के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को रोकने के लिए भारत के पुराने वादे को पूरा करने के लिए आज जब हमारी सरकार सीएए लेकर आयी है। कुछ राजनीतिक दल अपने वोटबैंक पर कब्जा करने की स्पर्धा में लगे हैं, आखिर किसके हितों के लिए काम कर रहें ये लोग।
- स्वतंत्रता के बाद से स्वतंत्र भारत ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के हिंदुओं, सिखों और अन्य अल्पसंख्यकों से ये वादा किया था कि अगर उनको जरूरत होगी तो वो भारत आ सकते हैं। यही इच्छा गांधी जी की थी और यही 1950 में नेहरू-लियाकत समझौते की भी थी।
- दशकों पुरानी समस्याओं को सुलझा रही हमारी सरकार के फैसले पर जो लोग सांप्रदायिकता का रंग चढ़ा रहे हैं, उनका असली चेहरा भी देश देख चुका है और देख रहा है।

कन्हैया से भी ज्यादा खतरनाक शब्दों का इस्तेमाल कर रहा शरजील : अमित शाह

■ एजेंसी, रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शाहीन बाग में कथित विवादित टिप्पणी करने वाले जेएनयू छात्र शरजील के बहाने विपक्ष पर निशाना साधा है। अमित शाह ने रायपुर में कहा कि उसके शब्द कन्हैया कुमार से भी ज्यादा खतरनाक हैं। अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में मध्य क्षेत्रीय परिषद (सीजेडसी) की बैठक को संबोधित किया।

नड्डा का सिसोदिया पर वार

अब हम पूछते हैं कि तुम्हारा शाहीन बाग से क्या रिश्ता है : नड्डा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दिल्ली के हरि नगर में कहा कि आठ फरवरी को, दिल्ली के लोगों को वोट देने जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरि नगर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को जिताकर विधानसभा भेजें और आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठाएं।

सरसरी नजर

अनुराग ठाकुर को चुनाव आयोग का नोटिस

नयी दिल्ली(ए)। चुनाव आयोग ने दिल्ली विधान सभा चुनाव में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर के आपत्तिजनक बयान को देखते हुए नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने श्री ठाकुर को चुनाव प्रचार में भाषण के दौरान देश के गद्दारों को गोली मारो बयान देने की घटना में 30 जनवरी बारह बजे तक अपना जवाब देने को कहा है। आयोग ने दिल्ली चुनाव आयोग की रिपोर्ट के आधार पर यह नोटिस जारी किया है।

नासिक सड़क दुर्घटना में 20 की मौत, 30 घायल

नासिक(ए)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में मालेगांव-देवला मार्ग पर मैसी गांव के पास राज्य सड़क परिवहन निगम की बस और ऑटो रिक्शा की टक्कर में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गयी और 30 अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राज्य परिवहन निगम की बस धुले से कलवन जा रही थी इस दौरान सामने से आ रहे ऑटोरिक्शा से मालेगांव-देवला मार्ग पर मैसी गांव के पास आमने सामने की टक्कर हो गयी। दुर्घटना के बाद दोनों वाहन पास के कुएं में गिर गये। जिससे 20 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी और कम से कम 30 अन्य घायल हो गये। सूचना मिलने पर देओला थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया।

पंचायत चुनाव

तीसरे चरण में 60 लाख से ज्यादा मतदाता चुनेंगे गांव की सरकार

■ जलतेदीप संवाददाता, जयपुर

पंचायत चुनाव-2020 के तीसरे चरण का मतदान बुधवार को होगा। सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक वोट डाले जा सकेंगे। इस चरण में 49 पंचायत समितियों की 1700 ग्राम पंचायतों और उनके 17,516 वार्डों में मतदान करवाया जाएगा। इसके लिए कुल 60,23,485 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें से 31,33,97 पुरुष, 28,90,362 महिलाएं और 26 अन्य मतदाता शामिल हैं। मतगणना बुधवार शाम को ही होगी। उप सरपंच के लिए चुनाव 30 जनवरी को करवाया जाएगा।

सरपंच के लिए 10,865 और पंच के लिए 28,223 उम्मीदवार मैदान में

राज्य निर्वाचन आयोग ने बताया कि सरपंच पद के लिए कुल 10,865 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाएंगे। वहीं 28,223 उम्मीदवार पंच पद के लिए चुनाव मैदान में डटे हुए हैं। मतदान के लिए दल मंगलवार को अपने-अपने गंतव्यों के लिए रवाना हो गए हैं। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े प्रबंध रहेंगे। इस चरण के बाद शेष बची पंचायतों के चुनाव चौथे चरण में कराए जाएंगे। उसका चुनाव कार्यक्रम बाद में जारी किया जाएगा।

6 हजार 28 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस लिए

आयोग के सचिव श्यामसिंह राजपुरोहित ने बताया कि तीसरे चरण में 49 पंचायत समितियों की 1700 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों के लिए 17 हजार 620 उम्मीदवारों ने 17 हजार 713 नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन पत्रों की संवीक्षा के बाद इनमें से 16 हजार 910 नामांकन वैद्य पाए गए। नाम वापसी की तिथि तक इनमें से 6 हजार 28 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए। प्रदेश के 24 जिलों में 17 सरपंच निर्विरोध चुन लिए गए हैं। इस तरह तीसरे चरण में सरपंच पद के लिए कुल 10 हजार 865 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाएंगे।

6 हजार 953 पंच निर्विरोध चुने गए

पंच पद के लिए प्रदेश के 24 जिलों के 1700 ग्राम पंचायतों के 17 हजार 516 वार्डों में 45 हजार 754 उम्मीदवारों ने 45 हजार 770 नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन पत्रों की संवीक्षा के बाद 44 हजार 620 उम्मीदवारों के नामांकन वैद्य पाए गए। इन उम्मीदवारों में से 9 हजार 444 उम्मीदवारों ने नाम वापसी के दिन अपने नाम वापस ले लिए। तीसरे चरण में प्रदेश भर में 6 हजार 953 पंच निर्विरोध चुन लिए गए हैं। वर्तमान में 28 हजार 223 उम्मीदवार पंच पद के लिए मैदान में रहेंगे।

2017 बैच के 35 आरएएस अफसर हुए नियमित, कार्मिक विभाग ने जारी किया आदेश

■ जलतेदीप संवाददाता, जयपुर

राजस्थान प्रशासनिक सेवा में 35 अधिकारियों का दो वर्ष का परीवीक्षाकाल पूरा होने पर राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग ने मंगलवार को नियमित करने के आदेश जारी किए हैं।

विभाग के अनुसार 6 सितंबर 2017 के आदेशानुसार दो वर्ष के लिए परीवीक्षाकाल पर नियुक्त इन राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को सेवा नियम, 1954 के नियम 36 के तहत सेवा की कनिष्ठ वेतन श्रृंखला में परीवीक्षाकाल पूरा होने पर स्थाई किया गया है। राज्यपाल कलराज मिश्र के आदेश पर संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी की ओर से इस संबंध में आज्ञा पत्र जारी किया गया है।

प्रदेश में कोरोना वायरस की समीक्षा, एयरपोर्ट पर होगा थर्मल स्कैनर का इस्तेमाल!

■ जलतेदीप संवाददाता, जयपुर

राजस्थान में चीन से लौटे 18 यात्रियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की आशंका के बीच एक संदिग्ध के राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सरकार ने सभी संदिग्धों को निगरानी में रखने के आदेश के बाद मंगलवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह ने पूरे मामले की समीक्षा की। उन्होंने चीन से लौटे संदिग्ध यात्रियों के साथ एसएमएस अस्पताल में भर्ती व्यक्ति और कोरोना वायरस को लेकर चिकित्सा अधिकारियों से तमाम जानकारी ली।

सभी संदिग्धों की 28 दिन तक निरंतर होगी स्क्रीनिंग

चिकित्सा विभाग के अनुसार चीन से लौटे यात्रियों की निर्धारित 28 दिनों तक निरन्तर स्क्रीनिंग होगी। साथ ही एसीएस के निर्देशानुसार कोरोना वायरस से बचाव, नियंत्रण, जांच एवं उपचार सहित आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने पर विचार किया जा रहा है।

एहतियात बरते : डब्ल्यूएचओ

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी किए गए एहतियात को यूएन द्वारा ट्विटर पर शेयर किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने और एशिया के सभी लोगों से एहतियात बरतने को कहा है।

शरजील इमाम को दिल्ली पुलिस ने बिहार से किया गिरफ्तार

■ एजेंसी, नई दिल्ली

शाहीन बाग विरोध प्रदर्शन के कथित सह समन्वयक और जेएनयू छात्र शरजील इमाम को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शरजील को बिहार के जहानाबाद से गिरफ्तार किया गया है।

इससे पहले पुलिस ने मंगलवार की सुबह शरजील की तलाश में उसके घर पर छापा मारा था। जहां से पुलिस ने शरजील के भाई मुजम्मिल इमाम को हिरासत में लिया था।

गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने मुंबई, पटना और दिल्ली में शरजील की तलाश में छापेमारी की थी। दिल्ली पुलिस को डर था कि अगर वह बिहार के रास्ते नेपाल भाग गया, तो वापस लाने में बहुत मुश्किल होगी।

मुख्यमंत्री का संवेदनशील निर्णय

सिलिकोसिस पीड़ित परिवारों को मिलेंगे पालनहार योजना के लाभ

■ जलतेदीप संवाददाता, जोधपुर

राज्य सरकार ने एक संवेदनशील निर्णय लेते हुए प्रदेश के सिलिकोसिस पीड़ितों की संतानों को पालनहार योजना के लाभ देने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस सन्दर्भ में वित्त विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। प्रदेश में सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित परिवारों के कल्याण के लिए राज्य सरकार ने बीते दिनों ही राजस्थान सिलिकोसिस नीति-2019 घोषित की थी।

प्रस्ताव के अनुसार, परिवार में माता अथवा पिता के सिलिकोसिस से पीड़ित होने की स्थिति में 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित पालनहार योजना के लाभ देय होंगे। इसके लिए पालनहार योजना की पात्रता सूची में सिलिकोसिस पीड़ित परिवार की श्रेणी जोड़ी जाएगी।

करीब 15,828 बच्चे लाभान्वित होंगे

गहलोत के इस निर्णय से प्रदेशभर में सिलिकोसिस पीड़ित परिवारों के करीब 15,828 बच्चे लाभान्वित हो सकेंगे और राज्य सरकार पर 193 करोड़ रूपए से अधिक का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा। पालनहार योजना में 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्रति माह 500 रूपए तथा 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्रति माह 1000 रूपए का अनुदान देने का प्रावधान है।

निर्भया केस

दोषी अक्षय ने दायर की क्यूरेटिव याचिका, तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने दी जानकारी

■ एजेंसी, नई दिल्ली

निर्भया सामूहिक बलात्कार और हत्या मामले के चारों दोषियों में से एक अक्षय ने मंगलवार को क्यूरेटिव याचिका दायर की है। यह जानकारी तिहाड़ जेल के अधिकारी ने दी।

इससे पहले एक अन्य दोषी मुकेश कुमार सिंह की दया याचिका खारिज करने के राष्ट्रपति के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई पूरी कर ली। कोर्ट इस याचिका पर बुधवार को अपना आदेश सुनाएगा। दिल्ली में 2012 में हुए इस जघन्य अपराध के लिये चार मुजरिमों को अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। इन दोषियों में से एक मुकेश की दया याचिका राष्ट्रपति ने 17 जनवरी को खारिज कर दी थी जिसके खिलाफ इस दोषी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी है।

रिपोर्ट

सेंटर फोर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) के अनुसार

दिल्ली की आबोहवा में ओजोन से बढ़ा खतरा

■ एजेंसी, ब्यूरो

दिल्ली की हवा में ओजोन की बढ़ती मात्रा से प्रदूषण का खतरा बढ़ता जा रहा है। सेंटर फोर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) के अनुसार, दिल्ली के घनी आबादी वाले इलाके जैसे पटपड़गंज, आरके पुरम, नेहरूनगर, नजफगढ़ और सोनिया विहार के औद्योगिक व निम्न आय वाले लोगों की आबादी वाले इलाकों में प्रदूषण की स्थिति सबसे खतरनाक पाई गई।

ओजोन काफी हानिकारक है। खासतौर से सांस संबंधी रोगों, दमा और फेफड़ों की तकलीफों से पीड़ित मरीजों के लिए यह बहुत खतरनाक है।

सीएसई का यह अध्ययन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के द्वारा किये गए 31 निरीक्षण केंद्रों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है और सीएसई की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी-मई के दौरान कम से कम 23 दिन ओजोन प्रमुख प्रदूषक पाया गया और ये खतरे के शुरुआती संकेत हैं।

इससे दिल की बीमारी का खतरा पैदा हो सकता है। हेल्थ इफेक्ट इंस्टीट्यूट के 2017 के एक अध्ययन में बताया गया कि भारत में ओजोन के कारण कम उम्र में होने वाली मौत के मामलों में 148 फीसदी का इजाफा हुआ है।

अध्ययन में बताया कि गया कि फरवरी से मई के दौरान दैनिक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में ओजोन की मात्रा में बढ़ोतरी हुई जोकि सूक्ष्म कणों के साथ प्रमुख प्रदूषक रहा रहा है। काफी प्रतिक्रियाशील तत्व ओजोन नाइट्रोजन ऑक्साइड का ऊष्मा, सूर्य प्रकाश और अन्य वाष्पशील गैसों के साथ प्रतिक्रया से बनता है। यह ज्यादातर वाहनों से निकलने वाले धुएं व अन्य स्रोतों से उत्पन्न होता है।

हौद में डूबने से जुड़वा बहनों की मौत

जोधपुर(कासं)। राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में पानी के एक हौद में डूबने से जुड़वां बहनों की मौत हो गई। जब तक घरवालों को पता लगता और वे अस्पताल लेकर जाते तब तक उनकी सांसे बंद हो चुकी थी। घटना सोमवार की है। पुलिस को देर शाम सूचना मिली। मंगलवार सुबह कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपे गए। घटना से गांव में गमगीन माहौल हो गया और कई घरों में चूल्हे भी नहीं जले। परिवार ने इस घटना को लेकर किसी प्रकार का संदेह जाहिर नहीं किया है।

राजीव गांधी नगर थानाधिकारी बलराज सिंह मान ने बताया कि हराला बेरा चौखा में पुखराज सांखला अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहता है। घर से करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर खेत है और यहां पर 20 गुणा 20 का एक हौद भी बना है जो खुला ही रहता है।

सोमवार दोपहर में उसकी दो जुड़वा बच्चियां पांच साल की दिवांशी एवं दीपिका स्कूल से लौटने के बाद खेत की तरफ चली गई लेकिन घरवाले इससे अंजान थे। करीब तीन-साढ़े तीन बजे खेत में कुछ बच्चे आए तब पानी के हौद में दिवांशी एवं दीपिका के शवों को देखा। तब बच्चों ने पुखराज के यहां इत्तला दी। इस पर उसकी पत्नी और वह वहां दौड़कर पहुंचा।

बच्चियों को बाहर निकालकर तुरंत महात्मा गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन यहां पर डॉक्टर ने उन्हें मृत बता दिया। पुलिस को घटना के संबंध में सूचना काफी देर बाद मिली।

थानाधिकारी बलराजसिंह मान का कहना है कि बच्चियां अमूमन घरवालों के साथ ही वहां पर जाती है लेकिन सोमवार को बिन बताए ही निकल गई थी।

पानी का हौद भी काफी बड़ा है और उसमें करीब पांच फीट तक पानी था। वे खेलते हुए गिरी या नहाने गई। ये तो जांच के बाद ही पता लग पाएगा। हालांकि परिवार ने कोई शक नहीं जताया है। मर्ग की कार्रवाई की गई है। पिता ने इस बारे में रिपोर्ट दी है।

फटकारो...

गांधी सम्मानित

अजमेर। उपभोक्ता कानून के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए अधिवक्ता एवं पत्रकार सूर्यप्रकाश गांधी का कल गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डा. रघु शर्मा ने जिला स्तर पर सम्मानित किया।

जेएनवीयू के प्राइवेट विद्यार्थियों की परीक्षाएं 14 से

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं सम्भाग के पाली, जालोर, बाड़मेर तथा जैसलमेर जिलों से सम्बद्ध सभी महाविद्यालयों के स्वयंपाठी एवं भूतपूर्व विद्यार्थियों की परीक्षाएं 14 फरवरी से शुरू होगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेताराम बिश्नोई ने बताया कि बीए प्रथम वर्ष की परीक्षा 14 फरवरी, द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 15 तथा तृतीय वर्ष की परीक्षा 17 फरवरी से शुरू होंगी। परीक्षा की समय सारणी ऑनलाईन जारी कर दी गई है तथा प्रवेश पत्र सात फरवरी को ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। प्रो. विश्नोई ने बताया कि जिन परीक्षार्थियों ने परीक्षा आवेदन की हार्ड कॉपी संबधित संकाय-महाविद्यालय में जमा करवायी है, उन्ही परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र जारी किये जायेगें।

अरूणा जिला स्तर पर सम्मानित

आहोर, 28 जनवरी (निसं)। राजकीय महाविद्यालय आहोर की नियमित छात्रा सुश्री अरूणा कुमारी के सत्र 2018-19 में कला संकाय के अंतर्गत जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर गणतंत्र दिवस पर

जिला स्तर पर आयोजित सम्मान समारोह में महेंद्र सोनी, कलेक्टर जालोर ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आज महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. गोपीकिशन चितारा ने अरूण से प्रेरणा लेते हुए आगामी विवि परीक्षा में बेहतर परिणाम देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ अशोक कुमार खोरवाल, श्रीमती सोनल मीना, पीताम्बर मंगानी, नरेंद्र कुमार सोनी, शंकरलाल चौधरी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

कार्यशाला में स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों की जानकारी दी

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र एवं मौलाना आजाद विश्वविद्यालय के पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेन्ट के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों पर कार्यशाला आयोजित की गई।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अजय वर्धन आचार्य कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे। डॉ. आचार्य ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य समवर्द्धन के लिए इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र जोधपुर द्वारा फूड न्यूट्रिशयन में मास्टर डिग्री, ग्रामीण विकास और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, सामाजिक कार्य और ग्रामीण विकास, मनोविज्ञान में मास्टर डिग्री, ग्रामीण विकास में डिप्लोमा, व्यावहारिक सांख्यिकी, स्वास्थ्य और शिक्षा प्रौद्योगिक, स्वास्थ्य और स्कूल नेतृत्व एवं प्रबन्धन, शिक्षा प्रबन्धन और प्रशासन, बचपन की देखभाल और शिक्षा में डिप्लोमा, पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा, एचआईवी रोकथाम, परिवार शिक्षा में डिप्लोमा, गैर-सरकारी संगठन प्रबन्धन में प्रमाण-पत्र, स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबन्धन में प्रमाण-पत्र, भोजन एवं पोषण में प्रमाण-पत्र, बचपन देखभाल और पोशण में प्रमाण-पत्र, मानव अधिकार में प्रमाण-पत्र, सूचना प्रौद्योगिकी में प्रमाण-पत्र, सामूहिक सेवाओं में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र जोधपुर पर संचालित हो रहे है।

करंट से युवक की मौत

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। जिले के जांबा थाना क्षेत्र में गोदरली गांव में ट्रांसफार्मर में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना सोमवार देर शाम की है। पुलिस ने मंगलवार सुबह कार्रवाई करते हुए शव परिजनों को सौंपा। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में डीडीपी नगर मधुबन हाउसिंग बोर्ड निवासी सुरेश पुत्र पुखराज भाट ने रिपोर्ट दी। इसमें पुलिस को बताया कि उसका भाई धनराज जांबा के गोदरली गांव में रहता था। खेत की रखवाली के साथ यहीं पर कार्य करता था।

वार्षिक ध्वजारोहण महोत्सव आज से

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। श्री जैन श्वेताम्बर प्राचीन कापरडा तीर्थ पर दो दिवसीय वार्षिक ध्वजारोहण महोत्सव का आगाज 29 जनवरी को 18 अभिषेक महा पूजन से होगा। तीर्थ अध्यक्ष प्रवीण सेठ व प्रचारक धनराज विनायकिया ने बताया कि जोधपुर के समीप 50 किलोमीटर दूरी पर स्थित कापरड़ा जैन तीर्थ में वार्षिक ध्वजारोहण महोत्सव विभिन्न लाभार्थी परिवारों द्वारा तथा 29 जनवरी से 18 अभिषेक महापूजन, रात्रि भक्ति तथा 30 जनवरी को सत्तरभेदी महा पूजन, साधार्मिक भक्ति, विजय मुहूर्त में वार्षिक ध्वजारोहण, 4 बजे बरघोड़ा तथा साधारण सभा का अधिवेशन में आगामी वर्ष के ध्वजा का आदेश, वार्षिक चढ़ावें बजट, पर विचार विमर्श किया जाएगा। विनायकिया ने बताया के महोत्सव दौरान विभिन्न लाभार्थी परिवारों द्वारा श्री मणिभद्र वीर पूजन, चक्रेश्वरी देवी पूजन, विभिन्न कई धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे।

शेष पृष्ठ प्रथम के...

सरकार देश में...

राहुल गांधी ने युवाओं से कहा, आपमें वो शक्ति है जो इस देश को बदल सकती है, आप अपनी शक्ति को पहचानिए, मेड इन इंडिया मेड इन चाइना का मुकाबला कर सकता है। आप अपनी आवाज को दबाने मत दो,आप हिंदुस्तान और अपने भविष्य पर सवाल उठाओ। जो भी इस देश को बांटने की कोशिश करता है, उसे बताया दीजिए कि यह सही नहीं है। भारत की भाईचारे, प्रेम की छवि फिर से बनानी पड़ेगी, महात्मा गांधी की विचारधारा ही हमारी पहचान होनी चाहिए, हर जेनरेशन की जिम्मेदारी होती है, अब आप पर जिम्मेदारी है, डरिये मत, दबाए मत, एक साथ मिलकर हम हिंदुस्तान को बदल डालेंगे। पिछले साल 1 करोड़ युवाओं ने रोजगार खोया है, मोदी ने 2 करोड़ रोजगार का वादा किया था, लेकिन वायदे पर खरा नहीं उतरे।

क्यू आर कोड से...

कई कार्यकर्ताओं ने क्यूआर कोड के जरिए रैली में उपस्थिति दर्ज करवाई। क्यूआर कोड स्कैन करके विवरण भरने वालों का पूरा डेटा कांग्रेस की केंद्रीय आईटी सेल के पास चला गया। रैली में कितने लोग आए इसका आकलन भी होगा, हालांकि कुछेक कार्यकर्ताओं ने ही क्यूआर कोड स्कैन किया, इसे अनिवार्य नहीं बनाया था। कांग्रेस इस प्रयोग के जरिए रैलियों का डेटाबेस तैयार करने की कवायद में है। और आने वाले दिनों में हर रैली में क्यूआर कोड से हाजिरी लगाने के सिस्टम को लागू करने पर विचार किया जा रहा है।

जिला उद्योग संघ में हुआ सम्मान समारोह

बीकानेर, 28 जनवरी (निसं)। जिला उद्योग संघ ने सामाजिक, औद्योगिक एवं लग लग क्षेत्रों में कार्य कर बीकानेर के विकास में भागीदार विभूतियों का सम्मान किया।

अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचीसिया ने बताया कि समारोह रजनीकांत पंड्या, उपायुक्त वाणिज्य कर विभाग, बीकानेर, अंशुल कुमार, प्रभारी अधिकारी एवं सहायक भविष्य निधि आयुक्त, जितेन्द्र मीणा, वरिष्ठ वाणिज्यिक मंडल प्रबंधक, उत्तर-पश्चिम रेल्वे, बीकानेर मंडल, दीपक बंसल, अनुभाग अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, बीकानेर, संत छैल बिहारी महाराज, भागवताचार्य एवं मुरली झंवर के सानिध्य में आयोजित किया गया। सचिव विनोद गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में अपनाघर आश्रम नोखा, गंगाशहर नागरिक सेवा समिति प्रन्यास, होटल उद्योग उत्थान संस्थान, नापासर उद्योग संघ, श्री डूंगरगढ़ उद्योग संघ, नोखा उद्योग संघ, गंगाशहर व्यापार उद्योग मंडल, मोहता चौक व्यापार मंडल, अरुण सेठिया, किरण मूंधड़ा, सुशील महात्मा, जय कुमार भंसाली, अरुण झंवर, विमल चोरड़िया, बलदेव दास भादाणी, मांगेराम गोयल, मूलचंद राठी, श्रीलाल चांडक, दिलीप रंगा, सीए सुमित राठी, कुंडल लाल बोहरा, हेम शर्मा, अमित अग्रवाल, सीए राजेश भूरा, सुश्री चंचल जाजडा व विनोद शर्मा का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर निर्मल पारख, वीरेंद्र किराडू, केदारचंद अग्रवाल, सलीम सोढा, रामगोपाल अग्रवाल, नरेश मित्तल, घनश्याम लखाणी, अनंतवीर जैन, शिवरतन पुरोहित, जुगराज दफ्तरी, के.के.मेहता, राजाराम सारडा, बलवंत डोगरा, जयनारायण गोयल, चंद्रप्रकाश नौलखा, कन्हैयालाल सेठिया, अशोक चांडक, राजकुमार पचीसिया, किशनलाल मोहता, कांतिलाल भूरा, पारस डागा, विजय जैन, किशन बोथरा, उमाशंकर माथुर, श्रीधर शर्मा, किशन मूंधड़ा, दाऊ बिन्नाणी, मनीष तापड़िया, मदन गोपाल पुरोहित, हरिकिशन गहलोत, रूपचंद अग्रवाल, अशोक धारनिया, पी सी गोयल आदि उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा सप्ताह 4 से, न्यास बनाएगा ट्रैफिक पार्क

बीकानेर, 28 जनवरी (निसं)। जिला कलक्टर कुमार पाल गौतम ने कहा कि 31 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह 4 फरवरी से 10 फरवरी तक मनाया जाएगा। इस दौरान जिला मुख्यालय से लेकर पंचायत समिति स्तर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर आम लोगों को सड़क नियमों, यातायात नियमों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्कूली बच्चों और महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को इसमें जोड़ कर एक वातावरण बनाया जाएगा ताकि लोग यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित रहें।

गौतम 31 वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा के तहत परिवहन विभाग, पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान 5 फरवरी को जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई जाएगी। शपथ दिलाने का कार्य सभी राजकीय कार्यालयों, महाविद्यालय सहित प्रमुख पार्क और सार्वजनिक स्थलों पर किया जाएगा। इसी तरह 6 फरवरी को परिवहन विभाग विभिन्न राजकीय कार्यालयों, ट्रांसपोर्ट व्यवसाय तथा परिवहन से जुड़े विभिन्न क्षेत्र के लोगों के साथ बातचीत भी करेगा।

एसकेआरएयू कुलपति ने थाइलैंड में किया कांफ्रेंस का शुभारम्भ

बीकानेर, 28 जनवरी। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह बैंकाक (थाइलैण्ड) में आयोजित छह दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। 'इनोवेटिव एंड करंट एडवांसेज इन एग्रीकल्चर एंड एलाइड साइंसेज' कांफ्रेंस सोसायटी फोर साइंटिफिक डेवलपमेंट इन एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलोजी और आस्था फाउण्डेशन, मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में इसको आयोजित किया जा रहा है। कुलपति प्रो. सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कांफ्रेंस का उद्घाटन, सोवेनियर व कांफ्रेंस बुक का विमोचन किया। इस दौरान कुलपति ने कृषि के सतत विकास में नवाचारों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कांफ्रेंस 1 फरवरी तक होगी। सेमीनार में विभिन्न क्षेत्रों के कृषि वैज्ञानिक भागीदारी निभा रहे हैं।

जांगिड़ प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। केसरिया हिन्दू वाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष सुनिल लटियाल विश्नोई ने पंकज जांगिड़ को प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है।

निवृतमान सरपंच की फैक्ट्री से 65 पेटी शराब बरामद

भीलवाडा, 28 जनवरी (निसं)। जिले के कोटड़ी थाना क्षेत्र में बीती देर रात पुलिस ने निवृतमान सरपंच जमनालाल डिडवानिया की फैक्ट्री से 65 पेटी शराब के साथ ही चुनाव सामग्री जब्त की। माना जा रहा है कि यह शराब पंचायत चुनाव में बांटने के इरादे से लाई गई, लेकिन स्थिति डिडवानिया के पुलिस के सामने आने पर ही साफ हो पायेगी। फिलहान पुलिस ने डिडवानिया पर अवैध रूप से शराब रखने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में डिडवानिया के नौकरों से पुलिस पूछताछ कर रही है। कोटड़ी थाना प्रभारी अशोक सांवरिया ने बताया कि बीती देर रात पुलिस को सूचना मिली कि जहाजपुर रोड स्थित डिडवानिया संस चाइना क्ले नामक फैक्ट्री में शराब पड़ी है। यह शराब पंचायत चुनाव में बांटने के लिए लाई गई है। सूचना देने वाले ने यह भी कहा कि जल्द कार्रवाई नहीं होने पर शराब खुर्द-बुर्द की जा सकती है। इस सूचना पर थाना प्रभारी सांवरिया जाब्ते के साथ उक्त फैक्ट्री पहुंचे। जहां चौकीदार मिला। उसने खुद को बंशीलाल पुत्र मांगीलाल सैन निवासी झडोल होना बताया। सूचना जिस कमरे की थी, उस पर ताला लगा था। पुलिस ने टॉर्च से कमरे में देखा तो शराब रखी थी। चौकीदार सैन ने पुलिस को बताया कि यह कमरा जमनालाल डिडवानिया का है। इस पर थाना प्रभारी ने तहसीलदार व डीएसपी को सूचना दी। वे, मौके पर पहुंचे। इसके बाद कमरे को खोला तो उसमें देशी, अंग्रेजी शराब के साथ ही बीयर के कार्टून रखे थे, जिनकी गिनती करने पर 65 कर्टन पाये गये। इसके अलावा कमरे में स्टीकर भी मिले, जिन पर ग्राम पंचायत कोटड़ी सरपंच पद प्रत्याशी कांता डिडवानिया लिखा था। इसके अलावा पंपलेट भी मिले, जो ग्राम पंचायत कोटडी के वार्ड 18 के चुनाव से संबंधित थे।

डा. कल्ला आज बीकानेर में

बीकानेर, 28 जनवरी (निसं)। ऊर्जा मंत्री डॉ.बी.डी.कल्ला 29 जनवरी को सुबह 4.30 बजे रेल से बीकानेर पहुंचेंगे और स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के बाद इसी दिन रात्रि को 11.10 बजे रेल से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सचिन मोटर्स ऑल इंडिया बेस्ट डीलर के रूप में सम्मानित

उदयपुर, 28 जनवरी (निसं)। प्याजिओं व्हीकल्स प्राईवेट लिमिटेड द्वारा पूणे में आयोजित ऑल इंडिया डीलर्स कॉन्फ्रेन्स में उदयपुर के अधिकृत डीलर सचिन मोटर्स को बेस्ट डीलर सम्मान से सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि सचिन मोटर्स थ्री व्हीलर व्हीकल्स क्षेत्र में अग्रणीय है एवं पूर्व में सचिन मोटर्स को अनेक पुरूस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। सचिन मोटर्स की ओर से उक्त अवार्ड निदेशक सुभाष सिंघवी ने प्राप्त किया।

कंटेंपरेरी आर्ट के डिसप्ले के लिए देश के एकमात्र सेंटर की हुई शुरूआत

नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में बनाया गया है 'सेंटर फॉर कंटेंपरेरी आर्ट'

-राजेन्द्र व्यास

नई दिल्ली, 28 जनवरी। राजस्थान सरकार द्वारा राज्य की कला और संस्कृति को देश-विदेश में पहुंचाने के प्रयासों में एक नया आयाम जुड़ा है। राज्य सरकार के दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में नवनिर्मित

सेंटर फॉर कंटेपरेरी आर्ट, बिल्डिंग में प्रथम कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर आवासीय आयुक्त टी.जे.कविथा और राजस्थान फांउडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि आज इस सेंटर में 'नेचर मार्टे गैलेरी' के सहयोग से 'द आइडिया ऑफ द एक्रोवेट, कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। यह प्रदर्शनी 19 फरवरी तक आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी। उन्होंने बताया कि कंटेपरेरी आर्ट के लिए समर्पित यह सेंटर देश का एक अनोखा सांस्कृतिक केन्द्र होगा जहां राजस्थान सहित देश-विदेश के कंटेपरेरी आर्ट से जुड़े कलाकारों के आर्ट वर्क को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीकानेर हाउस देश की राजधानी की सबसे प्रतिष्ठित जगहों में शुमार है। यहां शुरू किए गए इस सेंटर फॉर कटेंपरेरी आर्ट से राजस्थान की कला और संस्कृति के साथ-साथ ऐतिहासिक विरासत को देश-विदेश में पहुंचानें के प्रयासों को नया आयाम मिलेगा। आवासीय आयुक्त टी.जे.कविथा ने बताया कि बीकानेर हाउस में स्थापित इस सेंटर को नए दौर के श्रोताओं और दर्शकों की पसंद के अनुसार विकसित किया गया है। ताकि राजस्थान की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक ले जाया जा सके। श्रीमती टी.जे.कविथा ने बताया कि यह कल्चरल सेंटर कला देश की राजधानी से जुड़े कला प्रेमियों के लिए एक नया आकर्षण का केन्द्र होगा। इस सांस्कृतिक केन्द्र में राजस्थान सहित समकालीन कला से जुड़े देश के सभी कलाकारों को अपना हुनर प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कक्षाएं आज से

बीकानेर, 28 जनवरी (निसं)। मुरलीधर व्यास कॉलोनी के गीता आश्रम में ए-टू-जेड समस्या समाधान समिति द्वारा बुधवार से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क कक्षाएं प्रारम्भ की जाएंगी। अध्यक्ष गौरव किराडू ने बताया कि समिति द्वारा राजस्थान न्यायिक सेवा, रीट, पटवारी, कांस्टेबल, कनिष्ठ सहायक तथा शीघ्र लिपिक प्रतियोगी परीक्षा की निःशुल्क कक्षाएं लगाई जाएंगी। यह कक्षाएं बसंत पंचमी से प्रारम्भ होंगी। इच्छुक विद्यार्थी इसके लिए पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। कक्षाओं के दौरान निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप समयबद्ध तैयारी करवाई जाएगी तथा समय-समय पर मॉडल टेस्ट आयोजित होंगे। इस दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

3 कक्षाकक्षों का उद्घाटन

उदयपुर, 28 जनवरी (निसं)। राउण्ड टेबल इण्डिया द्वारा बेदला स्थित राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय में आज 3 कक्षाकक्षों उद्घाटन किया गया। टेबल चेयरमेन प्रतीक नाहर ने बताया कि कक्षाकक्षों में हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। उनकी दीवारों पर रंगरोगन किया जा चुका है। कक्षाकक्षों को कलात्मक रूप दिया गया है ताकि बच्चों को उनसे प्रेरणा मिल सके। इन कक्षाकक्षों में 71 टेबल व चेयर तथा टॉयलेट ब्लॉक्स का निर्माण कराया गया है। इससे विद्यालय के 150 बच्चें लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर एरिया चेयरमेन टेबलर नंदेश संचेती, नेशनल प्रोजेक्ट कन्वीनर वरूण मुर्डिया, एरिया सेक्रेट्री अंकित मिश्रा, संरक्षक दीपक भंसाली, क्षेत्रीय संरपंच, पूर्व सरपंच, पार्थ कर्णावट, अजय आचार्य, हुसैन मुस्तफा, अनंजय जैन, हुसैन मुस्तफा, अमित अग्रवाल, अर्पित लोढ़ा, तिलक कटारिया,प्रियांक माथुर तथा पंकज दुग्गड़ सहित अनेक सदस्य मौजूद थे।

लहर लहर लहराया तिरंगा

ब्यावर, 28 जनवरी (निसं)। देश का 71 वां गणतंत्र दिवस रविवार को परंपरागत ढंग से मनाया गया। नगर परिषद के तत्वावधान में उपखंड स्तरीय मुख्य सार्वजनिक समारोह मिशन ग्राउंड में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी जसमीत सिंह संधू ने सवेरे 9 बजे ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद श्री संधू ने एनसीसी कैडेट, एनएसएस स्वयंसेवक,गृह रक्षक व शिक्षण संस्थाओं के छात्र -छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सामूहिक परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली।

छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सामूहिक गीत एवं नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में पुरस्कार चयन समिति द्वारा चयनित24 प्रतिभाओं को पुलिस वृत्ताधिकारी हीरालाल सैनी, विधायक शंकरसिंह रावत, सभापति नरेश कनोजिया,आयुक्त सुश्री शमीम व तहसीलदार रमेश चंद बहेडिया ने प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जलदाय विभाग,विद्युत विभाग, नगर परिषद, चिकित्सा विभाग एवं गुरूदीप एकेडमी द्वारा संदेश प्रद झांकियों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारी, पार्षद गण एवं कई विशिष्ट जन मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। संचालन गुरू शरण गोयल एवं राजेंद्र प्रजापति ने संयुक्त रूप से किया।

लिव इन रिलेशनशिप में रह रही युवती ने आत्महत्या की

भीलवाडा, 28 जनवरी (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में काशीपुरी स्थित हरिजन बस्ती में पार्षद के मकान में किराए पर रहने वाली एक युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। कोतवाल यशदीप भल्ला ने बताया कि अंबेडकर कॉलोनी में पूर्व पार्षद लीला देवी सेन के पुत्र हिम्मत के मकान में जहाजपुर के मीणा जाति के एक युवक के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही रचना पुत्री रमन दास नामक युवती ने फांसी लगा ली। जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुँचे एएसआई स्वागत पण्डिया का कहना है कि कमरे की जांच पड़ताल में मिले दस्तावेज के आधार पर युवती की पहचान रचना निवासी पश्चिम बंगाल हाल जयपुर के रूप में हुई।

भंडारी का स्वागत करते संघ के पदाधिकारी। जलतेदीप

बेंगलुरु के रमेश भंडारी त्रिस्तुकी जैन संघ जालोर के अध्यक्ष बने

बेंगलूरू, 28 जनवरी (विसं)। बेंगलूरु के प्रमुख समाजसेवी-भामाशाह रमेश पी भंडारी को त्रिस्तुकी जैन संघ जालोर के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया है। भंडारी ने अपने निर्वाचन पर सभी का आभार जताते हुए भविष्य में सामूहिक सहयोग से संघ-समाजोत्थान के लिए कार्य करने का विश्वास जताया। उन्होंने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए भगतीराज भंडारी को उपाध्यक्ष, बसंत सोलंकी को सचिव, मदन जैन को कोषाध्यक्ष व विकास बोहरा को सहसचिव बनाया है। भंडारी के मनोनयन पर अनेक राजस्थान संघ कर्नाटका के फाउण्डर चेयरमैन रमेश मेहता, अध्यक्ष रतनीबाई मेहता, मधु तातेड़ सहित अनेक जनों ने उन्हें बधाई-शुभकामनाएं दी है।

डीआरएम का स्वागत करते पदाधिकारी। जलतेदीप

उत्तर पश्चिम रेलवे अंतर मंडलीय क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

अजमेर मंडल ने जीता उद्घाटन मैच

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे अंतर मंडलीय क्रिकेट प्रतियोगिता मंगलवार से प्रारम्भ हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष पंत ने किया। रेलवे के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी गोपाल शर्मा ने बताया कि उत्तर पश्चिम रेलवे मंडल खेलकुद संघ जोधपुर द्वारा अंतर मंडलीय क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच पुराने रेलवे मैदान पर जोधपुर मंडल एवं अजमेर मंडल के मध्य खेला गया। पहले बल्ले बाजी करते हुए जोधपुर मंडल ने 7 विकेट पर 145 बनाए। जवाब में संघर्षपूर्ण मुकाबले में अजमेर मंडल ने 6 विकेट से जीत हासिल की। दूसरे मैच में अजमेर कारखाना ने पहले बल्ले बाजी करने हुए 9 विकेट पर 136 बनाए। जवाब में बीकानेर मंडल ने 5 विकेट खोकर मैच आसानी से जीत लिया। इस दौरान मंडल खेलकुद अधिकारी रवि मीणा, सहायक मंडल खेलकुद अधिकारी दिलीप सिंह एवं मंडल खेलकुद कोषाध्यक्ष आशुतोष शर्मा उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय जूनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता आज से

जोधपुर से छः खिलाड़ी व दो प्रशिक्षक रवाना

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। राजस्थान का 18 सदस्यीय दल राष्ट्रीय जूनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आज रवाना हुआ। प्रतियोगिता में 17 वर्ष तक के बालक व 15 वर्ष तक की बालिकाएं भाग ले रही हैं। भारतीय जिम्नास्टिक्स महासंघ के कार्यकारिणी सदस्य परमेश्वर प्रजापत ने बताया कि प्रतियोगिता में 23 राज्यों की टीमे शिरकत करेंगी। जिला जिम्नास्टिक्स संघ के सचिव डॉ. शक्ति सिंह रावलोत ने बताया कि 29 जनवरी से एक फरवरी तक प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में जोधपुर से उगम सिंह, अंकुर गंडेर व सुरेन्द्र सिंह बालक (17 वर्ष) और दीपा कोली, वैशाली प्रजापत व प्रियंका शेखावत बालिका (15 वर्ष) तथा सुनील परिहार बालक वर्ग व विशाल मिश्रा को बालिका वर्ग हेतु प्रशिक्षक चयनित किया गया हैं। कोषाध्यक्ष अरुण शर्मा, प्रशिक्षक भवानी सिंह खंगारोत व डॉ. भागीरथ सिंह ने टीम को रवाना किया।

खान व चौधरी ने जीता बॉल बैडमिंटन खिताब

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। जोधपुर बॉल बैडमिंटन संघ द्वारा एकल कोर्ट बैडमिंटन प्रतियोगिता ईदगाह मैदान में आयोजित की गई।

इस प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में ईदगाह सीनियर के हमीद व अशफाक ने उत्कर्ष जांगिड़ व सारिका खान को 35-30, 32-35, 35-25 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में शुभम कुमार व नीलम विश्नोई को मेहबूब खान व हर्षिता चौधरी ने सीधे सेटों से 35-29, 30-30 हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में ईदगाह सीनियर के मेहबूब खान व हर्षिता चौधरी ने अशफाक व हमीद को 35-30, 30-35, 35-15 से हराकर एकल कोर्ट का खिताब जीता। इस पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि इब्राहिम जिद्दी व मोहम्मद शकूर ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये। इस अवसर पर सारिका खान, हर्षिता, नीलम, शुभम कुमार, उत्कर्ष, दीक्षा चौधरी को राजस्थान टीम में चयन होने पर उनको भी सम्मानित किया गया। जोधपुर बॉल बैडमिंटन के अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा व सचिव मेहबूब खान ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन पंकज मोहनोत ने किया।

सर्वजातीय सामूहिक विवाह आज

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। प्रतापनगर स्थित आदर्श विद्यालय मंदिर में बुधवार को सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति की बैठक आज प्रांत संघचालक ललित शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख महेंद्र दवे के मुख्य अतिथ्य व संस्थान अध्यक्ष रतनलाल गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

दवे ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने का आह्वान किया।

रतन लाल गुप्ता ने बताया कि समारोह में 102 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। दुल्हों की बारात रावण का चबूतरा व जूना खेडापति मंदिर से रवाना होकर आदर्श विद्यामंदिर पहुंचेगी। आदर्श विद्यालय मंदिर में 102 कुटियाओं का निर्माण किया गया है। जिसमें दुल्हनों को सजाने की व्यवस्था की गई है।

प्रचार प्रसार प्रमुख नथमल पालीवाल ने बताया कि समारोह में महामण्डलेश्वर स्वामी महेश्वरानंदपुरी महाराज आशीर्वाद प्रदान करेंगे।

एडीएम गौरी ने गजनेर पुलिस थाने का वार्षिक निरीक्षण किया

बीकानेर, 28 जनवरी (निसं)। अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) ए. एच. गौरी ने मंगलवार को गजनेर पुलिस थाने का वार्षिक निरीक्षण किया । इस दौरान गौरी ने थाना अधिकारी को आगामी पंचायत राज चुनाव के मद्देनजर शांति एवं कानून व्यवस्था संधारित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने अपने संपर्क सूत्र को सक्रिय करने के निर्देश दिए और थानाधिकारी अमरजीत सिंह से गजनेर थाना क्षेत्र के बारे में फीडबैक लिया। गौरी ने मालखाना का निरीक्षण किया और थाने में पुराने प्रकरण की जानकारी लेते हुए उनके निस्तारण के थाना अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने थाना में प्रतावित स्वागत कक्ष है की प्रगति की जानकारी लेते हुए उसका निर्माण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा करवाने को कहा।

शुष्क क्षेत्र की बागवानी उत्पादन व तकनीक पर प्रशिक्षण आरम्भ

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। प्रगतिशील किसानों के लिए केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) संस्थान के शमी भवन में

प्रगतिशील किसानों के लिये वर्तमान परिदृश्य में शुष्क क्षेत्र में बागवानी उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण का शुभारम्भ सोमवार को हुआ। विभागाध्यक्ष डा- प्रवीण कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बागवानी में विकास के लिए शोध और नवीनत प्रौद्योगिकियो से दुनियाभर में फल और सब्जी का उत्पादन बढ़ा है।उन्होंनेकहा कि सरलता से उपलब्ध संसाधनों तथा बाजार की मांग को ध्यान में रखते हुए फलों एवं सब्जियों के उत्पादन से अच्छा मूल्य प्राप्त हो सकता है। उ-होंने किसानों को खाद्य प्रसंस्करण को अपनाने के लिए प्रेरित किया, ताकि वर्षभर किसानों को आमदनी मिलती रहे। किसानों से एकीकृत कृषि प्रणाली के महत्व के बारे में चर्चा करते हुए कीटनाशको के अंधाधुंध उपयोग से होने वाले नुकसान की ओर भी ध्यान दिलाया साथ ही कीट-रोग नियंत्रण के लिये वैज्ञानिक तरीके अपनाने का आहान किया।

शिविर में 121 जनों ने रक्तदान किया

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। गणतंत्र दिवस पर स्व. गौतमचन्दजी एवं मधु धारीवाल की स्मृति में शोभावतों की ढाणी में रक्तदान शिविर का आयोजित किया गया। जिसमें 121 जनों ने रक्तदान किया। संयोजक मनीष एवंदिलीप धारीवाल ने बताया कि शिविर में 121 लोगों ने रक्तदान

किया। दिलीप धारीवाल ने बताया कि इस मौके अशोक बाहेती, कुशाल सांखला, करणसिंह राठोड़, रविन्द्र बोथरा, विशाल, लविन्द्र सिंह राठौड़, मधुसूदन भंसाली, आशीष माथुर, रितेश मेहता, नारायण सुथार, जीएस वालिया, नवीन, चेतन जैन एवं गणमान्य उपस्थित थे।

सीपीआर का प्रशिक्षण दिया

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। राज्य होटल प्रबंध संस्थान में एक दिवसीय सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके मुख्य प्रशिक्षक डॉ राजेन्द्र तातेड़ ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की अचानक ह्रदय गति से रूक जाए और उसे समय पर सीपीआर दिया जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है। प्रो.तातेड़ ने सड़क हादसों में घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार करने, पानी में डूबने और अचानक ह्रदय गति रूकने पर सीपीआर देने के तरीका बताए। उन्होंने पॉवर पॉइन्ट प्रजेंटेशन के माध्यम से शरीर की संरचना और सीपीआर देने का सही स्थान पर चर्चा की। सीपीआर देने से जिंदा हुए लाभार्थियों के बारे में प्रमाण प्रस्तुत किए और इस संबंध में विडियो को दिखाया। साथ ही डमी के द्वारा सीपीआर देने का प्रायोगिक प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्राचार्य कृष्ण गोपाल दुबे ने की। संस्थान के सभी कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

उद्यान विकास के लिए दस लाख रूपए देने की घोषणा

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। कमला नेहरू नगर द्वितीय ए सेक्टर विकास समिति द्वारा माहेश्वरी भवन के पास स्थित सार्वजनिक उद्यान में गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकांता व्यास का स्वागत श्रीमती रामेश्वरी भूतड़ा ने माल्यार्पण कर श्रीमती सुगरा ने शॉल ओढ़ाकर तथा श्रीमती जसोदा देवी चौहान ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

समारोह में श्रीमती व्यास ने सुश्री भाविका जैन का मंच संचालन व नेशनल स्कूल चैम्पियनशिप सॉफ्ट बॉल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले वत्सल मुण्डेल को सम्मानित किया। इस अवसर पर सूर्यकांता ने उद्यान के विकास कार्य हेतु दस लाख रूपये विधायक कोष से देने की घोषणा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवराज चंडक एवं प्रेमराज आसेरी तथा समिति के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष हाजी समसुद्दीन गौरी, सचिव बंशीलाल जांगिड़ ने ध्वजारोहण किया।

संगीता बेनीवाल आज कई कार्यक्रमों में भाग लेंगी

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। राजस्थान बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती संगीता बेनीवाल 29 जनवरी को मगरा पूंजला स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय माता का थान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगी।

श्रीमती बेनीवाल प्रातः साढ़े दस बजे माता का थान विद्यालय में चाईल्ड लाईन जोधपुर द्वारा 'स्वच्छ बचपन-स्वच्छ भारत' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगी तथा बालकों से बाल अधिकार के संरक्षण एवं जागरूकता विषय पर चर्चा करेंगी।

सुन्दरकाण्ड पाठ के साथ भागवत कथा की पूर्णाहुति

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। श्रीमती राम कंवरी कच्छवाह पत्नी स्व. जेठूराम कच्छवाह धमार्थ सेवा संस्थान, श्री सालासर बालाजी प्रचार एवं सेवा समिति, किसान नर्सरी कच्छवाह परिवार के संयुक्त तत्वावधान में रॉयल्टी नाका के पास प्रतापनगर में चल रही भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के अन्तिम दिन सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान की झांकी सजाई गई।

आयोजक प्रभुलाल कच्छवाह ने बताया कि सात दिनों से चली आ रही भागवत कथा पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुई। कथा वाचक सुनील महाराज ने कहा कि दुष्ट व्यक्ति दूसरे के दुःख से कभी परेशान नहीं होता बल्कि दूसरे के सुख से परेशान होता है।

कथा के समापन पर आयोजित भंडारे में साधु-संतों व धर्मप्रेमियों ने प्रसाद ग्रहण किया। सुनील महाराज ने अन्तिम दिन संक्षिप्त में नैनी बाई के मायरे की कथा का वाचन किया।

स्वच्छ सर्वेक्षण ऐप डाउनलोड करवाया

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लॉइज यूनियन के मण्डल कार्यालय में सचिव मनोज कुमार परिहार व मण्डल अध्यक्ष के तत्वावधान में नगर निगम टीम के साथ शहर की गन्दगी की शिकायत दर्ज करने हेतु स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 ऐप डाउनलोड करवाकर ऑनलाइन आवेदन के लिए मार्ग दर्शन करवाया गया।

परिहार ने बताया कि शहर की गन्दगी पूर्ण रूप से दूर हो इसके लिए हम सभी को एक होकर जहां कही भी गन्दगी हो रही हो उसके सम्बन्ध में उपरोक्त ऐप के माध्यम से शिकायत कर जोधपुर को स्वच्छ बनाने में अपना पूर्ण योगदान दें।

अनुभव और टेलेंट मिलाकर कार्य करें : संत चंद्रप्रभ

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। संत चंद्रप्रभ ने कहा कि हर देशवासी संकल्प ले कि मैं अपने भारत को स्वच्छ, स्वस्थ, समृद्ध, शिक्षित और संस्कारित बनाने में अपना पूर्ण योगदान दूंगा। हमारे देश में सबको अपनी अपनी परंपरा तथा संस्कृति को जीने का हक है इसीलिए भारत विश्व में सबसे महान देश है।

संत चंद्रप्रभ संबोधि धाम में आयोजित समारोह में शहरवासियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सन् 2030 तक भारत का स्वर्णिम भविष्य उत्पन्न होगा। उसके लिए सब भारतवासियों को आहुति देनी पड़ेगी। हम कम नहीं हैं और हम कमजोर भी नहीं है। अनुभव का खजाना पुरानी पीढ़ी के पास है, पर टैलेंट नई पीढ़ी के पास ज्यादा है। अब समय आ गया है कि अनुभव और टैलेंट को मिलाकर हमें भारत के भविष्य का नवनिर्माण करना चाहिए।

संबोधि धाम में वसंत पंचमी पर होगा महापूजन

अतीत और वर्तमान के बीच में मित्रता होगी तभी नवीनीकरण होगा। यह जमाना लड़ने का नहीं है, साथ चलने का है, प्रगति का युग है। उन्होंने कहा कि यदि हम भाईचारे की भावना के साथ रहे तो 5000 साल में जितना विकास नहीं हुआ अगले 10 सालों में उतना विकास हो जाएगा।

संत शांतिप्रिय सागर ने पावर योगा तथा ध्यान करवाते हुए जीवन का एक नियम दिया पांव गर्म ,पेट नरम ,माथा रखो ठंडा ,जब भी कोई बीमारी आए उसे मारो डंडा यदि हम नियमित रूप से योगा करते हैं, ध्यान करते हैं तो हमें कोई भी बीमारी नहीं होगी।

मीडिया प्रभारी गोपाल फोफलिया ने बताया कि बसंत पंचमी की सुबह 9 से 12 बजे तक सरस्वती महा पूजन का आयोजन होगा जिसमें देश की सबसे ऊंची सरस्वती माता की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। कार्यक्रम में इंडो पब्लिक स्कूल की बालिकाओं द्वारा विशेष नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

छात्रवृति का चैक वितरित करते अतिथि। जलतेदीप

कुरीतियों व अंधविश्वास के खात्मे के लिए महिला शिक्षा जरूरी

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। स्वामी विवेकानन्द स्टुडेन्ट्स वेलफेयर चेरीटेबल ट्रस्ट एवं मां शारदामणि ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में शास्त्री नगर स्थित साधना केन्द्र मणिदीप में विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत 40 छात्राओं को छठे चरण में 2 लाख 30 हजार की छात्रवृत्ति के चैक वितरित किये। मुख्य अतिथि प्रो.के.एस.गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को शिक्षित करने से समाज में व्याप्त कुरुतियां एवं अंधविश्वास को खत्म किया जा सकता है। पश्चिमी राजस्थान नारी शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा हुआ है। इसके लिए प्रत्येक बालिका में तकनीकी कौशल का ज्ञान होना चाहिए। ट्रस्ट की अध्यक्षा सुश्री बसन्ती मनिहार ने कहा कि जिज्ञासा रखकर सीखने वाले व्यक्ति में शक्ति का संचार हो जाता है जिससे वे सफल होते हैं। प्रो.वी.के.भंसाली ने कहा कि जीवन में अध्यात्मक एवं भौतिकवाद में संतुलन ही सफल जीवन का रहस्य है। विशिष्ट अतिथि जीएसटी अधिकारी दिनेश रंगा, लीला देवी मून्दड़ा, राजेश लोहिया, रामाकिशन प्रजापत, अशोक जैन, लीला प्रजापत, गोपीकिशन लोहिया, अनिता प्रजापत व जितेश राठी ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर ओमप्रकाश फोफलिया, दुर्गासिंह गहलोत, सुरेन्द्र मोदी, सुषमा देवी, सरस्वती देवी, मधु आडवानी, राधा गुप्ता, राजकुमार कोठारी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। एम आर सेठिया ने आभार जताया। संचालन जितेन्द्र मंत्री ने किया।

मानव मूल्य जीवन की अमूल्य धरोहरः डॉ. मीना

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग के सहायकप्रोफेसर डॉ. जनकसिंह मीना ने जीडी मेमोरियल ग्रुप ऑफ कॉलेज में मानव मूल्य विषयक संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति घर, समाज व परिवार के अंतर्गत रहकर ही मानव मूल्य सीखता है। मानव मूल्य जीवन की अमूल्य धरोहर है।

नैतिकता, विश्वास, अनुशासन व ईमानदारी को मानव मूल्य के मानक तत्व बताते हुए सादा जीवन उच्च विचार को ही जीवन की असली पूंजी बताया। सहायक प्रोफेसर सुरेश भाटी ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. डीसी मीणा ने किया।

साहित्यिक व सांस्कृतिक सप्ताह तीन से

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय राजस्थानी विभाग की ओर से साहित्यिक-सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन 3 फरवरी से किया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजया अमरावत ने बताया कि 3 से 8 फरवरी तक चलने वाले सप्ताह के तहत राजस्थानी भाषा, साहित्य व संस्कृति से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं को आयोजन किया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी नया परिसर स्थित विभाग में सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक सम्पर्क कर सकते है।

पद्मश्री शेखर के एकपात्रि मंचन ने मनमोहा

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। एक मंच के पांच विभाग पर एक ही कलाकार द्वारा सैकड़ों किरदारों को दो घंटे तक अपनी पुरकशिश आवाज़ से संवाद तथा इस मंचन के केन्द्रीय पात्र महाकवि सूरदास, समकालीन तुलसी व मीरा के भजनों से सज़ा कर भक्तों के समक्ष सजीव किया तो सभी दर्शक भाव विभोर हो गए।

मौक़ा था रामानुजकोट के संस्थापक गोविन्द सिंह मेहता की पुण्य तिथि पर आयोजित सूरदास के शोध-लेखक, गीतकार-संगीतकार, निर्देशक-कलाकार पद्मश्री शेखर सेन का एकपात्रि मंचन। सेन ने 600 वर्ष पूर्व के काल के जन्मान्ध भक्त कवि सूरदास के जन्म से मोक्ष तक के 105 वर्षों को सजीव किया।

उन्होंने सुमधुर रागों में पिरोकर एक एक कर 34 भजन प्रस्तुत किए। मुम्बई से आए शेखर सेन के सहयोगी प्रकाश व्यवस्था में पंकज मंग, ध्वनि व्यवस्था अशोक पंवार, संगीत ट्रेक व्यवस्था अजय पिंगले, निर्माण व्यवस्था माधव चौरसिया व प्रबन्धन नितेश शुक्ल का था।

योग एवं चिकित्सा शिविर आज

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। राजकीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र का चौथा स्थापना समारोह 29 जनवरी को बासनी तंबोलिया में आयोजित किया जाएगा। चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि इस मौके योग शिविर, चिकित्सा शिविर, मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु काढ़ा वितरण एवं फ्री शुगर जांच तथा पौधारोपण आदि कार्यक्रम होंगे।

शास्त्रीय प्रस्तुति ने मनमोहा

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-एक सेना में स्पीक मैके कार्यक्रम के तहत सितार वादक पंडित प्रतीक चौधरी एवं तबला-वादक उस्ताद फि उददीन साबरी ने प्रस्तुति दी। कलाकारों की शास्त्रीय प्रस्तुतियों का करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया। प्राचार्य एमआर रावल ने आभार जताया।

अमृता हाट के आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। जोधपुर के अरबन हाट में 1 से 7 फरवरी तक अमृता हाट के आयोजन की आवश्यक तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। महिला अधिकारिता के उप निदेशक फ्रसाराम विश्नोई ने बताया कि अरबन हाट में विभागीय महिला स्वयं सहायता समूहों व राजविका द्वारा गठित महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित हैण्डीक्राफ्ट उत्पादों की कलात्मक प्रदर्शनी आकर्षण का केन्द्र होगी। इसके तहत लाख की चूड़ियां, मोजड़ी, पेपर मेशी, आर्टिफिशियल फ्लोवर्स, टेराकोट, आर्टिफिशियल ज्वेली, वस्त्र उत्पाद, कशीदाकारी, चिकन, जरी, पेचवर्क, कोच जड़ाई, बुडन क्राफ्ट, मार्बल की कलात्मक वस्तुएं आदि के हस्त निर्मित उत्पाद, बंधेज, लहरिया, मोतड़ा, कोटा डोरियां की साड़िया, सलवार शूट, सालासर की दरियां व चद्दरे बाड़मेर की अंगरख प्रिन्ट चद्दरे, गुजराती सामान, देवी-देवताओं की पोशाकें, रेडिमेट कपड़े, सोजत की मेहंदी, खाद्य उत्पादों में अंथाना की मिर्ची का अचार, मुरब्बा, मसाले, पापड़ मगोड़ी, सूखी सब्जीयां आदि उपलब्ध रहेंगे। समस्त उत्पाद विभिन्न वेरायटी व पर्याप्त मात्रा में उचित मूल्य पर बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। निर्धारित राशि तक खरीदारी पर इनामी कूपन की व्यवस्था भी की जायेगी। रसद विभाग द्वारा अन्नपूर्णा भंडार की स्टॉल भी लगवाई जायेगी। मेले में फूड कोर्ट की सुविधा रहेगी।

संत नामदेव स्मृति महोत्सव आज

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। सन्त नामदेव सिंधी क्षत्रिय पंचायत ट्रस्ट द्वारा बसन्त पंचमी के दिन सन्त नामदेव महोत्सव एवं बसन्त पंचमी समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया जाएगा।

उपाध्यक्ष सुरेश खेतानी ने बताया कि समारोह में श्री विट्ठल नामदेव ट्रस्ट द्वारा स्व. सावंलदास खेतानी स्मृति पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। साथ ही श्री झूलेलाल विकास सोसायटी सोजती गेट तथा अशोक लालवानी को उनकी सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक सेवाओं हेतु पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

ट्रस्ट के महासचिव चन्द्रप्रकाश खेतानी ने बताया कि जोधपुर के नामदेववंशी सिन्धी समाज से हरीबाई सोलंकी, गोपीबाई, भगवानी देवी, मीरादेवी खेतानी, परमेश्वरीदेवी कारानी, हरूमल सायानी, परशोतम कापारी, मोहनदास सायानी, वीरूमल परमार, मनोज चौहान को समाज सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

जेल से बंदी का वीडियो वायरल

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। देश की सबसे सुरक्षित कही जाने वाली जोधपुर की सेंट्रल जेल एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार यहां से एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हालांकि जेल प्रशासन इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। वीडियो में जेल में वसूली का आरोप लगाया गया है। दरअसल सोमवार देर रात सोशल मीडिया पर हुए वायरल हुए एक वीडियो ने सेन्ट्रल जेल को एक बार फिर सुर्खियों में लाकर खड़ा कर दिया है। पहले भी कई बार सेंट्रल जेल से वीडियो वायरल हो चुके हैं। इस बार बंदियों ने जेल से वीडियो वायरल कर आरोप लगाया है कि जेल में वसूली का खेल चल रहा है। वीडियो में जेलर जगदीश पूनिया पर आरोप लगाया गया है कि बंदियो से नमक के 300 रुपए किलो, तेल 500 रुपए लीटर, धनिया मिर्ची 1500 रुपए वसूले जा रहे है। इस वायरल वीडियो से सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि जेल प्रशासन की इस पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है और ना ही इसकी पुष्टि की है।

तीन लोगों के बैंक खातों से 65 हजार पार

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। शहर में साइबर अपराध नहीं थम रहे। शहर जिला पूर्व में तीन लोगों के बैंक खातों से अंजान शख्स ने 65 हजार की राशि पार कर ली। किसी ने ओटीपी नंबर बता दिए तो किसी का कार्ड क्लोन हो गया। बाद में पीड़ित पुलिस की शरण में पहुंचे और केस दर्ज करवाए।

महामंदिर पुलिस ने बताया कि 93 बी हनुवंत बी बीजेएस कॉलोनी निवासी विजयसिंह पुत्र मदनसिंह निजी फर्म में नौकरी करता है। वह सोमवार को महामंदिर के मानजी का हत्था स्थित पीएनबी शाखा के एटीएम पर रुपए निकालने गया था। उसने अपने खाते से 15 हजार रुपए निकाले। घर पहुंचने के बाद उसके मोबाइल पर मैसेज आने लगे कि खाते से 35 हजार रुपए पार हो गए है। ये रुपए अलग-अलग किश्तों में निकाले गए। पुलिस को आशंका है कि उसका कार्ड क्लोन किया गया है। रुपए किसी कंपनी के मार्फत निकाले जाने का पता लगा है। फिलहाल अनुसंधान किया जा रहा है। इसी तरह भानु बंगला नयापुरा के 74 साल के साबिरहाम पुत्र चुन्नीलाल गहलोत के पास कल एक व्यक्ति का फोन आया और खुद को बैंक का अधिकारी बताते हुए एटीएम के पिन नम्बर पूछे। पिन नंबर की जानकारी दिए जाने के साथ ही उसके खाते से पहले 5 हजार फिर 13 हजार रुपए निकाल लिए गए। मैसेज मोबाइल पर आया तब घटना का पता लगा। इस बारे में महामंदिर पुलिस थाना में धोखाधड़ी में केस दर्ज किया गया। इधर उदयमंदिर पुलिस ने बताया कि मथानिया के बेरा करनेरिया हाल गायत्री नगर गणेशपुरा रातानाडा निवासी अर्जुन सिंह पुत्र नारायण सिंह का एक बैंक एकाउंट कचहरी परिसर स्थित एसबीआई में है। उससे भी किसी ने खाते की जानकारी ली और रुपए ट्रांसफर कर लिए। उसके खाते से पहले 5 हजार फिर 10 हजार निकाले गए। पुलिस ने इस बारे में आईटी एक्ट में केस दर्ज किया है।

ज्ञापन देते आरक्षित समाज के लोग। जलतेदीप

आरक्षित वर्ग के रिक्त पद सामान्य वर्ग से भरने का विरोध

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। आरक्षित वर्गों के रिक्त पद पर सामान्य वर्ग से भरने का दलित समाज ने विरोध करते हुए अधिसूचना वापस लेने की मांग की गई है।

भाजपा जोधपुर शहर अनुसूचित जाति मोर्चा के महामंत्री विष्णु सरगरा मोल के नेतृत्व में दलित समाज ने जिला प्रशासन के मार्फत राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में विष्णु ने बतायाकि राजस्थान सरकार की अधिसूचना अनुसार अनुसूचित जाति, जनजाति के खाली पद सामान्य से भरने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर संपूर्ण दलित समाज में भारी रोष है। बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा दिये गये दलित समाज के योग्य युवा वर्गों के हक का राजस्थान सरकार ने सामन्य से भरने की प्रक्रिया से दलित पढ़े लिखे युवाओं के साथ दोगला दुर्व्यवहार किया है, जिससे समाज के युवा बेरोजगार को रोजगार की चाह में भटका दिया है। जिला महामंत्री सरगरा ने आरोप लगायाकि यह निर्णय मुख्यमंत्री ने दलित समाज के साथ भेदभाव की नीति अपनाकर लिया है। इसका खामियाजना पंचायत राज, नगर निगम चुनावों में दलित समाज आक्रोश के साथ भारी पडेगा। ज्ञापन देने में सुरेश मेघवाल,जसराज छेडवाल, अंकुश हरिराम, जसवंत भील, गिरीराज राणा, सतीश नागौरी, भंवर सरगरा आदि उपस्थित रहे।

उपकरण प्रदान और रक्तदान करते युवजन। जलतेदीप

दिव्यांगों को उपकरण दिए 68 लोगों ने रक्तदान किया

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। विकलांग शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में हाउसिंग बोर्ड 16 वां सेक्टर स्थित सेटेलाइट हॉस्पीटल के सामने शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें समाज सेविका जसोदा डाबी के जन्मदिन पर 106 निशक्तजनों को ट्राईसाईकिल, व्हीलचेयर वैशाखी, वॉकर, नेत्रहीनों को इलेक्ट्रिक छड़ी और मूकबधिरों के लिए कानों की मशीन भेंट की गई। साथ ही आंखों की जांच 192 लोगों को चश्में वितरण किये गए। इस अवसर पर 68 युवाओं ने रक्तदान किया गया।

संस्थान के अध्यक्ष जवान बन गोस्वामी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेशचंद्र पंवार परिवीक्षा एवं कारागृह अधिकारी थे। अध्यक्षता समाजसेवी सुभाष मीणा, राजेन्द्र घारू व हर्षित गांधी आदि ने की। अब्बास खान, प्रदीप सोनगरा, विकास माथुर, कुसुम खत्री, रेखा खत्री, भीखाराम पुनिया, जाहनी डाबी, प्रकाश नाडसर, भूमिका डाबी, लक्ष्मणसिंह, अनाराम सारण व अक्षत डाबी आदि कार्यकर्ताओं ने शिविर में सेवाएं दी।

विशिष्ट पंजीयन नंबर की सीमा निर्धारित

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। प्रादेशिक परिवहन विभाग द्वारा वाहनों के अग्रिम पंजीयन नम्बर अथवा विशिष्ट पंजीयन नम्बर की सीमा जोधपुर परिवहन जिले के लिए निर्धारित कर दी गई है।

जिला परिवहन अधिकारी सीपी गुप्ता ने बताया कि वर्तमान पंजीयन सीरिज के अंतर्गत आरजे 19 जीजी की अग्रिम पंजीयन क्रमांक सीमा 0001 से 9999 निर्धारित है। इसी तरह आर जे 19 पीबी, आरजे 19 टीए, आरजे 19 एफए, आरजे 19 सीजे, आरजे 19 यूबी, आरजे 19 ईए, आरजे 19 आरजी, आरजे 19 बीएक्स, आरजे 19 ईवी, आरजे 19 ईजी तथा 1 जे 19 ईपी पंजीयन सीरिज के लिए भी आर जे 1 जीएच 001 से 9999 तक अग्रिम पंजीयन क्रमांक कसीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि अग्रिम पंजीयन क्रमांक प्रमुख शासन सचिव एवं परिवहन आयुक्त के आदेशानुसार ई-ऑक्शन के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। ई-ऑक्शन का कार्य साप्ताहिक आधार पर संचालित किया जाएगा।

जैन संतों की सुरक्षा की मांग

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। पैदल विहार में जैन संत घायल एवं विहार ग्रुप के सदस्य की एक्सीडेंट से मौत होने पर जोधपुर जैन समाज के कई संस्था संगठनों ने गहरी चिंता जताई।

अहिंसा क्रांति संस्था के मुकेश जैन व धनराज विनायकिया ने बताया कि भिवंडी के समीप पैदल विहार करते हुए आचार्य भगवंत मलयकीर्तिसूरिश्वर महाराज का महाराष्ट्र के शाहपुर के पास एक्सीडेंट होने से जैनाचार्य को भिवंडी के अस्पताल मे भर्ती कराया गया तथा साथ में पैदल विहार चलने वाले जिनशासन के श्रमण श्रमणी भगवंतों की विहार सेवा मे कार्य करने वाले भिवंडी विहार सेवा ग्रुप के ललित जैन का निधन हो गया। समिति तपागच्छ संघ अखिल भारतीय मूर्तिपूजक युवक महासंघ चिंतामणि पार्श्व मंडल बख्शम महिला मंडल आदि संस्थाओं ने 2 मिनट का मौन नवकार महामंत्र का स्मरण कर उन्हें भाव भरी श्रद्धांजलि अर्पित की। आए दिन हो रहे पैदल विहार हादसे पर गहरी चिंता जताते हुए विनायकिया ने सरकार से सुरक्षा पुख्ता इंतजाम की मांग की व कहा कि साधु संत किसी भी संप्रदाय के हो वो सभी देश की धरोहर है।

गुरु कृपा मानसिक विमंदित गृह का निरीक्षण

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के अध्यक्ष नरसिंहदास व्यास एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सिद्धेश्वर पुरी द्वारा गुरु कृपा मानसिक विमंदित गृह आंगनवा का निरीक्षण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सिद्धेश्वर पुरी द्वारा गुरु कृपा मानसिक विमंदित गृह आंगनवा में निवासरत बच्चों से मुलाकात की तथा उनके निवास स्थान कि साफ-सफाई, सोने की व्यवस्था, केयर टेकर उपलब्धता, एवं रसोई घर की जांच की गयी। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर पैनल अधिवक्ता अशोक कुमार जोशी उपस्थित रहे।

दैनिक
जलते दीप

जोधपुर, बुधवार 29 जनवरी 2020

ताक पर योजना

कभी प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि किसी परियोजना के लिए दिल्ली से एक रुपया चलता है, तो अंतिम जगह पर उसके सिर्फ 15 पैसे ही पहुंचते हैं। उस दौर में इसकी काफी आलोचना भी हुई थी, बावजूद इसके कि ज्यादातर लोगों ने इसे सच माना था। आज भी यदा-कदा इसकी चर्चा होती है। लेकिन क्या हो, अगर पैसे दिल्ली से चलें ही न? जिस नौकरशाही की वजह से एक रुपया नीचे पहुंचते-पहुंचते 15 पैसे में बदल जाता है, उसी की वजह से कई बार वह रुपया दिल्ली से चलता ही नहीं है। कम से कम केंद्र सरकार की ग्रामीण हाट योजना का अंजाम तो यही बताता है। दो साल पहले केंद्रीय बजट में बड़े जोर-शोर से इस योजना का एलान किया गया था। इसके लिए दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया था। इस योजना के तहत पूरे देश में 2,200 आधुनिक ग्रामीण कृषि हाट बनाए जाने थे। इसका मकसद था, किसानों को बिचौलियों से बचाना। सोच यह थी कि इससे कृषि बाजार की पहुंच सीधे किसानों तक होगी और उन्हें अपनी फसलों के वाजिब दाम मिल सकेंगे। केंद्र सरकार पहले ही यह घोषणा कर चुकी थी कि वह पांच साल के भीतर किसानों की आमदनी को दोगुना कर देगी। उम्मीद थी कि ये हाट सरकार के उस सपने को पूरा करेंगे और देश के किसानों को समृद्ध बना देंगे। यह योजना उन कुछ समाधानों में से एक थी, जो देश के कृषि संकट को खत्म करने और किसानों को आर्थिक दबाव से बचाने के लिए अक्सर सुझाए जाते हैं। कहा जाता है कि किसानों की कई समस्याओं का समाधान तभी हो सकता है, जब उनके माल की बिकवाली के लिए पर्याप्त और ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर बने, जो उनकी पहुंच के भीतर हो। लेकिन जो पैसे चले ही नहीं, वे अपनी मंजिल पर भला कैसे पहुंचते? दो साल बाद अब पता चला है कि दो हजार रुपये के उस कृषि कोष में से अभी तक सिर्फ 10 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। बनने तो 2,200 कृषि हाट थे, लेकिन काम सिर्फ 376 का शुरू हुआ। वह भी आधा-अधूरा पड़ा है और किसी अंजाम तक नहीं पहुंचा। इसमें से कोई भी हाट अभी काम नहीं कर रहा है। जाहिर है, अपनी उपज की बिकवाली के लिए किसान अभी भी बिचौलियों के भरोसे होंगे। पहले की तरह ही उन्हें अपनी फसल की वाजिब कीमत नहीं मिल रही होगी और किसानों की आमदनी बढ़ाने का लक्ष्य अभी भी इस योजना के जमीन पर उतरने की बाट जोह रहा होगा। जाहिर है कि इसका एक कारण यह गिनाया जा सकता है कि ये योजनाएं जमीन पर राज्य सरकारों के सहयोग से लागू होनी थीं और पर्याप्त सहयोग न मिलने की स्थिति में यह योजना जमीन पर नहीं उतर सकी। बहुत सी योजनाओं को लेकर केंद्र और राज्य का टकराव कोई नई बात नहीं है, इसका एक अर्थ यह भी है कि हमें अक्सर ऐसी योजनाएं मिलती हैं, जिनके मामले में उनके भागीदारों में सहमति नहीं होती। वैसे अभी ठीक से नहीं कहा जा सकता कि इस मामले में योजना के आगे न बढ़ने के ठीक-ठीक कारण क्या थे, लेकिन ऐसे मामलों में दो कारण अक्सर ही दिखाई देते हैं। एक तो नौकरशाही का ढीला रवैया और दूसरा, योजना का जमीनी हकीकत से मेल न खाना। मामला सिर्फ किसानों का नहीं है, किसी भी तरह से इन दोनों ही स्थितियों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

प्रदेश में कोरोना संदिग्ध

यह चिंताजनक है कि कोरोना वायरस का पहला संदिग्ध प्रदेश की राजधानी जयपुर में मिला है। चीन से एमबीबीएस का अध्ययन कर आये 18 यात्रियों में से 1 में कोरोना वायरस के लक्षण पाये गए। यह संदिग्ध 12 जनवरी को चीन से जयपुर आया था और 26 जनवरी को सर्दी, जुकाम, बुखार होने पर पहले सांगानेर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दिखाने गया। यह बताने पर कि वह चीन से आया है तो चिकित्सकों ने उसे तत्काल सवाई मानसिंह अस्पताल में दिखाने का कहा। वहां दिखाया तो कोरोना के लक्षण दिखाई दिए। तब चिकित्सकों ने तत्काल उसे आईसोलेटान वार्ड में भर्ती कर लिया। अस्पताल के अधीक्षक डॉ डीएस मीना के अनुसार संदिग्ध मरीज के नमूने पुणे स्थित नेशनल इन्स्टीटयूट ऑफ वायरोलॉजी लैब भिजवाया गया है, जिसकी रिपोर्ट एक दो तीन में आ जाएगी। इसके साथ ही उसके परिवार को निगरानी में रखा है और उनसे मिलने वालों की भी स्क्रीनिंग की जा रही है। मामला सामने आने पर चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा ने पूरे मामले की जानकारी ली और प्रदेश में अलर्ट जारी करने के निर्देश दिए। चिकित्सा मंत्री ने केंद्र सरकार को अंतरराष्ट्रीय हवाई अडडों से आने वाले व्यक्तियों को संदिग्ध पाये जाने पर पूरी स्क्रीनिंग करवाने का आग्रह भी किया है ताकि कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सके। फिलहाल जयपुर एयरपोर्ट पर विशेष निगरानी की जा रही है, विशेषकर चीन से आने वाले यात्रियों की। चीन से आये सभी 18 यात्रियों पर अगले 28 दिन तक नजर रखी जाएगी। ये सभी यात्री चीन के वुहान शहर से कोरोना वायरस प्रभावित छेत्र से आए हैं। इन यात्रियों में 7 जयपुर से हैं। शेष में सीकर 5 बाड़मेर के 4 और हनुमानगढ के 2 लोग है। हालांकि 17 में फिलहाल इस वायरस के लक्षण नहीं मिले हैं, लेकिन काट्रेक्ट ट्रेसिंग के तहत ये किन-किन लोगों के संपर्क में आए, उनकी भी स्क्रीनिंग की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरसके संक्रमण के फलस्वरूप बुखार, जुकाम, सांस लेने में कठिनाई, नाक बहना और गले में खराश जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। इसलिए इसको लेकर बहुत सावधानी बरती जा रही है। यह जानकारी से मानव में आया वायरस है और सी कूड से इसके संक्रमण की खबर है। इस वायरस का कोई इलाज नही हैं, ऐसे में किसी व्यक्ति के इसके चपेट में आने पर उसे बचाने के लिए चिकित्सक कुछ ज्यादा नहीं कर सकते। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कोरोना वायरस प्रदेश में अपना असर दिखाता है तो क्या हमारे पास ऐसी व्यवस्था है कि इस स्थिति में निपट लिया जाएगा? कारण चिकित्सा क्षेत्रमें आपदा प्रबंधन जैसी कोई चीज नजर नहीं आती। यदि इस बीमारी को अपने देश की सामान्य बीमारियों की तरह देखा तो यह लापरवाही होगी। बेहतर यही होगा कि इसके संक्रमण की परिस्थितियों को पूरी तरह नियंत्रित करने के साथ अधिकतम सावधानी बरती जाए।

।। दसवां वेद ।।

-जुगल परिहार

दूहो दसमों वेद समझै तेनै सालै

8776. को मेटणो समथ्थ तिण

रह-रह भूल न मिंत तूं, पीट न अधिक कपाट।
को मेटणो समथ्थ तिण, जे विध लिख्या ललाट।।

हे मित्र। रूको-रूको, किंवाड़ों को अधिक मत खटखटाओं। क्या तुम नहीं जानते कि विधाता नें जो भाग्यलेख लिख दिया है, उसको मिटाने में समर्थ कोई नहीं है।

एक निर्जन वन में एक ब्राह्मण, ब्राह्मणी और उनका पुत्र रहते थे। वे अभाव में रहते हुए अपने दिन गुजार रहे थे। वे दुखी अवस्था में रहते हुए भगवान का भजन करते थे। एक बार उधर से पुरूषोत्तम ब्राह्मण को निकलते देखा तो ब्राह्मण ने उससे पूछा कि तुम कहां जा रहे हो? पुरूषोत्तम ने कहा कि मैं भगवान के पास जा रहा हूं। तब ब्राह्मण उससे कहने लगा कि हम सदा भगवद भजन करते हैं, तो भी हमारे पास एकही धोती है,अतः ठीक से उपासना नहीं कर सकते। तुम भगवान से प्रार्थना कर हमें और दो धोतियां दिलाओ। पुरूषोत्तम ने भगवान के पास जाकर कहा तो भगवान ने कहा कि उनके भाग्य में एक से अधिक लिखी ही नही है। पुरूषोत्तम ने आकर ब्राह्मण से कहा तो उन्हें बड़ा दुख हुआ। पुरूषोत्तम ने ब्राह्मण परिवार दयनीय अवस्था देखते हुए फिर एक बार जाकर भगवान से निवेदन किया तो भगवान ने कहा कि उनके एक वस्त्र ही घटित है, क्योंकि कुएं समुद्र में पानी अथाह होने के बावजूद भी घड़ा तो अपने प्रमाणेपित ही जल पाता है। फिर भी पुरूषोत्तम के बार बार प्रार्थना करने पर भगवान ने कहा कि मैं उन्हें तीन वर देता हूं,वे जो मांगेगे उन्हें मिल जाएगा। जब तीनों को तीन वर मिले तो ब्राह्मणी जो काली कलूटी लंबोदरी और बड़े बड़े होठ दांतों वाली थी और जिसके लटके हुए पयोधर कर्कश वाणी वाली कलिकाल की पटरानी की भांति अत्यंत कुरूप थी ने अपने एक वर से रूप सौभाग्य की प्राप्ति हो, ऐसी याचना की। वह तत्काल भगवत्कृपा से अत्यंत रूपवती अप्सरा को भी मात करने वाली सुंदर तरूणी हो गई। वह मृगाक्षी, दाड़िम के कुलियों से दांत और चंद्रमा जैसे मुखवाली दिव्य आभूषणों से विभूषित मधुर भाषिणी स्त्री हो गई। एक बार शिकार के लिए आये हुए राजपुत्र ने उसे देखा तो वह उस पर मुग्ध हो गया और उसे अपने साथ ले गया। उसे वियोग से पिता पुत्र दुखी हो गए। ब्राह्मणी को राजकुमार के साथ आनंद करते देखकर क्रुट्ट ब्राह्मण ने अपने को प्राप्त एक वर से उसको सूअरी बना दिया। वह मल मूत्र और कीचड़ से लिपटी हुई अत्यंत दुखी अवस्था में अपने पुत्र के पास आकर रोने लगी। अपनी मां को अत्यंत दुखी जान कर उसने लोकनिंदाभिभूत हृदय से अपने वर के द्वारा पूर्ववत काली कलूटी बना दिया। इस प्रकार तीन वर मिलने के बावजूद भी वे तीनों जैसे के वैसे ही रहे। भगवान के वर भी उन्हें कोई लाभदायी नहीं हो सका।

भरोसे से ही बनेगी बात

- सुरेंद्र कुमार

एक महीने से ज्यादा समय से देश में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन, धरने और पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें देखने को मिल रही हैं। अक्सर ये प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसके कारण जान-माल और संपत्ति का भारी नुकसान भी हुआ है। ये आंदोलनकारी किसी खास क्षेत्र या धर्म या जाति या उम्र वर्ग के नहीं हैं और न ही वे एक भाषा बोलते हैं। उनमें से अधिकांश सीएए का विरोध करने का दावा करते हैं और सीएए, एनपीआर और एनआरसी के वास्तविक कार्यान्वयन एवं अंतर्संबंध के बारे में चिंतित हैं। दिलचस्प बात यह है कि दिल्ली के शाहीन बाग और लखनऊ के घंटाघर में कई हफ्ते से भारी संख्या में महिलाएं भयंकर ठंड की उपेक्षा करते हुए धरने पर बैठी हैं।

जेएनयू और जामिया के परिसरों में अशांति ने विश्वविद्यालय प्रशासन के कुशासन, पुलिस की संदिग्ध भूमिका और उनके आकाओं के संदेहास्पद एजेंडे के चलते जनता की राय को तेजी से विभाजित कर दिया है। तथ्य यह है कि अन्य विश्वविद्यालयों के छात्र, जो जेएनयू के छात्रों के बयानों के राजनीतिक निहितार्थों के कारण वहां के छात्रों के साथ आंखें नहीं मिलाते, भी खुलेआम उनके समर्थन में आ गए हैं, जो छात्र समुदाय की एकजुटता के बारे में बताता है, जिससे कई मुद्दों पर मतभेदों के बावजूद बड़े पैमाने पर उनके लिए सहानुभूति का प्रसार हुआ है। ऐसे में, सत्ता में बैठे लोगों के लिए सलाह यही होगी कि वे चल रहे प्रदर्शनों को खारिज न करें, कहीं ऐसा न हो कि वे राष्ट्रीय संकट में रूपांतरित हो जाएं। निश्चित रूप से इन प्रदर्शनों को समझदारी, सहयोग और सामंजस्य की भावना के साथ गैर-पारंपरिक ढंग से और बिना भेदभाव के देखा जाना चाहिए। जामिया और जेएनयू के हालिया घटनाक्रमों की निष्पक्ष और समग्र जांच के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में दिल्ली से बाहर के तीन सेवानिवृत्त कुलपतियों की एक कमेटी के गठन की घोषणा का क्या हुआ?

पूरा समाज इतना विभाजित, ध्रुवीकृत और अविश्वास से भरा हुआ लगता है कि कहीं होने वाली सामान्य बातचीत भी तुरंत उनके खिलाफ हम की कहानी में बदल जाती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष के समर्थक अपनी-अपनी बात को पूर्ण सत्य और दूसरे की बात को निराधार बताते हैं। अफसोस कि विश्वविद्यालय के अधिकारी और पुलिस इतने पक्षपाती हैं कि कोई उनकी बात मानने के लिए तैयार नहीं है।

हम इतने कुटिल क्यों हो गए हैं कि बेहद स्पष्ट बात पर सवाल उठाया जाता है? हिंसा हिंसा है, इसकी चौतरफा निंदा क्यों नहीं होनी चाहिए और अपराधियों को न्याय के समक्ष क्यों नहीं लाया जाना चाहिए, चाहे उनकी राजनीतिक संबद्धता जो भी हो? जामिया में बिना अनुमति के पुलिस का प्रवेश और छात्रों के कमरे में आंसू गैस का इस्तेमाल अक्षम्य था। इसे माफ नहीं किया जा सकता। सत्ताधारी दल और उसके प्रतिद्वंद्वियों के बीच हिंसा की हर घटना को छद्म संघर्ष के रूप में क्यों देखा जाता है? सरकार को न केवल पवित्र होना चाहिए, बल्कि दिखना भी चाहिए। जब हम लोगों से पारदर्शी होने का आग्रह करते हैं, तब सत्ता प्रतिष्ठान को सबसे पहले उदाहरण स्थापित करना चाहिए। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और अन्य जगहों पर कई मामलों में पुलिस ने पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की है।

केवल राजनेता ही नहीं, बल्कि कई शिक्षाविद, विद्वान, लोकसेवक, सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि और मीडिया भी उन लोगों के पक्ष में तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं, जिनका वे समर्थन करना चाहते हैं। हर तथ्य को अलग-अलग तरह से पेश किया जाता है। हम पोस्ट ट्रूथ के जमाने में रह रहे हैं। क्या सच परिवर्तनीय है? किसका सच? मेरा? आपका? हम चर्चा या बहस से क्यों भागते हैं? क्या हम दिल में असुरक्षित नहीं हैं? हम जो कुछ भी कर और कह रहे हैं, अगर वह सही है, तो हमारे पास अपने तर्कों के बल पर अपने आलोचकों को चुप कराने का साहस क्यों नहीं होना चाहिए?

लेफ्ट (वाम) इतना गंदा शब्द क्यों होना चाहिए? दुनिया भर में भारत अकेला ऐसा देश है, जहां आजादी के बाद से ही वामपंथी राजनीतिक पार्टियां लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेती रही हैं, और यहां तक कि इन्होंने चुनाव जीतकर सरकार भी बनाई है। जेएनयू या किसी अन्य विश्वविद्यालय में छात्रों को सिर्फ इसलिए क्यों खतरा बताना चाहिए कि वे वामपंथी विचारों से प्रभावित हैं? क्या यह असांविधानिक है? क्यों एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय को, जिसने एक नोबेल पुरस्कार विजेता, दो वित्त मंत्री, एक विदेश मंत्री और प्रो. राजमोहन जैसे कई प्रतिष्ठित शिक्षाविद दिए, सिर्फ इसलिए नुकसान पहुंचाना चाहिए कि वहां कुछ छात्रों ने संभवतः राष्ट्रविरोधी नारे लगाए होंगे? ऐसा जिसने किया है, उनकी पहचान करें और देश के कानून के मुताबिक पारदर्शी तरीके से उन पर मुकदमा चलाएं और उन्हें उपलब्ध हर कानूनी सहायता का लाभ लेने दें, लेकिन पूरे विश्वविद्यालय को तो बर्बाद मत करें!

छात्र आंदोलन कोई नई बात नहीं है। 1967 में जब कांग्रेस उत्तर प्रदेश सहित 17 राज्यों में चुनाव हार गई थी, तब विश्वविद्यालय उबल रहे थे। अपने गृह नगर इलाहाबाद में, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को बोलने नहीं दिया गया था, उन्हें सुरक्षाकर्मियों द्वारा पिछले दरवाजे से बाहर ले जाया गया। फिर भी विश्वविद्यालय के छात्रसंघ की उच्च प्रतिष्ठा बनी रही और अटल बिहारी वाजपेयी, चंद्रशेखर, मीनू मसानी, राम मनोहर लोहिया जैसे राष्ट्रीय नेताओं ने इसके कार्यक्रम में भाषण देने को अपना सम्मान समझा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने दो प्रधानमंत्री, कई केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उत्कृष्ट लोकसेवक राष्ट्र को दिए। क्यों? क्योंकि इसके शिक्षकों और छात्रों ने सभी मौजूदा और समकालीन मुद्दों पर गंभीर चर्चा और बहस में हिस्सा लिया। बौद्धिक बहस की लौ जलते रहने देना चाहिए। असहमतिपूर्ण आवाजों को दबाना नहीं चाहिए। लोकतंत्र के लिए वे जरूरी हैं। उन्हें अपने तर्कों से ही आप चुप करा सकते हैं। यही सही भारतीय तरीका है।

जल तरंग

चुनावी मोहब्बत का मौसम

देश की राजधानी में आजकल सरकार की स्वादिष्ट एवं उपजाऊ फसल रोपने का मौसम चल रहा है, तभी तो नकली मोहब्बत की असली झप्पियां डाली जा रही हैं। इनके, उनके और न जाने किन-किन के द्वारा उम्र में मुझ से बड़ा होने के बावजूद मुझ जैसों को बड़े भैया बोला जा रहा है। सम्बन्धों की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक व मानवीय मुरम्मत ज़ोर शोर से चल रही है। कई बरस पहले हमने उनकी एक हरकत पर टिप्पणी कर दी थी तो पत्नी ने खबरदार किया था कि कहीं यह 'सज्जन' चुने गए तो आपकी क्या, हमारी भी खैर नहीं रहेगी। लेकिन वह कई पार्टियां बदलने के बावजूद हमेशा हारते रहे और हम भी स्वस्थ बने रहे। व्यवस्था ने अच्छी तरह से सबक याद करवा दिया है कि किसी भी स्तर के राजनीतिज्ञ से नाराज़गी रखने का वक्त अब कतई नहीं रहा।

संबंधों की पुन- मुरम्मत का मौसम आने से लगा कि राजनीति एक अच्छी अध्यापक भी है जो हमें बार-बार पढ़ाती है कि राजनीति और ज़िंदगी में कोई पक्का दोस्त या स्थायी दुश्मन नहीं होता। अवसर मिलने पर खराब सम्बन्धों पर सीमेंट ज़रूर लगा लेना चाहिए। अंजान लोगों से भी थोड़े संबंध उगा लेने चाहिए। योजनाएं बनाने व सपने सच करने के लिए चींटी की तरह प्रयास करते रहना चाहिए। मेहनत के बाद जीत होती है। चुनावी मुरम्मत के मौसम में नेता पुश्तैनी दुश्मनों की तरह व्यवहार और बातचीत के घटिया स्तर के बावजूद लोकतंत्र अधिक मजबूत करते हैं और देश को अधिक गौरव व अधिक शक्ति प्रदान करते हैं। चुनाव की इस होली में सब गले मिल लेते हैं, क्या पता गले मिलना कुछ लाभ दिला दे या गले न मिलना, गले न पड़ जाए। याद रखना ज़रूरी है नेता यदि लगा रहे तो सांसद न सही, विधायक न सही, एक दिन पार्षद तो बन ही जाता है और काफी कुछ करवा सकता है। खराब सम्बन्धों की मुरम्मत करने में वह काफी अनुभवी होता है। आजकल राजनीतिक मुरम्मत के हर सधे हुए कारीगर का बाज़ार गर्म होने के कारण घमंड का सिर लटका हुआ है। सफलता मिलते ही, 'घमंड का सिर ऊंचा' हो लेता है। राजनीति ने मानवीय जीवन को लचीला मुहावरा बना कर रख दिया है, जिसके असली अर्थ बुरी तरह से टूटफूट चुके हैं और निरंतर मुरम्मत मांग रहे हैं। चुनाव के बाद नई सरकार के निर्माण हो जाने के बाद घमंड का सिर ऊंचा वाला मुहावरा बाज़ार की शान हो जाएगा।

वसंत पंचमी

यह त्योहार एक भारतीय त्योहार है । इस त्योहार के दिन विद्या की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है । यह पूजा भारत के पुर्व राज्यों में बडी धूमधाम के साथ मनायी जाती है । इस दिन घर की औरतें पीले वस्त्र धारण करती हैं । प्राचीन भारत में पूरे साल को जिन छह मौसमों में बाँटा जाता था उनमें वसंत लोगों का सबसे मनचाहा मौसम था । जब फुलों पर बहार आ जाती, खेतों मे सरसों का सोना चमकने लगता, जौ और गेहूँ की बालियाँ खिलने लगतीं, आमों के पेड़ों पर बौर आ जाता और हर तरफ रंग-बिरंगी तितलियाँ मँडराने लगतीं । वसंत ऋतु का स्वागत करने के लिए माघ महीने के पाँचवे दिन एक बड़ा जश्न मनाया जाता था जिसमें विष्णु और कामदेव की पूजा होती, यह वसंत पंचमी का त्यौहार कहलाता था । शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है, तो पुराणों-शास्त्रों तथा अनेक काव्यग्रंथों में भी अलग-अलग ढंग से इसका चित्रण मिलता है ।

बसन्त पंचमी कथा

सृष्टि के प्रारंभिक काल में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा ने जीवों, खासतौर पर मनुष्य योनि की रचना की । अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे । उन्हें लगता था कि कुछ कमी रह गई है जिसके कारण चारों और मौन छाया रहता है । विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा ने अपने कमण्डल से जल छिड़का, पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कंपन होने लगा । इसके बाद वृक्षों के बीच से एक अद्भुत शक्ति का प्राकट्य हुआ । यह प्राकट्य एक चतुर्भुजी सुंदर स्त्री का था जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था । अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला थी । ब्रह्मा ने देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया । जैसे ही देवी ने वीणा का मधुरनाद किया, संसार के समस्त जीव-जन्तुओं को वाणी प्राप्त हो गई । जलधारा में कोलाहल व्याप्त हो गया । पवन चलने से सरसराहट होने लगी । तब ब्रह्मा ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती कहा । सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है । ये विद्या और बुद्धि प्रदाता हैं। संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की देवी भी हैं ।

बसन्त पंचमी के दिन को इनके जन्मोत्सव के रूप में भी मनाते हैं । ऋग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन करते हुए कहा गया है- प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती धीनामणित्रयवतु । अर्थात ये परम चेतना हैं । सरस्वती के रूप में ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं । हममें जो आचार और मेधा है उसका आधार भगवती सरस्वती ही हैं । इनकी समृद्धि और स्वरूप का वैभव अद्भुत है । पुराणों के अनुसार श्रीकृष्ण ने सरस्वती से खुश होकर उन्हें वरदान दिया था कि वसंत पंचमी के दिन तुम्हारी भी आराधना की जाएगी और यूँ भारत के कई हिस्सों में वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती की भी पूजा होने लगी जो कि आज तक जारी है । पतंगबाजी का वसंत से कोई सीधा संबंध नहीं है । लेकिन पतंग उड़ाने का रिवाज हज़ारों साल पहले चीन में शुरू हुआ और फिर कोरिया और जापान के रास्ते होता हुआ भारत पहुँचा ।

पर्व का महत्व

वसंत ऋतु आते ही प्रकृति का कण-कण खिल उठता है । मानव तो क्या पशु-पक्षी तक उल्लास से भर जाते हैं । हर दिन नयी उमंग से सूर्योदय होता है और नयी चेतना प्रदान कर अगले दिन फिर आने का आश्वासन देकर चला जाता है । यों तो माघ का यह पूरा मास ही उत्साह देने वाला है, पर वसंत पंचमी (माघ शुक्ल 5) का पर्व भारतीय जनजीवन को अनेक तरह से प्रभावित करता है । प्राचीनकाल से इसे ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती का जन्मदिवस माना जाता है । जो शिक्षाविद भारत और भारतीयता से प्रेम करते हैं, वे इस दिन मां शारदे की पूजा कर उनसे और अधिक ज्ञानवान होने की प्रार्थना करते हैं । कलाकारों का तो कहना ही क्या ? जो महत्व सैनिकों के लिए अपने शस्त्रों और विजयादशमी का है, जो विद्वानों के लिए अपनी पुस्तकों और व्यास पूर्णिमा का है, जो व्यापारियों के लिए अपने तराजू, बाट, बहीखातों और दीपावली का है, वही महत्व कलाकारों के लिए वसंत पंचमी का है । चाहे वे कवि हों या लेखक, गायक हों या वादक, नाटककार हों या नृत्यकार, सब दिन का प्रारम्भ अपने उपकरणों की पूजा और मां सरस्वती की वंदना से करते हैं ।

पौराणिक महत्व

इसके साथ ही यह पर्व हमें अतीत की अनेक प्रेरक घटनाओं की भी याद दिलाता है । सर्वप्रथम तो यह हमें त्रेता युग से जोड़ती है । रावण द्वारा सीता के हरण के बाद श्रीराम उसकी खोज में दक्षिण की ओर बढ़े। इसमें जिन स्थानों पर वे गये, उनमें दंडकारण्य भी था । यहीं शबरी नामक भीलनी रहती थी । जब राम उसकी कुटिया में पधारे, तो वह सुध-बुध खो बैठी और चख-चखकर मीठे बेर राम जी को खिलाने लगी । प्रेम में पगे झूठे बेरों वाली इस घटना को रामकथा के सभी गायकों ने अपने-अपने ढंग से प्रस्तुत किया । दंडकारण्य का वह क्षेत्र इन दिनों गुजरात और मध्य प्रदेश में फैला है । गुजरात के डांग जिले में वह स्थान है जहां शबरी मां का आश्रम था । वसंत पंचमी के दिन ही रामचंद्र जी वहां आये थे । उस क्षेत्र के वनवासी आज भी एक शिला को पूजते हैं, जिसके बारे में उनकी श्रध्दा है कि श्रीराम आकर यहीं बैठे थे । वहां शबरी माता का मंदिर भी है ।

ऐतिहासिक महत्व

वसंत पंचमी का दिन हमें पृथ्वीराज चौहान की भी याद दिलाता है । उन्होंने विदेशी हमलावर मोहम्मद गौरी को 16 बार पराजित किया और उदारता दिखाते हुए हर बार जीवित छोड़ दिया, पर जब सत्रहवीं बार वे पराजित हुए, तो मोहम्मद गौरी ने उन्हें नहीं छोड़ा। वह उन्हें अपने साथ अफगानिस्तान ले गया और उनकी आंखें फोड़ दीं। इसके बाद की घटना तो जगप्रसिध्द ही है । गौरी ने मृत्युदंड देने से पूर्व उनके शब्दभेदी बाण का कमाल देखना चाहा । पृथ्वीराज के साथी कवि चंदबरदाई के परामर्श पर गौरी ने ऊंचे स्थान पर बैठकर तवे पर चोट मारकर संकेत किया । तभी चंदबरदाई ने पृथ्वीराज को संदेश दिया । चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमाणता ऊपर सुल्तान है, मत चूको चौहान ॥ पृथ्वीराज चौहान ने इस बार भूल नहीं की । उन्होंने तवे पर हुई चोट और चंद्रबरदाई के संकेत से अनुमान लगाकर जो बाण मारा, वह गौरी के सीने में जा धंसा। इसके बाद चंदबरदाई और पृथ्वीराज ने भी एक दूसरे के पेट में छुरा भौंककर आत्मबलिदान दे दिया। (1192 ई) यह घटना भी वसंत पंचमी वाले दिन ही हुई थी ।

वसंत पंचमी का लाहौर निवासी वीर हकीकत से भी गहरा संबंध है । एक दिन जब मुल्ला जी किसी काम से विद्यालय छोड़कर चले गये, तो सब बच्चे खेलने लगे, पर वह पढ़ता रहा । जब अन्य बच्चों ने उसे छेड़ा, तो दुर्गा मां की सौगंध दी । मुस्लिम बालकों ने दुर्गा मां की हंसी उड़ाई । हकीकत ने कहा कि यदि में तुम्हारी बीबी फातिमा के बारे में कुछ कहूं, तो तुम्हें कैसा लगेगा? बस फिर क्या था, मुल्ला जी के आते ही उन शरारती छात्रों ने शिकायत कर दी कि इसने बीबी फातिमा को गाली दी है । फिर तो बात बढ़ते हुए काजी तक जा पहुंची। मुस्लिम शासन में वही निर्णय हुआ, जिसकी अपेक्षा थी । आदेश हो गया कि या तो हकीकत मुसलमान बन जाये, अन्यथा उसे मृत्युदंड दिया जायेगा । हकीकत ने यह स्वीकार नहीं किया। परिणामतः उसे तलवार के घाट उतारने का फरमान जारी हो गया । कहते हैं उसके भोले मुख को देखकर जल्लाद के हाथ से तलवार गिर गयी । हकीकत ने तलवार उसके हाथ में दी और कहा कि जब मैं बच्चा होकर अपने धर्म का पालन कर रहा हूं, तो तुम बड़े होकर अपने धर्म से क्यों विमुख हो रहे हो? इस पर जल्लाद ने दिल मजबूत कर तलवार चला दी, पर उस वीर का शीश धरती पर नहीं गिरा । वह आकाशमार्ग से सीधा स्वर्ग चला गया । यह घटना वसंत पंचमी (23.2.1734) को ही हुई थी।

पाकिस्तान यद्यपि मुस्लिम देश है, पर हकीकत के आकाशगामी शीश की याद में वहां वसंत पंचमी पर पतंगें उड़ाई जाती है । हकीकत लाहौर का निवासी था । अत:पतंगबाजी का सर्वाधिक जोर लाहौर में रहता है । वसंत पंचमी हमें गुरू रामसिंह कूका की भी याद दिलाती है । उनका जन्म 1816 ई. में वसंत पंचमी पर लुधियाना के भैणी ग्राम में हुआ था । कुछ समय वे रणजीत सिंह की सेना में रहे, फिर घर आकर खेतीबाड़ी में लग गये, पर आध्यात्मिक प्रवष्ति होने के कारण इनके प्रवचन सुनने लोग आने लगे । धीरे-धीरे इनके शिश्यों का एक अलग पंथ ही बन गया, जो कूका पंथ कहलाया। गुरू रामसिंह गोरक्षा, स्वदेशी, नारी उध्दार, अंतरजातीय विवाह, सामूहिक विवाह आदि पर बहुत जोर देते थे। उन्होंने भी सर्वप्रथम अंग्रेजी शासन का बहिश्कार कर अपनी स्वतंत्र डाक और प्रशासन व्यवस्था चलायी थी । प्रतिवर्ष मकर संक्रांति पर भैणी गांव में मेला लगता था । 1872 में मेले में आते समय उनके एक शिष्य को मुसलमानों ने घेर लिया । उन्होंने उसे पीटा और गोवध कर उसके मुंह में गोमांस ठूंस दिया। यह सुनकर गुरू रामसिंह के शिष्य भड़क गये । उन्होंने उस गांव पर हमला बोल दिया, पर दूसरी ओर से अंग्रेज सेना आ गयी । अत: युध्द का पासा पलट गया । इस संघर्ष में अनेक कूका वीर शहीद हुए और 68 पकड़ लिये गये । इनमें से 50 को सत्रह जनवरी 1872 को मलेरकोटला में तोप के सामने खड़ाकर उड़ा दिया गया । शेष 18 को अगले दिन फांसी दी गयी । दो दिन बाद गुरू रामसिंह को भी पकड़कर बर्मा की मांडले जेल में भेज दिया गया। 14 साल तक वहां कठोर अत्याचार सहकर 1885 ई. में उन्होंने अपना शरीर त्याग दिया ।

रोमांचक जंगलों का सफर

जनवरी: फरवरी का सुखद मौसम! कहीं घूमने जाना चाहते थे। क्यों न इस बार जंगलों में घूमा जाए! दक्षिण अफ्रीका के जंगल, केनिया की सफ़ारी दुनिया के हर कोने से पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। चलिए! चलते हैं इस बार उसी सफ़र पर..

और सैर दक्षिण अफ्रीका की

दक्षिण अफ्रीका में देखने लायक बहुत जगहें हैं। हमने अपने समय और बाकी सुविधाओं के अनुसार केपटाउन, जोहानेसबर्ग और क्रूगर नेशनल पार्क देखने का फ़ैसला किया। केपटाऊन दक्षिण अफ्रीका के एक कोने में है इसलिए वहीं से शुरुआत करने की सोची। कुवैत से काफ़ी लम्बा, सत्रहङ्कअठारह घंटे का सफ़र करने के बाद केपटाऊन पहुँचे लेकिन थके हुए। वहाँ दिन के करीब दो बजे थे, थोड़ा आराम करने के बाद %वॉटर फ्रंट% पर गए। ऐसी जगह जहाँ केपटाऊन का हर इन्सान, चाहे वहाँ का वासी हो या फिर यात्रीङ्कसैलानी हो, अपनी शाम रंगीन बनाने में हमेशा सफल होता है। समुद्र के किनारे होटल, रेस्तरां की भरमार, कहीं कोई अफ्रीकी नृत्य करने में लगा है, शॉपिंग मॉल में जाओ तो अलग ही नज़ारा, खूब चहलपहल, दो घंटे कैसे बीते पता ही नहीं चला। दूसरे दिन सुबह से हमारा असली सफ़र शुरू होनेवाला था। सुबह आठ बजे केपटाउन के शहर का जायज़ा लेने निकले तो इस शहर की गहराई का पता चला। यह शहर एक तरफ़ पर्वतों से घिरा है तो दूसरी तरफ़ समुंदर से घिरा है। डच लोगों की संस्कृति अभी भी यहाँ नज़र आती हैं। उनके पूर्वज या राजा महाराजाओं के मनपसंद गहरे रंगों का सौंदर्य अभी भी इन्हें प्रिय हैं और इनको दुनिया से अलग विशेष पहचान देता है। यहाँ ऐसे अलगङ्कअलग इलाके पहाड़ियों में बसे हुए मिलते हैं जहाँ डच संस्कृति के लोगों और मुस्लिम बस्ती की पहचान उनके घर या उनके लिए बनाई गई मस्जिद से होती है। ऊँचेङ्कनीचे, चढ़ाईङ्कढलान भरे रास्तों से गुज़रते अब हमें जाना था टेबल माऊंटेन। नाम से थोड़ा अंदाज़ा हो ही जाता है कि माउंटेन टेबल जैसा होगा। सपाट सतह का यह पहाड़ दूर से ही नज़रों में समा जाता है। ऊँचाई चढ़ने का रोमांच चढ़कर जाने में है लेकिन समय की कमी के कारण रोप वे का ही सहारा लेना ठीक लगा। इस रोप वे की एक खासियत है, यह ऊपर चढ़तेङ्कचढ़ते सब ओर आपको घुमाता हुआ ले जाता है ताकि चारों ओर का दृश्य आप एक जगह खड़े हो कर भी देख सकें। (अच्छा नज़ारा देखने की ख्वाहिश पूरी करने के लिए खिड़की पकड़ने की ज़रूरत नहीं) पर किस्मत का साथ रहना ज़रूरी है। बादल यहाँ आकर खूब बरसते हैं, साथ में बहती है तेज़ हवा। हवा की दिशा और बहाव के साथ भागते हुए ये बादल कब आपका यहाँ आना रोक दें, कहा नहीं जा सकता। पर बादल हम पर मेहरबान नज़र आते दिखाई दिये। सुबह दस बजे पहुँचने पर पता चला कि माउंटेन पर जाने का रास्ता खुला है। रोप वे से इसकी सपाट सतह पर पहुँचे, नीला समंदर, शहर का नज़ारा और हरी हरी पहाड़ियाँ, आँखों में क्या समाया जाए, समझमें नहीं आया। इस पर्वत के बारे में कहा जाता है कि इसकी ऊपर की सतह लाइम स्टोन यानी चूने की बनी थी। बारिश और हवा इस माऊंटेन की चोटी को इस कदर बहा ले गई कि सतह सपाट हो गई। हम दो घण्टे घूमकर नीचे आए। हर दिन, दोपहर में बारह बजे यहाँ की एक पहाड़ी पर रखी पुरानी तोप से हवा में गोला दागा जाता है। कहते हैं, इसकी आवाज़ पूरे केपटाउन शहर में सुनाई देती है। हमने भी सुनी। पुराने ज़माने में जब कोई खाने पीने या जीवनावश्यक वस्तुओं से भरा मालवाही जहाज़ केपटाउन शहर में प्रवेश करता था, आम जनता को सूचना देने के लिए इस तोप का इस्तेमाल किया जाता था। अब उन्हीं दिनों की याद में दिन में बारह बजे का समय नियत कर के तोप की आवाज़ की जाती है ताकि लोग पुराने दिनों को सदा याद रखें। दोपहर के दो बजे थे, समय हो रहा था रॉबिन आयलैंड पर जाने का। चालीस मिनट का खुली बोट का यह सफ़र बड़ा रोमांचकारी है। दूर पहाड़ों पर उतरे बादल, समुंदर में तेज़ रफ़्तार से चलती मोटर नौका के चलते उड़ते फव्वारों से हम भीगते जा रहे थे। सुनसान और बाकी दुनिया से जैसे इसका कोई नाता ही ना हो ऐसे रॉबिन आयलैंड पर स्थित जेल में नेलसन मंडेला को रखा गया था। यहाँ उन्होंने अपने जीवन के करीब अठारह साल बिताए थे। जेल को आज तक मैंने कभी देखा नहीं था। आज यह मौका आया था। हर जगह गाइड ज़रूर होता है, यहाँ भी था। रॉबर्ट नामक इस गाइड ने जब बोलना शुरू किया तो हमारे साथ का हर सदस्य हक्काङ्कबक्का रह गया। रॉबर्ट वह आदमी था जिसने नेलसन मंडेला के साथ वहाँ बीस साल उसी जेल में, उनके बगल के कमरे में गुज़ारे थे। अपने देश की स्वतंत्रता की खातिर जेल में इतने साल बिताए हुए रॉबर्ट हम सब पर्यटकों के दिलों में जैसे बस गया। अठारहङ्कउन्नीस साल की उम्र में उसे जेल हुई, वहाँ रहते इन कैदियों ने, जो पढ़ना चाहते थे, आगे पढ़ाई की और जेल की कार्यपद्धति में सुधार किया। आज जेल से तो छूटे हैं, आज़ाद ज़िन्दगी जी रहे हैं लेकिन हालत गंभीर बनी हुई है। इतने सालों में परिस्थितियाँ बहुत बदल गईं, उनकी पढ़ाई के अनुसार आज वे कहीं भी काम हासिल करने में नाकामयाब हैं। रॉबर्ट के शब्दों में, आज भी यह जेल ही हमारा सर्वस्व है, यहाँ रहना हमारी मज़बूरी है। देखते ही खस्ताहाल दिखता रॉबर्ट सभी के मन पर अमिट छाप छोड़ गया है। भूले नहीं भूलती मैं उस रॉबर्ट को! इस बात का अहसास भी होता है कि नेल्सन मंडेला जैसे लोग तो दुनिया की नज़र में रहते हैं लेकिन स्वतंत्रता संग्राम में बराबर का हिस्सा लेने वाले ऐसे कितने चेहरे हैं जो गुमनाम और मुसीबत भरी ज़िंदगी जीने पर मजबूर हैं। एक मज़ेदार बात नज़र आई। जेल के हर कमरे के उस समय के कैदी की आवाज़ वहाँ टेप कर के रखी हुई है। आप बटन दबा कर उसे सुन सकते हैं। हम ऐसे ही जेल के एक कमरे (सेल) में पहुँचे तो वहाँ श्री बिली नायर की फोटो लगी थी। मूल भारतीय होने के साथ उन्होंने भी वहाँ अपनी ज़िन्दगी के बीस साल बिताए थे।

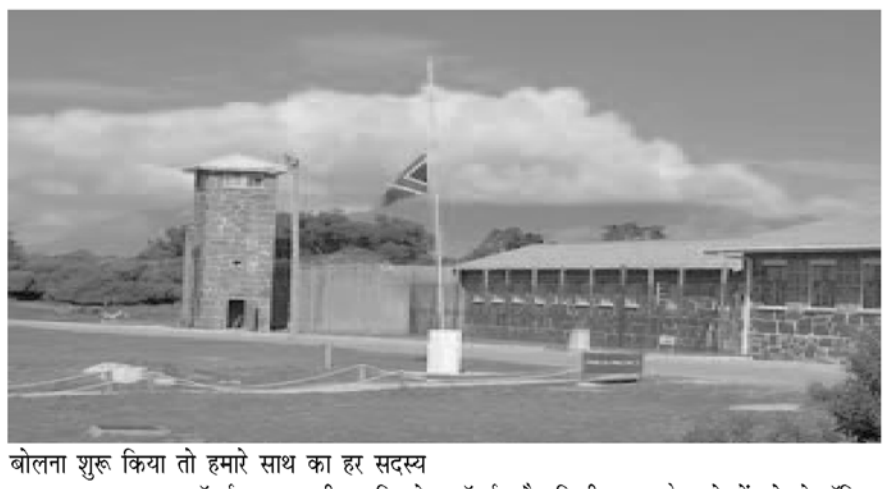

रॉबर्ट और बिली नायर के बारे में सोचते रॉबिन आयलैंड से लौटे। अनायास दिल में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन कैदियों ने आवाज़ दी जिन्हें अंडमान की जेलों में रखा गया था। क्या वीर सावरकर का कमरा भी ऐसा ही होगा जहाँ उन्हें कैद किया गया था? उस स्थल को देखने की इच्छा मन में उमड़ने लगी है। केपटाउन में तीसरा दिन हरे भरे वृहदाकार पहाड़ों में और नीले सागर के किनारे सफ़र का था। गाड़ी चलती ही जा रही है, पहाड़ और सागर भी हमसफ़र बने चल रहे थे हमारे साथङ्कसाथ। कभी कभी इतनी ऊँचाई पर पहुँच जाते कि गहराई को देखने रुक जाते। दृश्य ऐसे मनभावन कि आँखें थकती नहीं थीं देखङ्कदेख कर। इस लम्बे सफ़र का अन्त हुआ अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिण छोर पर। यहाँ हिन्द महासागर और अटलांटिक महासागर मिलते हैं। इस जगह को %केप ऑफ गुड होप% कहा जाता है। यहाँ से चले प्यारे पेंग्विन पक्षियों से मिलने %पेंग्विन आयलैंड% की ओर। ओ हो! कैसा झुंड हैं इनका यहाँ। कहते हैं कि शुरू में एक पेंग्विन की जोड़ी तैरती हुई यहाँ आ पहुँची। यहाँ रहने लगे तो अपने बर्फवाले देश में लौटना शायद भूल गए। यहीं के मौसम को अपना लिया, यहीं की आदतङ्कसी डाल ली। करते करते अब यहाँ बड़ी संख्या में ये पक्षी मौजूद हैं। मूल पेंग्विन से यहाँ के पक्षी ज़रा छोटे दिखते हैं लेकिन पेंग्विन तो पेंग्विन हैं, रौबदार, डौलदार चाल है उनकी, मस्ती से कभी पानी में तो कभी रेत में आवाजाही शुरू रहती है। नज़र हटाने

यह भी जाने

ताजमहल का इतिहास

आगरा का ताजमहल भारत की शान और प्रेम का प्रतीक चिह्न माना जाता है। उत्तरप्रदेश का तीसरा बड़ा जिला आगरा ऐतिहासिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। मुगलों का सबसे पसंदीदा शहर होने के कारण ही उन्होंने ?दिल्ली से पहले आगरा को अपनी राजधानी बनाया। इतिहास के अनुसार इब्राहिम लोदी ने इस शहर को सन् 1504 में बसाया था। जिस समय इस शहर की स्थापना की गई, उस समय किसी ने यह कल्पना नहीं की होगी कि यह शहर पूरे विश्व में अपनी खूबसूरती के लिए परचम लहराएगा। जिसे आज भी दुनिया के सात अजूबों में शुमार किया जाता है। इतिहास = स्थापत्य कला की जीती-जागती तस्वीर आगरा शहर दिल्ली से करीब 200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जिसे बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था। इसी तरह बुखारा शहर, जो मध्य एशिया में स्थित हैं, वहां से जिस कारीगर को बुलवाया गया वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। विराट कद के गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर बुलाया गया तथा मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया। इस प्रकार ताजमहल के निर्माण से पूर्व छ: महीनों में कुशल कारीगरों को तराश कर उनमें से 37 दक्ष कारीगर इकट्ठे किए गए, जिनके देखरेख में बीस हजार मजदूरों के साथ कार्य किया गया। इसी प्रकार ताज निर्माण में लगाई गई सामग्री संगमरमर पत्थर राजस्थान के मकराणा से, अन्य कई प्रकार के कीमती पत्थर एवं रत्न बगदाद, अफगानिस्तान, तिब्बत, इजिप्त, रूस, ईरान आदि कई देशों से इकट्?ठा कर उन्हें भारी कीमतों पर खरीद कर ताजमहल का निर्माण करवाया गया। ई. 1630 में शुरू हुआ इसका निर्माण कार्य करीब 22 वर्षों में पूर्ण हुआ, जिसमें लगभग बीस हजार मजदूरों का योगदान माना जाता है। इसका मुख्य गुंबद 60 फीट ऊंचा और 80 फीट चौड़ा है।

चकित कर देने वाला सौन्दर्य... लेह-लद्दाख

जम्मू-कश्मीर के लद्दाख जिले में आने वाली जगह लेह...! 3 किलोमीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से जनसंख्या घनत्व वाला लेह...! 25,321 स्क्वेयर किमी क्षेत्रफल वाला लेह...! समुद्री सतह से 11,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है।

विशाल पर्वत श्रृंखलाएं, हजारों फीट की ऊंचाई वाले पर्वतों के बीच बेहद खूबसूरत घाटियां, कल-कल बहते ठंडे पहाड़ी झरने, कांच की तरह साफ व मटमैली भी, दोनों तरह की नदियां, किसी रेगिस्तान की तरह बिछी रेत, पठार और उस पठार में खूबसूरत झील। कुदरत की खूबसूरत कारीगरी... ये सारी चकित कर देने वाली सुंदरता एक जगह थी। जी हां...! अद्भुत... अविस्मरणीय... अप्रतिम... सौंदर्य से भरपूर... इतनी सारी विविधता अपने विशाल आंचल में समेटे ये क्षेत्र था लेह। जम्मू-कश्मीर के लद्दाख जिले में आने वाली जगह लेह...! 3 किलोमीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से जनसंख्या घनत्व वाला लेह...! 25,321 स्क्वेयर किमी क्षेत्रफल वाला लेह...! समुद्री सतह से 11,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। वैसे तो लेह-लद्दाख देशी कम, विदेशी सैलानियों की सूची की पसंदीदा जगहों में सबसे ऊपर है, लेकिन भला हो बॉलीवुड का, जिसने कुछ फिल्मों की शूटिंग यहां करके इसे और लोकप्रिय बना दिया। जब लेह-लद्दाख का प्रोग्राम बना तो दिल्ली से लेह की फ्लाइट थी। (हालांकि बाद में लगा कि मनाली या श्रीनगर आकर वहां से सड़क मार्ग से आना ज्यादा आनंददायक रहता)। खैर... जानकारों के अनुसार यहां जुलाई में आना चाहिए, क्योंकि तब तक काफी बर्फ पिघल जाती है और बर्फ के अलावा वो सारा सौंदर्य आप देख सकते हैं, जो मैंने ऊपर वर्णित किया है। लेख-लद्दाख अभी तक तस्वीरों या फिल्मों में यानी सिर्फ कैमरे की आंख से ही देखा था, लेकिन लैंडिंग से पहले जब खिड़की से बाहर देखा तो अद्भुत नजारा था। अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा था कि इतनी खूबसूरती इसी धरती पर है। ये चित्रकार, कलाकार सिर्फ कुदरत ही हो सकती है। अपने विभिन्न रूपों से रूबरू कराते हुए लेह ने अपना दूसरा व हवाई जहाज से देखे गए रूप से अलग ही रूप दिखाया। चारों ओर रेतीला भूरा पठार व वैसे ही भूरे पहाड़ नजर आए, लेकिन हवा में अच्छी-खासी ठंडक घुली हुई थी। मौसम विभाग की भारी वर्षा की भविष्यवाणी को धता बताता आसमान साफ, नीला था व सूर्यदेव अपनी तीखी रश्मियों के साथ हमारा स्वागत कर रहे थे। बेहद मामूली (इतना मामूली कि आप निराश होने लगे) दिखने वाले रास्ते से हम होटल %डक% पहुंचे, जो अगले 8 दिनों के लिए हमारा अस्थायी निवास था। सुरक्षा नियमों के तहत होटल पहुंचते ही सब अपने कमरों में आराम करने चले गए। निर्देश है कि वहां ऑक्सीजन लेवल काफी कम रहता है, सो हमारे शरीर को वहां के वातावरण में एड्जस्ट करने हेतु 24 से 36 घंटे देना होते हैं अन्यथा आप सिरदर्द, चक्कर, उल्टी व सांस की तकलीफ से आपका पूरा टूर चौपट कर सकते हैं। एक पूरा दिन आराम व दूसरा पूरा दिन लोकल घूमना सबसे अच्छा तरीका है और हमने भी वही किया। दूसरे दिन सुबह 5 बजे अपनी आदतानुसार नींद खुल गई। खिड़की से पर्दा हटाया, तो आंखें चौंधिया गईं। सूर्य की पहली किरण भूरे पहाड़ों के शिखर पर जमी बर्फ पर पड़ रही थी। ऐसा लग रहा था मानो किसी सुनहरी काया पर मलमल का आंचल भर डाल दिया हो। 15 मिनट तक हाथ में कलम, डायरी व गर्म कॉफी लिए वो नजारा देखती रही। साथ ही खिड़की से बाहर बाग में कई प्रजातियों की चिड़ियाएं विभिन्न स्वरों में गा रही थीं। दोपहर बाद जापानी मोंक द्वारा विश्व शांति हेतु बनाया गया शांति स्तूप देखा, जो सचमु?च ही शांति का प्रतीक था। बिलकुल बुद्ध की शां?त आंखों-सा। उसके बाद हम %हाल ऑफ फेम% गए, जो सीमा पर शहीद हुए हमारे जवानों की याद दिलाता है। वहां मौजूद बैंड के साथ पुष्पचक्र अर्पित करते हुए स्वत: ही हाथ सैल्यूट के लिए उठ गए और हृदय नतमस्तक...। दोपहर बाद सिंधु नदी व झंस्कार नदी का संगम स्थल देखा। दो अलग-अलग नदियों का पानी अलग-अलग लिए मिल रहा था, पर एक नहीं हो रहा था। अद्भुत नजारा था (यहां आप रिवर रॉफ्टिंग का आनंद ले सकते हैं।) तीसरे दिन हम %नुब्रा वेली% के लिए रवाना हुए, जो लेह से करीब 150 किमी दूर है। जाने के 5 से 6 घंटे लगते हैं। बस... यहीं से % लेह ने हमें बताना शुरू कर दिया कि मैं ऐसा नीरस नहीं, जैसे हवाई अड्डे पर दिखता हूं। लेह से %नुब्रावेली% जाने के लिए हमें %खुरदंग ला टॉप% होते हुए जाना था, जो 18,300 फुट की ऊंचाई पर है। ऑक्सीजन की बेहद कमी हमें बेहद घुमावदार पहाड़ों पर चढ़ते हुए गाड़ी में ही महसूस होने लगी थी। ऐसे में कपूर सूंघना बड़ा ही लाभदायक रहता है, जैसा कि हमें यहीं से जानकारों ने बताया था अत: कपूर की छोटी-छोटी पोटलियां हमारे साथ थीं।

भारत

एक ऐसा देश है, जहां विभिन्न क्षेत्र, विभिन्न आबोहवा अपने में समेटे हुए रहते हैं। गुजरात का कच्छ व राजस्थान रेत में भी चटख रंगों की सुन्दरता समेटे है, तो केरल हरियाली और झरने। सिक्किम, उत्तराखंड बर्फ के साथ खूबसूरत फूलों से आपका स्वागत करता है, तो गोवा समुद्री लहरों व उन्हीं के समान थिरकते जिस्मों से। कोई क्षेत्र भारतमाता को बर्फ का ताज पहनाता है, सागर से उसके चरण पखारता है यानी हर क्षेत्र का अपना-अपना अलग रंग, अपनी सुंदरता। अनेकता में एकता को चरितार्थ करते अपनी मातृभूमि पर गर्व का अनुभव करते देश के विभिन्न राज्यों को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। लेकिन पहली बार मालूम हुआ कि सिर्फ समुद्र तट को छोड़ दें तो बर्फीली घाटियों से ढंके पहाड़, हरियाली चुनर जैसे सिर से खींच ली हो, ऐसे भूरे, बंजर, पत्थरों से पटी

सैलानियों की सैरगाह

मनाली

प्रकृति ने मनाली का श्रृंगार खुले हाथों से किया है। साल भर बर्फ से लदे रहने वाले गगन चूमते पर्वत, प्राकृतिक सौंदर्य के मालिक मनाली के पर्यटन स्थल और देव-संस्कृति आदि यहां आने वाले पर्यटकों के दिलों में गहराई तक उतर जाते हैं। पर्यटन नगरी मनाली देशी-विदेशी सैलानियों की पसंदीदा सैरगाह बनने लगी है। देश के किसी भी कोने से हवाई सेवा द्वारा मनाली के भुंतर हवाई अड्डे तक पहुंचा जा सकता है। अधिकतर पर्यटक रेल द्वारा कालका व पठानकोट पहुंचते हैं, वहां से टैक्सी या बस से मनाली पहुंचते हैं। मनाली घूमने आने वाले सैलानियों को कम से कम तीन से चार दिन का कार्यक्रम बनाकर आना चाहिए। सैलानी का पहला दिन समुद्र तल से 13050 फीट ऊंचे रोहतांग दर्रे पर कटता है, जहां सैलानी पल-पल रंग बदलते मौसम का कायल हो जाता है। बर्फ से लदा रोहतांग साल भर सैलानियों को बर्फ की चांदी से रूबरू कराता है। इसी दिन सैलानी राहलाफाल में झरने का आनंद भी लेते हैं। मढ़ी में पसंदीदा व्यंजनों का आनंद लेने के बाद मनाली का रुख करते हैं। दूसरे दिन सैलानी एडवेंचर स्पो?र्ट्स के लिए सोलंगनाला का रुख करते हैं। यहां फातरू पर्यटन स्थल गर्मी में भी सर्दी का अहसास कराता है। सैलानी रोपवे के जरिए फातरू तक पहुंच जाता है। सोलंग में अंजनी महादेव धार्मिक पर्यटन स्थल है। यहां अक्टूबर से अप्रैल तक प्राकृतिक रूप से बहने वाले झरने से शिवलिंग बनता है, जो फरवरी में 25 फीट ऊंचाई का आकार ले लेता है। तीसरे दिन सैलानी मनाली से मनीकरण का रुख करते हैं। यहां ऐतिहासिक गुरुद्वारा और गर्म पानी के चश्मे सभी का मन मोह लेते हैं। मनीकरण के रास्ते में कसोल, भुंतर, कुल्लू, वैष्णों देवी मंदिर, अंगोरा फार्म, फिश फार्म से भी सैलानी रूबरू होते हैं। मनाली में आराध्य देवी माता हडिंबा, सृष्टि के रचयिता मनु महाराज का ऐतिहासिक मंदिर, गुरु वशिष्ठ का मंदिर, क्लब हाउस, गोंपा मंदिर, वन-विहार सहित अनेक पर्यटक स्थल मन मोह लेते हैं। यहां जून महीने में सैलानियों की सबसे अधिक भीड़ रहती है। मनाली-कुल्लू में एक हजार के लगभग होटल, गेस्ट हाउस, होम स्टे व कॉटेज हैं। सोलंग स्थित हिमालयन रोपवे और मनाली के बाहंग में स्थित हिम वैली फन पार्क सैलानियों के आकर्षण के केंद्र बने हुए हैं। सैलानी रोपवे के सुहाने सफर का आनंद लेते हुए 10 हजार फीट की ऊंचाई वाले पर्यटन स्थल फातरू की बर्फीली वादियों का आनंद उठा सकते हैं। बाहंग के हिम वैली फन पार्क में भी सैलानी दस्तक देकर सुकून के दो पल बिताते हुए मनाली की यात्रा को यादगार बना सकते हैं। इस वर्ष मनाली के पर्यटन स्थलों पर भारी बर्फबारी हुई है। रोहतांग में 15 फीट के करीब बर्फ जमा हो गई थी, जबकि बर्फ से लदे पर्यटन स्थल सोलंग नाला, गुलाबा, राहलाफाल और मढ़ी भी सैलानियों का भरपूर मनोरंजन करने को तैयार हैं।

कुशल वाटिका में जयकारों के साथ हुआ ध्वजारोहण

बाड़मेर, 28 जनवरी (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग-68 बाडमेर अहमदाबाद रोड पर स्थित कुशल वाटिका प्रागण में भगवान मुनिसुव्रत स्वामी जिन मन्दिर, दादावाड़ी, नवग्रह मन्दिर, देवी-देव मन्दिर, एवं गुरू मन्दिर की सप्तम वर्षगाठ मनाई गई। अध्यक्ष भंवरलाल छाजेड व प्रचारमंत्री केवलचन्द छाजेड ने बताया कि परम पूज्य खरतगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की आज्ञा से परम पूज्या डॉ.विद्युत प्रभा श्री जी महाराजा साहिब की प्रेरणा से प्रवर्तिनी प्रमोद श्री जी म.सा.की स्मृति में बनी कुशल वाटिका के नौ मन्दिरो की सप्तम प्रर्वतनी महोदया साध्वी शशिप्रभा श्री जी म. सा. की सुशिष्या साध्वी सौम्यगुणा श्री जी म.सा. आदि ठाणा-3 की पावन निश्रा में प्रातः 8:00 बजे अठारह अभिषेक, प्रातः 9:00 बजे सतरह भेदी पूजा, दोपहर 12.39 बजे विजय मुहुर्त में शिखर पर लाभार्थी परिवारो द्वारा मन्त्रोचार के साथ ध्वजारोहण किया गया। मूलनायक भगवान मुनिसुव्रत स्वामी भगवान की मुख्य ध्वजा भंवरलाल विरधीचन्द छाजेड परिवार हरसाणी वालो की और से चढाई गई। कुशल वाटिका ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष बाबूलाल टी बोथरा ने बताया कि कार्यक्रम के बाद कुशल वाटिका ट्रस्ट द्वारा नवकासी का आयोजन किया गया। जिन मन्दिरो को रंगीन रोशनी व फूलो द्वारा सजाया गयौ। वर्षगांठ कार्यक्रम में आस-पास के क्षेत्रो सहित भारतभर से हजारों गुरूभक्तो ने शिरकत कौ। सतरह भेदी महापूजन व अठारह अभिषेक के साथ कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। कुशन वाटिका ट्रस्ट के उपाध्यक्ष द्वारकादास डोसी ने बताया कि सोमवार को साध्वी सौम्यगुणा श्री के निश्रा में प्रातः 8 बजे सतरह भेदी महापूजन व अठारह अभिषेक का आयोजन हुआ। मंत्री रतनलाल संखलेचा ने बताया कि महोत्सव में ट्रस्ट मण्डल के अध्यक्ष भंवरलाल छाजेड के नेतृत्व में सोमवार को मंगलकारी भव्य ध्वजारोहण के साथ सम्पन्न हुआ। इस मौके लूणकरण बोथरा, द्वारकादास डोसी, सम्पतराज बोथरा, बाबूलाल टी बोथरा, शंकरलाल धारीवाल, केवलचन्द छाजेड़, शंकरलाल बोथरा, राणामल संखलेचा, भंवरलाल सेठिया, उदयराज गांधी, सज्जनराज मेहता, जगदीशचन्द भंसाली, चम्पालाल छाजेड़, कैलाश कोटड़िया, सम्पतराज मेहता, रमेश सर्राफ, कैलाश धारीवाल, मदनलाल मालू, बाबूलाल सेठिया, दलीचन्द चैरड़िया, धर्मचन्द चैरड़िया, ओमप्रकाश छाजेड़, अशोक छाजेड़, हिरालाल धारीवाल, सोहनलाल बोथरा, विजयकुमार रांका, भेरूलाल लूणिया, पीयूष डोसी, रतनलाल बोहरा, जगदीश बोथरा, मिश्रीमल भंसाली, लूणकरण गोलेच्छा, रमेश कानासर, मदनलाल छाजेड़, प्रवीण बोथरा, कपिल मालू ने शिरकत की।

स्वागत व युवा मोटिवेशन समारोह आयोजित

बायतु, 28 जनवरी (निसं)। सेवनियाला निवासी धावक फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत कारगिल से कोहिमा तक 45 दिनों में 4500 किलोमीटर की यात्रा करने वाले जांबाज सिपाही गोरखाराम बेनिवाल का ग्राम पंचायत सेवनियाला मुख्यालय पर युवा मण्डल सेवनियाला की और से स्वागत कार्यक्रम व युवा मोटिवेशन समारोह आयोजित हुआ। समारोह में सेवनियाला के नव निर्वाचित निर्विरोध सरपंच सताराम बेनिवाल का भी सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य मेहमान गोरखाराम बेनिवाल ने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़े, शिक्षा के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने को कहा। कार्यक्रम में पधारे आईपीएस एकेडमी हैदराबाद के इंस्पेक्टर जेठाराम चौधरी ने युवाओं को मोटिवेट करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही देश की धरोहर है उनको समय के साथ आगे बढ़ना चाहिए। सेवनियाला सरपंच ने धावक गोरखाराम को बधाई देते हुए हमेशा आगे बढ़ने की बात कही।कार्यक्रम के दौरान ग्राम विकास अधिकारी जुंझाराम जाखड़ ने युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा व खेल में आगे बढ़ने को कहा। इस दौरान सेवनियाला सरपंच सताराम बेनिवाल, राजूराम तरड़, हड़मान राम डूडी, ओमप्रकाश लोमरोड़, भाजपा युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष गणेश, शर्मा, राकेश देपन, चौखाराम तंवर, मंगलाराम सैन, प्रकाश बेनिवाल, हरचंदराम तंवर,खेताराम तंवर आदि मौजूद थे।

बिठुजाधाम में सम्मान समारोह आयोजित

बालोतरा, 28 जनवरी (निसं)। निकटवर्ती बिठुजा गांव स्थित बाबा रामदेवजी मन्दिर पर माघ शुक्ल बीज पर भव्य मेले का आयोजन हुआ।

जिसमें नव- निर्वासित जनप्रतिनिधियों का मंदिर ट्रस्ट मंडल की ओर से सम्मान समारोह रखा गया। नव निर्वाचित कीटनोद सरपंच शौभा कंवर के सुपुत्र ठाकूर विरेन्द्र करणसिंह, आसोतरा सरपंच दामोदरसिंह, रामसीन सरपंच मालाराम बावरी, बिठुजा सरपंच किशन देवासी, कीटनोद उपसरपंच मदन पटेल, बिठुजा उपसरपंच भीमेश नामा, पुर्व सरपंच बिठुजा मंगलसिंह देवड़ा, ठाकूर हरनाथसिंह कीटनोद व बिठूजा के समस्त वार्डपंचो का साफा-माला व रामदेवजी की तस्वीर देकर सम्मानित किया गया। बिठुजा मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष भेरुलालजी डागा को समाजसेवा व धार्मिक कार्यो के लिए गणतंत्र दिवस पर उपखंड स्तर पर उपखंड अधिकारी व विधायक मदन प्रजापत द्वारा प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष भेरुलाल डागा, मदरुपाराम पटेल, समाजसेवी मदन तातेड़, कान्तीलाल सालेचा, चम्पालाल गहलोत, राणाराम मेघवाल, डॉक्टर कपिल जैन, अशोक ढ़ेलडिया, गौतम सालेचा, मंगलसिंह देवड़ा, हडमान चौधरी, आम्बसिंह, कानसिंह भायल, राजू पालीवाल, दुदाराम माली, सुजाराम टाक, केवलराम पंवार, बांडाराम प्रजापत, शंकरलाल प्रजापत, किशन कोठारी, छगनाराम प्रजापत, फौजाराम पूजारी आदि मौजुद रहे।

भामाशाह ने विद्यालय में 16 सीसीटीवी कैमरे लगाए

बायतु, 28 जनवरी (निसं)। पंचायत समिति गिड़ा की खारापार ग्राम के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल की तस्वीर अब भामाशाहों के सार्थक प्रयासों से बदलने लगी है तथा स्कूल में नवाचार होने के साथ ही विकास के क्षेत्र में हाईटेक हो रही है। भामाशाह अमराराम पुत्र सिरदाराम बलियारा के द्वारा स्कूल में 16 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं ।स्कूल के कक्षा कक्षों व परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने से अब स्कूल की हर गतिविधियों पर तीसरी आंख की नजर रहेगी। जिससे विद्यार्थियों में स्वानुशासन की आदत का विकास होगा तथा स्कूल की सुरक्षा भी रहेगी ।इसी प्रकार कैमरे लगाने से अब छुट्टी के दिन परिसर में अन्य होने वाली हर गतिविधियों पर नजर रहेगी। भामाशाह द्वारा स्टेज पर टीन शेड का भी निर्माण करवाया गया। निजी स्कूलों की तर्ज पर अब इस स्कूल में विद्यार्थियों के लिए अनेक आवश्यक व्यवस्था व सुविधाएं की गई है। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य रामलाल सारण, देवाराम बलियारा, वीरमाराम हुड्डा, जसराज सारण, चेनाराम बलियारा, पुरखाराम बलियारा, जोगाराम बलियारा सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

इंदिरा ने मिलियन डॉलर राउंड टेबल ऑफ अमेरिका की पात्रता हासिल की

बालोतरा, 28 जनवरी (निसं)। बालोतरा नगर के माली समाज की महिला श्रीमती इंदिरा पत्नी ज्योतिष पंवार द्वारा अविश्वसनीय बेहतरीन एवं नायाब कार्य का प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए अमेरिका यात्रा की पात्रता हासिल की है। महिला ने अप्रैल माह में भारतीय जीवन बीमा निगम बालोतरा से एजेंसी का कार्य शुरू किया था। 25 जनवरी 2020 से पूर्व श्रीमती इंदिरा द्वारा मिलियन डॉलर राउंड टेबल ऑफ अमेरिका की पात्रता हासिल किया। श्रीमती इंदिरा पंवार ने बताया की शाखा में जल्द ही क्लब गैलेक्सी की पात्रता हासिल करूंगी। अपने समाज में एक सर्वोच्च स्थान जिसकी हर महिला को तलाश होती है ऐसा स्थान मैं समाज एवं सभी महिला वर्ग में अपने कार्य को पूर्ण कर सिद्ध करूंगी।

पारदर्शिता से चुनाव सम्पन्न करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं : सोनी

जालोर, 28 जनवरी (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र सोनी ने कहा कि कार्मिक पारदर्शिता के साथ चुनाव सम्पन्न करवाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आपसी समन्वय के साथ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पूर्णत पालना सुनिश्चित करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र सोनी ने मंगलवार को जालोर स्टेडियम में तृतीय चरण में आहोर व सायला पंचायत समिति में समाहित ग्राम पंचायतों में पंच व सरपंच चुनाव के मतदान के लिए आयोजित अंतिम प्रशिक्षण में पंचायतीराज संस्थाओ के आम चुनाव, 2020 में नियुक्त सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट, मतदान अधिकारियों एवं सहायक मतदान अधिकारियो को सम्बोधित करते हुए कहा कि पंचायतीराज आम चुनाव में लगे मतदान दल के कार्मिक चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना करते हुए पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कार्य को अंजाम देवें। उन्होंने मॉक पॉल, कानून एवं शांति व्यवस्था तथा चुनाव प्रक्रिया के संबंध में आत्मविश्वास के साथ कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर मतदान केन्द्र से 200 मीटर की परिधि में चुनाव प्रचार आदि गतिविधियां प्रतिबन्धित रहेगी वही आदर्श आचार संहिता की पालना भी सुनिश्चित की जावें। जिला पुलिस अधीक्षक हिम्मत अभिलाष टांक ने पुलिस व्यवस्था एवं बंदोबस्त के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि संबंधित परिक्षेत्र में पुलिस दल, कानून एवं शान्ति व्यवस्था के लिए नियमित भ्रमण करेगा। मतदान दल के कार्मिक समन्वय स्थापित कर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखें। उन्होंने दृढ़ संकल्प, प्रतिबद्धता, सजगता, आत्मविश्वास एवं मुस्तैदी से चुनाव कार्य को सम्पन्न करवाने की बात कही।

मुख्य प्रशिक्षक मुकेश सोलंकी ने मतदान दलों की चुनाव पूर्व तैयारी एवं चुनाव पश्चात् विभिन्न प्रपत्रों के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि चुनाव के दौरान निर्धारित प्रपत्रों का सावधानीपूर्वक नियत समय पर पूर्ति कर मतदान कार्य को अंजाम देवें। उन्होंने मतदान अधिकारियों व सहायक मतदान अधिकारियों के मतदान से पूर्व की जाने वाली प्रक्रिया एवं मतदान के पश्चात् संधारित प्रपत्र एवं कार्यो के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अंतिम प्रशिक्षण के पश्चात् जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं मतदान दल के कार्मिक आवश्यक सामग्री लेकर गंतव्य स्थान के लिए रवाना हुए।

इस अवसर पर पर्यवेक्षक अरूण पुरोहित, उप जिला निर्वाचन अधिकारी छगनलाल गोयल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्रपाल सिंह, जालोर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी चम्पालाल जीनगर, आहोर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी प्रशान्त शर्मा, सायला उपखण्ड अधिकारी श्रीमती गोमती शर्मा सहित मतदान दल के कार्मिक उपस्थित रहे।

मटकियां फोड़ कर प्रदर्शन किया

सिवाना, 28 जनवरी (निसं)। कस्बे में लम्बे समय से चल रही पेयजल समस्या को लेकर कस्बे के बसस्टैंड पर मगलवार दोपहर बारह बजे सिवाना कस्बे की आम बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में पेयजल समस्या पर चर्चा करते हुए एक पखवाड़े बाद अनिश्चितकालीन सिवाना बन्द व धरना प्रदर्शन शुरू करने तथा आगामी पंचायत राज चुनाव का बहिष्कार करने का फैसला लिया। इसको लेकर संघर्ष समिति का गठन किया गया है जिस के बैनर तले सिवाना कस्बे के सभी कस्बे वासियों द्वारा पानी नहीं तो वोट नहीं कि अभियान के तहत पोस्टकार्ड व सोशल मीडिया के अभियान चलाकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी महोदय जयपुर को भेजकर अवगत करवाया जा चुका है इस कड़ी में संघर्ष समिति द्वारा उपखंड स्तर पर हस्ताक्षर अभियान स्टिकर अभियान चलाया गया है।

पानी की भयंकर समस्या को देखते हुए 5 नई ट्यूबवेल खुदवाने के लिए 62लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया है। अगर भूगर्भ में पानी ही नहीं है सिवाना क्षेत्र में भूजल स्तर समाप्त हो चुका है ऐसी दशा में सरकारी उक्त राशि ट्यूबवेल खुदवाने में व्यय करना उचित नहीं रहेगा। पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए पोकरण फलसुंड बालोतरा सिवाना पेयजल परियोजना से अतिशीघ्र सिवाना को जोड़ने की मांग की। बैठक में बड़ी संख्या में कस्बे के सर्व समाज के लोगो ने भाग लिया। सरकार व विभाग इसको लेकर स्वेदनहीनता बरत रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि आगामी एक पखवाड़े में पेयजल समस्या के स्थाई समाधान नही करने पर अनिश्चित कालीन सिवाना बन्द व कार्मिक धरना प्रदर्शन शुरू करने व आगामी पंचायतराज चुनाव का बहिष्कार करने की बात कही। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी प्रमोद सीरवी को ज्ञापन दिया गया। इस मोके पर विधायक हमीरसिंह भायल, उपखंड अधिकारी प्रमोद सिरवी, तहसीलदार शंकरलाल गर्ग, नायब तहसीलदार बाबु सिंह राजपुरोहित, थानाधिकारी दाउद खां सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

समारोह में राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाओं का सम्मान

पाली, 28 जनवरी (निसं)। श्रीमहर्षि दधीचि छात्रावास समिति कोटा के दो दिवसीय स्वर्ण जयंति समारोह महामंडलेश्वर स्वामी विद्यानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य और नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल व मुख्य सूचना आयुक्त आशुतोष शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

समारोह में मिसाइल वूमेन समेत समाज की कई प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

समारोह में समिति अध्यक्ष प्रदीप दाधीच ने वर्षभर किए जाने वाले कार्यो का ब्यौरा प्रस्तुत किया। साथ ही 5 हजार वर्गफीट में नवनिर्मित दाधीच बेक्विंट हॉल समाज के भामाशाहों का आभार जताया। मुख्य अतिथि मंत्री धारीवाल ने कहा कि जब समाज अपने भवन खडाकर विभिन्न आयोजनों में लोगों को एकत्रित करते है तो इससे आपसी भाईचारा व एकता को बल मिलता है।

समाज में एकरूपता आती है। इसको पूरा करने में सरकार का सहयोग भी कहीं न कहीं पर आवश्यक है, जो हर समय पर सरकार को करना चाहिए। उन्होंने बताया कि उनके पिछले कार्यकाल में उन्होंने 107 समाजों को भूखंड आवंटित किये थे। महामंडलेश्वर सरस्वती ने कहा कि छात्रावास को अति आधुनिक रूप देने में समाज ने एकजुटता से काम किया है। समाज के सहश्रम, सहनिवास व सहभोज के लिए तैयार है। इससे समाज में समरूपता बढेगी और यह तभी संभव है जब समाज मन और मत से एकरूप हो।

मुख्य अतिथि मुख्य सूचना आयुक्त आशुतोष शर्मा ने भौतिकवाद से उपर उठकर कार्य करना चाहिए, मानव जीवन का उपयोग श्रेष्ठ कार्यों में करना चाहिए, न कि भौतिक वस्तुओं के संग्रहण में। कोटा समाज द्वारा राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का आयोजन गौरव की बात है। रिजर्वबैंक के भूतपूर्व अधिकारी सीएल दाधीच ने समाज में बालिका की उच्च शिक्षा एवं बालकों द्वारा शिक्षा के प्रति अरूचि बढने पर चिंता व्यक्त की।

समारोह में वैज्ञानिक मिसाइल वूमेन डीआरडीओ दिल्ली अधिकारी अर्चना व्यास, इंडिया टीवी रिपोर्टर मनु शर्मा, दधिमति संपादक व वरिष्ठ पत्रकार उमेन्द्र दाधीच, पाली में वन्य जीव संरक्षण में कार्य करने के लिए महावीर दाधीच, महिला अधिकारिता में योगदान के लिए जयपुर की सरिता दाधीच, देहदान के लिए इन्दौर के नन्दकिशोर व्यास, नेत्रदान में उत्कृष्ठ कार्य के लिए संगीता दाधीच, अति वरिष्ठ नागरिक युगल में अर्थव शांति अनिरूद्ध-कपूरबाई दुगारी, समाजसेवा के लिए इंदौर के शंकरलाल शर्मा व संगीत क्षेत्र में पूना की गरिमा दायमा को सम्मानित किया गया।

समारोह में राष्ट्रीय कवि विश्वामित्र दाधीच के सानिध्य में आयोजित कवि सम्मेलन में ओज, प्रेम, हास्य, श्रृंगार रस, वीर रस व देशभक्ति के रंग देखने को मिले। मुम्बई से आए कवि सुनील व्यास, परमानन्द दाधीच, विश्वामित्र दाधीच, योगेन्द्र दाधीच ने विभिन्न कविताओं पर श्रोताओं को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया। कवि सम्मेलन संचालन हास्य कवि बुद्धिप्रकाश दाधीच न किया।

समारोह के दूसरे दिन सवेरे मां दधिमति के अभिषेक के बाद दोपहर में आयोजित मंगलपाठ में असम के गायक रमेश दाधीच के मंत्रोच्चारण एवं भजनों की ऐसी सरिता बहाई, जिसमें दाधीच समाज के बंधु झूम उठे। साथ ही महाराष्ट्र के पूना की गरिमा दायमा के भजनों की स्वर लहरियों से माहौल भक्तिमय बन गया।

सरपंच पद हेतु लॉटरी 31 को

भीनमाल, 28 जनवरी (निसं)। पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव के लिए पंचायत समिति भीनमाल की समस्त ग्राम पंचायतों के सरपंच पदों के लिए लॉटरी 31 जनवरी को होगी।

उक्त जानकारी देते हुए उपखंड अधिकारी अवधेश मीना ने बताया कि 31 जनवरी को स्थानीय पंचायत समिति हॉल में प्रातः 11-00 बजे लॉटरी निकाली जायेगी। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्यों के आरक्षण व्यवस्था की लॉटरी पूर्व में हो चुकी है।

सभी सूचनाएं राजस्थान सहकार एप पर ऑनलाइन भरनी होगी

जालोर, 28 जनवरी (निसं)। राज्य सरकार द्वारा सभी प्रकार की पंजीकृत समितियों, एनजीओ, क्लब, सामाजिक संस्थाएं, खेल संघ इत्यादि को अपनी समस्त सूचनाएं राज्य सहकार एप पर भरा जाना आवश्यक किया गया हैं। उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां एवं रजिस्ट्रार, संस्थाएं नारायण सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार सभी प्रकार पंजीकृत समितियों, एनजीओ, क्लब, सामाजिक संस्थाएं, खेल संघ इत्यादि को अपनी समस्त सूचनाएं राज्य सहकार एप पर भरा जाना आवश्यक किया गया हैं। वर्तमान में इन समितियों के किसी भी प्रकार के आवेदनो को ऑफ लाइन स्वीकार नहीं किया जावेगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सहकार एप पर उक्त प्रक्रिया के लिए संबंधित सोसायटी या संस्थान को एसएसओ डॉट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर अपने सचिव या अध्यक्ष की एसएसओ आईडी बनानी होगी इसके पश्चात् जी टू सी एप में जाकर राज सहकार एप में प्रवेश कर न्यू रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करना होगा तथा ओल्ड सोसायटी बर्न में समिति का बी.आर. नम्बर भरना होगा। इस दौरान यदि सोसायटी का नाम पूर्व में सिस्टम में मौजूद हे तो ''मैप योवर सोसायटी'' ऑप्शन का उपयोग करेरं। सचिव, महामंत्री, एमडी, जीएम, मैनेजर, व्यवस्थापक के आधार सत्यापन के पश्चात् सोसायटी लॉगिन एसएसओ आईडी से मैप हो जायेगी। रिक्त स्थानों में समिति का पंजीयन क्रमांक, दिनांक व अंतिम आम सभा की प्रविष्ट कर पूर्ति करते हुए प्रथम पृष्ट पर समिति का पंजीयन प्रमाण पत्र, उपनियम एवं सदस्यां की सूची एक्सल फोरमेट में अपलोड करनी होगी। एक्सल फोरमेट वेबसाइट पर उपलब्ध है जिसमें सदस्यों के नाम, पिता का नाम, आधार नं, जन्म तिथि, सदस्यता क्रमांक, वर्ग, सदस्यों के पद, नाम, धारित शेयर, धारित शेयर राशि, ऋणी एवं अऋणी सदस्य होंगे जिसकी सूचना पहले से तैयार कर ली जावें। प्रथम पृष्ट का डाटा संरक्षित करने के उपरान्त द्वितीय पृष्ट खुलेगा जिस पर प्रशासक नियुक्त है तो उसकी डिटेल, बोर्ड नियक्त है तो बोर्ड के प्रत्येक मनोनीत सदस्यों की सूची अलग से उसी पृष्ठ पर आधार से वेरिफिकेशन करे और डाटा संरक्षित करे। तृतीय पृष्ट पर समिति के कार्यालय का पता एवं सीईओ का पता अंकित करे। ध्यान रहे कार्यालय का पता सही अंकित केक सदस्य का आधार से वेरिफिकेशन होने पर उसकी एन्ट्री होगी। सदस्यों का वर्ग ए, बी, सी नीचे अंकित दूसरे कॉलम में अंकित किए जावें। सभी डाटा पूर्णतया अपलोड करने के उपरान्त संरक्षित डाटा को संरक्षित करें। सबमिट करने के उपरांत संबंधित सोसायटी का डाटा उप रजिस्ट्रार के पास उपलब्ध डाटा से मिलान के लिए प्रेषित हो जायेगा जिससे मिलान कर उप रजिस्ट्रार एप्रूव करेंगे। एप्रूव डाटा उपरांत सोयायटी या संस्थान को अपनी वर्तमान आम सभा तारीख और ऑडिट रिपोर्ट एवं अन्य सूचनाएं अपलोड करनी होगी।

उन्होंने बताया कि किसी प्रकार की समस्या होने पर हेल्प लाइन नं. 9001525777 अथवा ईमेल सपोर्ट डॉट राजसहकार एटदीरेट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन पर सम्पर्क किया जा सकता हैं।

पर्यवेक्षक पुरोहित जालोर पहुंचे

जालोर, 28 जनवरी (निसं)। जिले में पंचायतीराज आम चुनाव-2020 के तहत तृतीय चरण में आहोर व सायला पंचायत समिति में होने वाले पंच व सरपंच चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक अरूण पुरोहित सोमवार को जालोर पहुंचे। जिला निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र सोनी ने बताया कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं राजस्थान आयुर्वेद विश्वविधालय के रजिस्ट्रार अरूण पुरोहित जिन्हे राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है वे स्थानीय जालोर सर्किट हाऊस में ठहरे हुए है जिनसे उक्त क्षेत्रों में होने वाले चुनावों से संबंधित किसी भी प्रकार शिकायत व परिवेदना व्यक्तिशः अथवा इनके मोबाइल नं. 9828251345 पर की जा सकेगी।

सरपंच चौहान का भावभरा स्वागत

जसोल, 28 जनवरी (निसं)। माली समाज विकास संस्थान की ओर से जसोल ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित सरपंच, उपसरपंच, वार्ड पंच व ग्राम विकास अधिकारी का अभिनंदन समारोह का आयोजन माली समाज भवन में सोमवार रात्रि को किया गया। संस्थान की ओर से नवनिर्वाचित सरपंच ईश्वर सिंह चौहान, उपसरपंच राजेन्द्र कुमार, ग्राम विकास अधिकारी सुशील कुमार, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष भगवत सिंह जसोल, केवलचंद सोलंकी, वार्ड पंच मूणा देवी गर्ग, भरत कुमार भील, याकूब खां, महेंद्र कुमार, सीमा देवी जैन, कलावती देवी दर्जी, अभिषेक कुमार, जसोदा देवी, सुशीला प्रजापत, भरत कुमार प्रजापत, सरस्वती देवी प्रजापत, राजेन्द्र कुमार मेघवाल, लीलादेवी सन्त व पंचायत समिति सदस्य गौतम गहलोत का स्वागत किया गया। व्यवस्थापक अशोक गहलोत ने बताया कि संस्थान की ओर से सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर भी बहुमान किया। इस दौरान संस्थान अध्यक्ष गणपत गहलोत, सचिव थानाराम माली, उपाध्यक्ष दौलाराम कच्छवाह, डूंगर गहलोत, कोषाध्यक्ष सुखदेव सोलंकी, संरक्षक जगदीश कुमार, भोमाराम, वीरेंद्र गहलोत, शंकरलाल कछवाह, मादाराम, जितेंद्र परमार, श्रवण कुमार, अशोक कुमार, महेंद्र कुमार, केवलचंद, राजाराम, सुरेश कुमार, मुकेश, महावीर सहित समाजबंधु मौजूद थे।

स्टे के बावजूद भी ट्रांसफार्मर लगा, मिलीभगत का अंदेशा

बाड़मेर, 28 जनवरी (निसं)। स्थायी लोक अदालत बालोतरा के अध्यक्ष बीआर परमार द्वारा जोधपुर विधुत वितरण प्रणाली बाड़मेर के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि भगराज दर्जी निवासी दर्जियों का वास इंदिरा कॉलोनी के आवासीय भूखंड के पास लगाए जा रहे हेवी ट्रांसफमर को लगाने के सम्बन्ध में कोई कार्य नहीं करें।

आज सुबह भगराज दर्जी ने ट्रांसफार्मर लगाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को न्यायालय द्वारा जारी आदेश दिखाने पर अधिकारियों ने बताया कि हमारे को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है आप आफिस में जाकर वहां पर दें दो, ओर यह ट्रांसफार्मर यहां पर ही लगाया जाएगा। अधिकारी हम है या फिर आप।

प्रार्थी के परिवाद अनुसार प्लॉट के पास डिस्कॉम द्वारा लोहे के दो बड़े विद्युत पोल लगाए गए हैं एवं शीघ्र ही इस पर ट्रांसफर लगाने का कार्य शुरू करेंगे, जो 11000 केवी बिजली तारों के संबंधित है। यदि ट्रांसफर लग गया तो मेरे प्लॉट पर खिड़की दरवाजा नहीं खुल पाएगा भारी वोल्टेज से मकान बनाना भी संभव नहीं होता आगे वाले प्लॉट में बनने वाले मकानों को भी भारी दिक्कत होगी। क्योंकि यह गली केवल 20 फीट की है यह कार्य बड़े प्रभावी लोगों के दबाव में किया जा रहा है इतना ही नहीं गली के बीचो-बीच नगर परिषद ने बड़ा कचरा पात्र कर रखा दिया है, इससे भारी परेशानी आ रही है। मोहल्ले के अन्य निवासियों ने जब बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया था तब पहले तो हटाए जाने का आश्वासन दिया गया था लेकिन अब अधिकारियों ने कहा कि हमारे पर ऊपर दबाव है।

अधिकारियों ने बताया कि सिस्टम सुधार करने के लिए हमेशा ट्रांसफार्मर लगाते रहते हैं कहीं-कहीं पर विरोध होता रहता है लेकिन हमें तो ट्रांसफार्मर यहां पर लगाने के लिए पूर्व में सर्वे किया गया था। आपकों जो भी कार्यवाही करनी है आप करते रहे।

विद्युत विभाग के सहायक अभियंता राजेश मीणा ने बताया कि बिजली विभाग को न्यायालय द्वारा आदेश जारी किया गया है यह हमारी जानकारी में है, ठेकेदार को आदेश देने पर ही ट्रांसफर यही पर आज सुबह या कल शाम को लगाया गया है।

जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों का प्रशिक्षण संपन्न

जालोर, 28 जनवरी (निसं)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी छगनलाल गोयल ने कहा कि पंचायतीराज आम चुनाव में लगे सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट कानून एवं शांति व्यवस्था बनाते हुए समन्वय के साथ निर्वाचन प्रक्रिया को संपादित करें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी छगनलाल गोयल ने पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2020 के तृतीय चरण के लिए जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों के लिए आयोजित प्रशिक्षण में कहा कि आपसी समन्वय के साथ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पूर्णत पालना सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय पर आवश्यक सूचनाओं का संप्रेषण करें। जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने आवंटित क्षेत्र का भ्रमण कर सभी पहलुओं के बारे में बारीकी से जानकारी प्राप्त कर अपने कर्तव्य व दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। सायला उपखण्ड अधिकारी श्रीमती गोमती शर्मा ने कहा कि चुनाव आदर्श आचार संहिता की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करते हुए अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए चुनाव कार्य को अंजाम देवें।

पर्यावरण बचाओ चित्रकला प्रतियोगिता में भूमिका प्रथम

पाली, 28 जनवरी (निसं)। आरयूआईडीपी एवं एलएण्डटी के संयुक्त तत्वाधान में प्रभात उच्च माध्यमिक विद्यालय सोसाइटी नगर में प्रदूषण मुक्त समाज विषयक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 76 छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण करने के उपायों को रंगो के माध्यम से कागज पर उकेरा। अधिषाषी अभियंता के.के. अग्रवाल ने बताया कि आर.यू.आई.डी.पी. द्वारा शहर में नवीन पेयजल वितरण प्रणाली व सीवरेज तंत्र के विकास का कार्य किया जा रहा है। पर्यावरण चित्रकला प्रतियोगिता में भूमिका प्रजापत ने प्रथम, सिम्पल ने द्वितीय एवं सेजल सामरिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। परियोजना प्रबन्धक सीपी राजेश ने बताया कि प्रतियोगिता में पर्यावरण बचाने से संबंधित अपने मन में आने वाले विचारों को प्रकट करने के लिये प्रेरणा दी एवं पर्यावरण को किस किस तरीके से बचाया जा सकता है।

राजस्थान आवासन मण्डल

आवश्यक सूचना

चौपासनी आवासीय योजना, जोधपुर के विभिन्न निर्मित आय वर्ग के बहुमंजलीय फ्लेटों की खुली बिक्री योजना (O.C.S.) द्वारा नगद भुगतान पद्धति में जहाँ है जैसी है स्थिति में दिनांक 18.11.2019 से 17.12.2019 तक प्रारम्भ की गई थी, उक्त योजना में जनता के रूझान को देखते हुए खुली बिक्री योजना की अवधि दिनांक 24.01.2020 तक बढाई गई थी जो पुन दिनांक 29.02.2020 तक बढाई जाती है।

उप आवासन आयुक्त,
वृत द्वितीय, जोधपुर

राज.संवाद/सी/2019-20/4890

ताबुक में फंसे आठ कामगारों की शीघ्र होगी वतन वापसी

चूरू (ए.)। सऊदी अरब के ताबुक शहर में पिछले नौ माह से फंसे भारत के 28 में से आठ कामगारों के वतन वापसी शीघ्र होने की उम्मीद है। आरजे फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष अमजद तुगलक ने बताया कि वतन वापसी को लेकर प्लीज इंडिया प्रवासी एंड सेल के प्रतिनिधियों ने विदेश मंत्रालय से सम्पर्क किया था। मंत्रालय की ओर से कंपनी पर दबाव बनाने पर वापसी की राह आसान हुई है।कंपनी ने पहले चरण में आठ जनों की सूची जारी कर दी है।इसके लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार कर दिए गए हैं।बताया जा रहा है कि शेष बचों की सूची भी जल्द जारी होगी।

टिड्डी हमले से आहत बॉर्डर के किसानों को ढाई करोड़ रुपए की राहत

■ बीकानेर (ए.)

जिले में बॉर्डर एरिया की दो तहसील खाजूवाला एवं बज्जू में टिड्डी से प्रभावित 1 हजार 254 किसानों को अब तक 2 करोड़ 47 लाख 55 हजार रुपए का मुआवजा वितरित कर राहत प्रदान की गई है।

जिला कलक्टर कुमार पाल गौतम ने बताया कि जिले की खाजूवाला और बज्जू तहसील टिड्डी दलों से सर्वाधिक प्रभावित हुई। दोनों तहसीलों में रबी फसल 2019.20 में प्रभावित हुई। गौतम ने बताया कि आपदा प्रबंधनए सहायता (ष्ठद्वह्यड्डह्यह्लद्गह्न द्वड्डठ्ठड्डद्दद्गद्वद्गठ्ठह्ल ड्डह्यह्यद्वह्यह्लड्डठ्ठष्द्ग) एवं नागरिक सुरक्षा विभाग (ष्ठद्व1द्वद्य ह्यद्गष्ह्वह्म्द्बह्ल4 स्रद्गश्चड्डह्म्ह्लद्वद्गठ्ठह्ल) के नियमानुसार 33 प्रतिशत या इससे अधिक व्यक्तिगत फसल के नुकसान पर मुआवजे दिए जाने का प्रावधान है। इसके तहत त्वरित कार्यवाही करते हुए गिरदावरी करवाई गई।

उन्होंने बताया कि दोनों तहसीलों में पहले 9 से 11 जनवरी तक पहले चरण में गिरदावरी करवाई गई। इसके बाद 21 से 23 जनवरी तक टिड्डी दलों का फिर हमला हुआ। इसके बाद करवाई गई विशेष गिरदावरी सर्वे रिपोर्ट के अनुसार खाजूवाला के 360 से अधिक किसानों की 33 फीसदी से अधिक फसलें खराब हुई। खाजूवाला में अब तक 284 किसानों को 60 लाख 3 हजार रुपए का मुआवजा दिया जा चुका है।

गौतम ने बताया कि इसी प्रकार बज्जू क्षेत्र में कुल 1057 किसानों के खेत टिड्डी दलों के हमले के कारण प्रभावित हुए। इस आधार पर बज्जू में अब तक 970 किसानों को एक करोड़ 87 लाख 52 हजार रुपए मुआवजे के रूप में वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि दोनों तहसीलों में कुल 1 हजार 417 किसानों की फसल 33 प्रतिशत से अधिक खराब हुई।

इनमें से 1 हजार 371 प्रभावित किसानों को डीएमआईएस पर अपलोड कर मुआवजा दे दिया गया है। जिला कलक्टर ने बताया कि खाजूवाला के 35 चक 9 राजस्व गांवद् में करीब 576 हैक्टेयर क्षेत्र तथा बज्जू के 110 चक 23 राजस्व गांव में 1 हजार 973 हैक्टेयर की फसल टिड्डी हमले के कारण प्रभावित हुई है, जिन पर त्वरित कार्यवाही कर किसानों को राहत दी गई।

अब के बरस तुझे धरती की रानी कर देंगे

चूरू (ए.)। नगर श्री में देश भक्ति के गीतों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सचिव श्यामसुन्दर शर्मा ने बताया कि लोक संस्कृति शोध संस्थान नगर श्री में संस्थापक सदस्य श्रीनिवास दिनोदिया को समर्पित राष्ट्रभक्ति के गीतों का कार्यक्रम हुआ। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. भंवरसिंह सामौर व रामसिंह बीका थे। गायिका तर्जनी सोनी ने तलवारों पे चलकर..., टीना बाकोलिया ने हर करम अपना करेंगे ऐ वतन तेरे लिए..., अंकुशा बुंदेला ने इण धरती रो म्हानै अभिमान है, इण पर वारां प्राण ओ..., अश्विनी भार्गव ने तेरी मिट्टी में मिल जावां, गुल बनके खिल जावां..., गीतों की प्रस्तुतियां दी। प्रिया राव ने ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भरलो पानी..., तुलसी भार्गव ने लब पे आती है बन के दुआ मेरी..., लीलाधर कत्थक ने धरती धोरां री..., प्रतीक्षा शर्मा ने उठो साथियों समय नहीं है..., अंकिता कोकचा ने अब के बरस तुझे धरती की रानी कर देंगे... खूब सराहा गया। चूरू के चांद पुरूषोतम, शैलेन्द्र माथुर,अब्दुल मन्नान %मजहर', गीता पाटवाल ने गीत प्रस्तुत किए। तबले पर संगत रजत पाटवाल ने की। संचालन प्रो. कमलसिंह कोठारी ने किया।

ओलावृष्टि से प्रभावित खेतों में सर्वे

श्रीगंगानगर (ए.)। गत दिवस क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि के बाद मंगलवार को प्रशासन द्वारा ओलावृष्टि से प्रभावित गांवों का सर्वे करवाया गया। सहायक निदेशक कृषि विस्तार कार्यालय के सहायक निदेशक रामनिवास चौधरी तथा हल्का पटवारी नरेश कुमार, कृषि पर्यवेक्षक प्रदीप कुमार सहित अन्य कृषि पर्यवेक्षकों ने एसजेएम पटवार मंडल के गांवों तथा ग्राम पंचायत बांडा के आंशिक क्षेत्र का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। सहायक निदेशक राम निवास चौधरी ने बताया कि एसजेएम पटवार मंडल के लगभग सभी गांवों में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान पहुंचा है। सात एसजेएम ए तथा बी में सरसों की फसल में 90 प्रतिशत तक खराबा हुआ है वहीं गेहूं की फसल में 50 प्रतिशत तक खराबा हुआ है। इसके अलावा बांडा के कुछ गावों में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जो उच्चाधिकारियों तक पहुंचा दी जाएगी। इस सर्वे के दौरान उन्होंने किसानों को फसल बीमा योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन किसानों की ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है, वह सम्बंधित फार्म भर कर तहसील स्तर पर कृषि विभाग के कार्यालय में बैठने वाले बीमा कम्पनी के एजेंट के पास 72 घंटे तक जमा करवा सकते हैं जिससे बीमा कम्पनी द्वारा सर्वे की प्रक्रिया की जा सके।

बिना अनुमति निर्माण कार्य को किया सीज

श्रीगंगानगर (ए.)। नगरपालिका के दस्ते ने मंगलवार को वार्ड एक में बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण कार्य को रुकवाकर निर्माणाधीन भवन सीज करने की कार्रवाई की। गत डेढ़ माह में नगरपालिका की ओर से यह निर्माणाधीन भवन सीज करने की दूसरी कार्रवाई है। नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी लालचंद सांखला ने बताया कि वार्ड एक में अज्ञात व्यक्ति की ओर से बिना निर्माण स्वीकृति के बिना पट्टे की भूमि पर निर्माण कार्य किया जा रहा था। इस पर बिना पट्टे की भूमि को छह माह के लिए सीज किया गया। इस कार्रवाई में अधिशाषी अधिकारी लालचंद सांखला, सहायक अभियंता सुमित माथुर, कनिष्ठ अभियंता सुशील कुमार सिहाग, सफाई निरीक्षक सुशील कुमार शर्मा, भूमि शाखा के राम प्रकाश शर्मा, अश्वनी, स्टोर प्रभारी देवेंद्र खरारा, पूर्ण चंद्र आदि मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि नगरपालिका की ओर से बाहरी वार्डों में अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि दिसम्बर में नगरपालिका की ओर से बीकानेर रोड पर निर्माणाधीन भादू कॉम्प्लैक्स को सीज करने की कार्रवाई की गई थी।

अभिनेता शक्ति कपूर व कॉमेडियन मुरारीलाल बीकानेर आएंगे

बीकानेर (ए.)। बॉलीवुड अभिनेता शक्ति कपूर व कॉमेडियन मुरारीलाल 11 फरवरी को बीकानेर आएंगे। वे दोनो यहां एक स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने आएंगे। 11 फरवरी को एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में अभिनेता शक्ति कपूर व कॉमेडियन मुरारीलाल भाग लेंगे। कार्यक्रम में शहीदों के परिवारों को सम्मानित किया जाएगा।

युवती से पहले बलात्कार फिर की हत्या

बीकानेर (ए.)। नोखा तहसील के जसरासर थाना क्षेत्र के एक गांव से सोमवार रात को एक युवती का अपहरण कर लिया गया। अपहरणकर्ता ने उसके साथ बलात्कार किया और बाद में युवती को जबरन कीटनाशक पिलाकर हत्या कर दी। युवती मंगलवार अलसुबह पांच बजे रोही में अचेत अवस्था में मिली। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात की सूचना मिलने के बाद जसरासर पुलिस मौके पर पहुंची। इस संबंध में मृतका के पिता की ओर से सिनियाला निवासी राजूराम पुत्र चंदूराम जाट के खिलाफ अपहरण कर बलात्कार कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। जसरासर एसएचओ गुरमेलसिंह ने बताया कि युवती सुबह करीब पांच बजे गांव की रोही में अचेत अवस्था में मिली। परिजन उसे पीबीएम अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों की सूचना के बाद घटनास्थल का मौका-मुआयना किया गया। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने आरोपी युवक को राउंडअप कर लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

संविधान के साथ-साथ प्लास्टिक का उपयोग न करने की ली शपथ

चूरू (ए.)। जिला मुख्यालय पर पत्रिका के स्वर्णिम भारत अभियान के तहत शपथ ग्रहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न लोगों ने संविधान के साथ-साथ स्वच्छता, प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ ली। इसी क्रम में जिला मुख्यालय पर राजकीय बागला उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य महेश जीनगर की उपस्थिति में व्याख्याता डा.शमशाद अली, मुकुल भाटी सहित अनेक विद्यार्थियों ने शपथ ली। उन्होंने अपने जीवन के 70 घंटे आस-पास की सफाई के लिए देने का वादा भी किया। इसी प्रकार चूरू बालिका महाविद्यालय में उप प्राचार्य डा.आशा कोठारी ने बालिकाओं को शपथ दिलाई। इस दौरान कविता पंसारी, रविन्द्र शर्मासहित अनेक व्याख्याता मौजूद थे। उन्होंने पत्रिका के इस अभियान की सराहना भी की। इसके अलावा ग्रामीण हाट मेले में भी महिला उद्यमियों महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक संजय कुमार ने शपथ दिलाई।

इंदिरा गांधी नहर में गिरी कार को निकाला, युवक-युवती का मिला शव

हनुमानगढ़ (ए.)। रावतसर थाना क्षेत्र में के ग्राम पंचायत 99 आरडी के पास इंदिरा गांधी मुख्य नहर की आरडी 105 पर सोमवार दोपहर एक कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई थी। सूचना पर प्रशासन व पुलिस मौके पर पहुंचे लेकिन उन्हें सोमवार को कोई सफलता हासिल नहीं हुई। रातभर नहर में तलाशी के बाद मंगलवार सुबह गोताखोरों की मदद से कार को नहर से निकाल लिया गया। वहीं कार में संदिग्ध हालत में युवक युवती मृत मिले हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं कार को जब्त कर पुलिस थाने मे रखवाई गई है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर एक कार 99 आरडी पुल से नहर किनारे आते हुए 105 आरडी पर नहर में जा गिरी। जिसे नहर के दूसरे पटडे पर जा रहे एक व्यक्ति ने देख लिया था। उसने पुलिस ओर प्रशासन को इस घटना की सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोताखोरों की मदद से तलाशी अभियान शुरू की, लेकिन खराब मौसम के कारण तलाशी अभियान में दिक्कतें आ गई। मंगलवार सुबह फिर से नहर में तलाशी अभियान शुरू की गई, जिसमें कार को ढूंढकर बाहर निकाल लिया गया। कार को बाहर निकालने पर उसमें एक युवक और युवती के शव भी मिलें। मृत दोनों युवक युवती रावतसर क्षेत्र के ही बताए जा रहे हैं।

गणतंत्र दिवस पर शान से लहराया तिरंगा

■ चूरू (ए.)

जिले में 71वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। पुलिस लाइन में मुख्य समारोह हुआ। मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री मास्टर भवंरलाल मेघवाल ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने मार्च पास्ट की सलामी। कार्यवाहक अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ नरेंद्र चौधरी ने राज्यपाल के संदेश का पठन किया। इसके बाद मंत्री मेघवाल ने 62 प्रतिभाओं का सम्मान किया। पुलिस विभाग की ओर से महिला आत्म सुरक्षा शक्ति केंद्र पर आधारित झांकी प्रथम, जिला परिषद की स्वच्छता पर आधारित झांकी द्वितीय तथा वन विभाग की खेजड़ली घटना पर आधारित झांकी तीसरे स्थान पर रही। इससे पहले मंत्री मेघवाल, जिला कलक्टर संदेश नायक, पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सागरमल सैनी, सभापति पायल सैनी, आसाराम सैनी, रणजीत सातड़ा, रियाजत खान आदि ने शहीद स्मारक स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले जिला कलक्टर नायक ने कलक्ट्रेट पर ध्वजारोहण किया। जिला परिषद में जिला प्रमुख हरलाल सहारण, सूचना केंद्र में सहायक निदेशक कुमार अजय, संभाग संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) कार्यालय में सहायक निदेशक ओम फगेडिया, राउमावि ढाणी कुम्हारान में प्रधानाचार्य बृजेन्द्र दाधीच एवं नन्हे बालक दीपेश ने ध्वजारोहण किया। राउप्रावि घंटेल का बास डॉ शमशाद अली ने ध्वजारोहण किया। श्री चिरंजीलाल अंबिका प्रसाद ओझा आदर्श विद्या मंदिर में गणतंत्र दिवस मनाया गया। विधि महाविद्यालय चूरू में प्राचार्य डॉ.एसके सैनी ने ध्वजारोहण किया। भाजपा शहर मंडल उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ध्वजारोहण किया। राउमावि खासोली में कार्यवाहक संस्था प्रधान इमरान खान ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर अति. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामकरण रुयल ने ब्लेंक चेक विद्यालय को प्रदान करने की घोषणा की। जिससे विद्यालय विकास किया जा सके। बिसाऊ की सिंघानिया एकेडमी प्राचार्य रहमत अली ने ध्वज फहराया।

दूधवाखारा में सुमेरसिंह पार्क में ध्वज फहराया, अटल सेवा केन्द्र पर ग्राम संविका ममता राठौड़, राजकीय सरस्वती देवी उमावि में प्रिंसिपल ओम सिंह राठौड़ ने ध्वजारोहण किया। प्रगति माध्यमिक विद्यालय पूलासर में सीताराम पाण्डिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। अतिथि के तौर पर वासुदेव पांडिया, ओमप्रकाश पांडिया, सुरेश पांडिया, अनुसईया पांडिया, संस्था प्रधान दीनदयाल बोहरा उपस्थित रहे। शहर की डा. चंद्रलेखा शर्मा को संस्कृत व वैदिक शिक्षा के क्षेत्र में रचनात्मक कार्यके लिए झुंझुनूं जिला कलक्टर रवि जैन ने गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित किया। डा. शर्मा श्री जेजेटी विश्वविद्यालय चुड़ैला में संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष हैं। बागला बालिका स्कूल में पीसीसी सदस्य रियाजत खान ने ध्वजारोहण किया। नई सड़क स्थित द सेंटा किड्ज स्कूल में दीपिका शर्मा व भूतपूर्वसैनिक महावीर गोस्वामी ने झंडारोहण किया। बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। भालेरी रोड स्थित लॉर्डस इंटरनेशनल स्कूल में समाजसेवी बालकिशन राजगढिया, चैयरमेन प्रदीप लहरी, सचिव प्रमोद सगतानी व प्राचार्यकमलेश शर्माने ध्वजारोहण किया। मालजी के कमरे के पास स्थित गीतांजलि स्कूल में मुख्य अतिथि भरत कोठारी व विशिष्ट अतिथि रचना कोठारी थे। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।भालेरी रोड स्थित रॉयल एसआरके पब्लिक स्कूल में गणतंत्र समारोह की ध्यक्षता सीबीओ सुरेश धौलपुरिया ने की। एसीबीओ हरिप्रसाद शर्माने गणतंत्र दिवस की महत्ता बताई। संरक्षक रामकरण रूयल व निदेशक अविनाश रूयल ने विचार व्यक्त किए। संचालन सुनिल स्वामी व रूचिका ने किया। शर्माकॉलोनी स्थित सरदार पटेल स्कूल में निदेशक गिरधारी गुर्जर ने ध्वजारोहण किया। मनसा पब्लिक स्कूल में कर्नल कुरड़ाराम मीतकृष्ण, धर्मवीरसिंह सैनी ने ध्वजारोहण किया। प्रधानाचार्य सुधीर चौबे, ओमसिंह व सावित्री देवी ने विचार व्यक्त किए। व्यवस्थापक नीरज शर्माने आभार जताया। निकटवर्ती घंटेल का बास के राउप्रावि में मुख्य अतिथि डा. शमशाद अली ने ध्वजारोहण किया व विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री भेंट की। मोहम्मद आबिद मंसूर ने संविधान की प्रस्तावना का पठन किया। धानाध्यापक भंवरसिंह ने आभार जताया। संचालन माधवी शर्माने किया। लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी बिसाऊमें प्राचार्यरहमत अली ने ध्वजारोहण किया। विद्यार्थियों ने मार्चपास्ट व व्यायाम प्रदर्शन किए। मैत्री फुटबाल मैच आयोजित हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन वंशिका इसरानी व नेहा थालोर ने किया। प्राची सोनी ने आभार जताया। प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय सहजूसर (चूरू) में सीनियर वेटनरी अधिकारी डॉ. मोहरसिंह मीणा ने ध्वजारोहणकिया। राष्ट्रीय मीणा महासभा जिला चूरू के तत्वावधान में आदिवासी मीना छात्रावास में मुख्य अतिथि श्रीकृष्ण मीना ने ध्वजारोहण किया। जोधपुर विद्युत वितरण निगम के जयपुर स्थित मुख्य लेखाधिकारी (मार्गोपाय) कार्यालय में सहायक लेखाधिकारी पद पर पदस्थापित जिले के बुकनसर बड़ा गांव के राकेश दर्जी को गणतंत्र दिवस पर जोधपुर में सम्मानित किया गया।डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक अविनाश सिंघवी ने राकेश को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सब्जी से भरा कैंटर टकराया ट्रोले से, एक जने की मौत

हनुमानगढ़ (ए.)। संगरिया रोड पर गांव नवां के पास मंगलवार तड़के हनुमानगढ़ की तरफ आ रहे सब्जी से भरे कैंटर की ट्रोले से आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कैंटर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रोला चालक घटना के बाद वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। कैंटर में सवार अन्य लोगों व आसपास के ग्रामीणों ने जंक्शन थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात व्यवस्था दुरुस्त कराई। इस संबंध में ट्रोला चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना कारित करने का मामला दर्ज कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सब्जी से भरा कैंटर मंगलवार तड़के करीब तीन से चार बजे के बीच हनुमानगढ़ तरफ आ रहा था। संगरिया रोड पर गांव नवां व चंदड़ा के बीच सामने से आए ट्रोले से कैंटर की भिडंत हो गई। हादसे में कैंटर चालक रामकुमार की मौत हो गई।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को दिया ज्ञापन

पूर्व पार्षद पर पेट्रोल डालकर जलाने का मामला

■ श्रीगंगानगर (ए.)

पूर्व पार्षद पवन गौड़ पर पेट्रोल डालकर जलाने के प्रयास के मामले में मंगलवार को पूर्व पार्षद गौड़ और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ये लोग इस मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इन लोगों का कहना था कि आरोपियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व पार्षद पवन गौड़ पर सोमवार को ठेकेदार राजू गेरा ने पेट्रोल डालकर जलाने का प्रयास किया था। घटनास्थल मौजूद पार्षदों के बीच बचाव करने से गौड़ की जान बच गई।

ठेकेदार राजू गेरा और उसके भाई निशांत उर्फ नीशू गेरा ने सोमवार को भाजपा के पूर्व पार्षद गौड़ को सेतिया कॉलोनी में पार्षद कमल नारंग के आवास के आगे घेर लिया और पेट्रोल डालकर जान से मारने की कोशिश की। मामला बढ़ता देख ठेकेदार राजू गेरा ने पेट्रोल खुद पर भी उड़ेल लिया। इसके बाद उसने कुछ पेट्रोल गटक लिया। इस घटनाक्रम के बाद शहर के अधिकांश पार्षद एकत्र हो गए और

कोतवाली में पहुंचकर एफआइआर दर्ज करने पर अड़ गए। करीब तीन घंटे चली जद्दोजहद के बाद सीआइ हनुमानाराम बिश्नोई ने ठेकेदार राजू गेरा व उसके भाई निशू गेरा के खिलाफ हत्या के प्रयास और आत्महत्या की कोशिश करने के संबंध में मामला दर्ज कर लिया।

पूर्व पार्षद गौड़ ने पुलिस में दर्ज करवाई एफआइआर में आरोप लगाया कि सोमवार को जब वह सेतिया कॉलोनी में पार्षद कमल नारंग के घर पर पहुंचा तो वहां गेट पर ठेकेदार राजू और उसके भाई निशू व तीन अन्य लोगों ने उसे पकड़ लिया। इन लोगों में राजू गेरा ने अपने शरीर पर ओढ़ी चादर में से एक बोतल बाहर निकाली और उसमें से पेट्रोल उस पर डाल दिया। उसने खुद पर भी पेट्रोल उड़ेल लिया और अपने भाई से माचिस लेकर आग लगाने का प्रयास करने लगा तो वहां खड़े पार्षद अमित चलाना, पूर्व पार्षद पवन माटा आदि ने बीच-बचाव कर उसकी जान बचा ली। हंगामा बढ़ते देख दोनों भाई वहां से भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एएसआइ लालबहादुर को सौंपी है। इधर, घटना के बाद ठेकेदार राजू गेरा को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां बयान देने की स्थिति में नहीं होने के कारण उसके बयान दर्ज नहीं हो सके।

श्रमिक नेता महेन्द्र बागड़ी सहित भाजपाई पार्षदों ने ठेकेदार राजू गेरा और निशू गेरा को गिरफ्तार करने की मांग कोतवाली सीआई से की। इन लोगों का कहना था कि एफआइआर दर्ज जब मर्जी करना पहले आरोपियों को गिरफ्तार करो। इस पर सीआइ ने कहा तो एफआइआर पहले दर्ज की जाएगी, उसके जांच होगी। दोषी पाए जाने पर ही गिरफ्तारी की जाएगी। इस दौरान पार्षद सुशील पप्पू, विजेन्द्र स्वामी, हेमंत रासरानियां, अक्षय डागला, प्रहलाद सोनी, प्रियंक भाटी, अशोक मुंजराल, संजय बिश्नोई, रामगोपाल यादव, बालकिशन कुलचानियां, हरविन्द्र सिंह पांडे, कमल नारंग, कमल चराया, सैम कालड़ा, मनीराम स्वामी, प्रदीप धेरड़, राजकुमार शर्मा और जयदीप बिहाणी आदि मौजूद थे।

भरतपुर संभाग

भटकाने के बजाय रोजगार कराएं मुहैया

सवाईमाधोपुर (ए.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को ईदगाह मोड़ के पास कांग्रेस की आक्रोश रैली का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में नारेबाजी की। एबीवीपी के नगर मंत्री सीताराम गुर्जर ने बताया कि कांग्रेस सरकार विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र के अनुसार कार्य नहीं कर युवाओं के साथ छलावा कर रही है। सरकार युवाओं को रोजगार व बेरोजगारी भत्ता देने के स्थान पर उनका ध्यान मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही है।

टीकाकरण में नदबई ब्लॉक पीछे, कलक्टर ने मांगा स्पष्टीकरण

■ भरतपुर (ए.)

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सोमवार को जिला कलेक्टर नथमल डिडेल की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट में हुई। समिति के अध्यक्ष जिला कलेक्टर ने गत पल्स पोलियो अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए नदबई क्षेत्र में प्रथम दिन कम टीकाकरण पर चिन्ता जताते हुए नदबई के ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्र जैसे ईट भट्टे, छितरी हुई आबादी, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर भविष्य के अभियान में और अधिक जोर दिया जाए। जिला कलेक्टर ने जननी सुरक्षा योजना में प्रोत्साहन राशि के ऑनलाइन वितरण करने में जिला की प्रगति बढाने के निर्देश दिए। गत एक अप्रेल से 31 दिसम्बर तक 34630 संस्थागत प्रसव के मुकाबले 28555 प्रसूताओं को ही योजना लाभ ऑनलाइन वितरित हुआ है। इसे शत प्रतिशत करने में आ रही समस्याओं के बारे में आशा, नर्स व अन्य सम्बंधित कार्मिकों को जागरूक करने के भी निर्देश दिए। जिले के 18 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर चालू वित्तीय वर्ष में एक भी संस्थागत प्रसव नहीं होने की रिपोर्ट पर जिला कलेक्टर ने संबंधित ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को इसका अध्ययन कर प्रगति बढाने के निर्देश दिए। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक गर्भवती महिला की प्रसव पूर्व न्यूनतम चार जांच कराई जाए ताकि कोई जटिलता हो तो समय पर पता लग जाए तथा प्रसव के लिए उसे उच्च संस्थान में रैफर किया जा सके। उन्होंने बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण करने के निर्देश दिए। अभी जिले में यह उपलब्धि 81 प्रतिशत ही है। उन्होंने भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत में रिजेक्टेड मामलों

की संख्या कम करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीसीपीएनडीटी एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन करने तथा जिले या पड़ौसी राज्यों में किसी भी संभावित अवैध या गैर रजिस्टर्ड सोनोग्राफी मशीन पर निगरानी रख जब्ती कराने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों एवं सभी निशुल्क दवा वितरण केन्द्रों पर निर्धारित समस्त दवाइयां उपलब्ध रहें। इससे मरीजों को सभी दवाइयां आसानी से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने मुख्यमंत्री राजश्री योजना, जेएसवाई और आरएसवाई की किश्तों का समय पर भुगतान करने, परिवार कल्याण सेवाओं की कार्ययोजना बनाकर प्रगति बढाने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, सम्पूर्ण टीकाकरण अभियानए चिकित्सा संस्थानों पर आधारभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की।

चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से पंचायतीराज आम चुनाव की पंच एवं सरपंच पद के चुनाव के तृतीय चरण के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अम्बरीश कुमार को चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इनके नम्बर 05644-231185 है वे स्थानीय सर्किट हाउस के कमरा नंबर 111 में ठहरे हुए हैं।

चुनाव ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर 14 कार्मिकों को नोटिस जारी

पंचायती राज आम चुनाव के द्वितीय चरण के लिए नियुक्त 14 कार्मिकों के अनुपस्थित रहने के कारण जिला निर्वाचन अधिकारी नथमल डिडेल ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मलाह के सहायक कार्यालय अधीक्षक अरुण कुमार सक्सैना, राजकीय माध्यमिक विद्यालय गढी जालिमसिंह के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बनय सिंह, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरसैना के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भंवर सिंह, नगर निगम के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शिवचरण सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजू, सहायक निदेशक कृषि विस्तार बयाना के कृषि पर्यवेक्षक बवलूराम मीणा, राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय राजपूत बस्ती मजाजपुर के अध्यापक संतोष कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय बिजवारी के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विजय सिंह, नगर निगम के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शशि कुमार, नगर निगम के माली गफूर खान, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सवाईराम के अध्यापक सत्यवीर सिंह, राजकीय माध्यमिक विद्यालय सेह के अध्यापक डालचंद, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोपीनाथ कामां के पुस्तकालयाध्यक्ष वीरेन्द्र गर्ग एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मूसेपुर कामां के वरिष्ठ अध्यापक विकार अहमद को चुनाव ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

कार्मिकों ने कम्पनी पर जड़ा ताला

सवाईमाधोपुर (ए.)। चम्बल परियोजना के तहत पाइप लाइन बिछाने का कार्य रहे ठेकेदारों का एसपीएमएल इन्फ्रा कम्पनी की ओर से भुगतान नहीं करने को लेकर गुस्साए ठेकेदारों ने सोमवार को भाड़ौती-मथुरा मेगा हाइवे पर अमरगढ़ चौकी के पास स्थित पाइप बनाने वाली फैक्ट्री पर ताला जड़ दिया। मामले से जुड़े देवी सिंह गुर्जर निवासी बूचोलाई ने बताया कि कम्पनी के मापदण्डों व निर्देशानुसार मंडरायल से सवाईमाधोपुर तक चम्बल परियोजना की पाइप लाइन बिछाने का कार्य कई वर्षों से उनके द्वारा कार्य किया जा रहा था, लेकिन कम्पनी द्वारा समय पर भुगतान नहीं किया गया। अब लगभग 4 साल से सभी ठेकेदारों का भुगतान बकाया चल रहा है। इसकी शिकायत कई बार लिखित व मौखिक कम्पनी के उच्चाधिकारी सहित सवाईमाधोपुर व करौली जिला कलक्टर को की गई, लेकिन इसके बाद भी कम्पनी ने भुगतान नहीं किया। इसके बाद ठेकेदारों ने मिलकर कम्पनी के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया। देवीसिंह ने बताया कि जब तक कम्पनी भुगतान नहीं करती है, तब तक फैक्ट्री का ताला नहीं खोला जाएगा।

गणेश भजन संध्या का आयोजन

सवाईमाधोपुर (ए.)। रणतभंवर परिवार के तत्वावधान में सोमवार रात को आलनपुर सर्किल स्थित एक मैरिज गार्डन में भजन संध्या एवं भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। भजन संध्या में गायकों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां दी। देर रात तक श्रोता भजनों में झूमते रहे। वहीं रातभर भजनों का आनंद उठाया। आयोजन से जुड़े अशोक खूंटेटा ने बताया कि भजन संध्या में रणतभंवर गणेजी की फूल बंगला झांकी सजाई गई। भजन संध्या का आगाज गणेश अमृत वाणी के सामूहिक पाठ के साथ हुआ। गायिका अंतिमा शर्मा ने गजानंद ने पकड़ी कलाई, फिर क्या करना, गायक अशोक भामा ने सुनो गणपति प्यारे, चरण चाकरी में, मुझे लगा ले, गायिका रितिका अग्रवाल ने रणतभंवर गजानंद से नजरे मिलाना, नजरे मिलाकर झोली भर लाना सुनाया। इसके बाद गायिका समीक्षा अग्रवाल ने खजाने लुटाने वाला, रणतभंवर गजानंद की है, मेघा सूर्यवंशी ने किस्मत संवर गई है, तेरी शरण में आकर, रिया शर्मा ने बनकर मांझी जीवन नैया, प्रभु तुमको पार लगानी से सुनाकर श्रोताओं को गणेश भक्ति के रंग में रंग दिया। तड़के चार बजे तक श्रोता झूमते हुए भजनों का आनंद लेते रहे। इससे पहले 2101 मोदक से गणेशजी को भोग लगाया। भजन संध्या में अवसर पर सूरत, दिल्ली, जोधपुर, जयपुर, दौसा, अजमेर, मेड़ता, किशनगढ़, जसनगर, बूंदी आदि क्षेत्रों से श्रद्धालु मौजूद थे।

अवैध रूप से गैस रिफिल करते दो आरोपी दबोचे

सवाईमाधोपुर (ए.)। जिला विशेष टीम तथा रसद विभाग की ओर से संयुक्त रूप से जिले में अवैध तरीके से चल रहे गैस रिफिलिंग कारोबार का पर्दाफाश किया गया। साथ ही दो अलग-अलग जगह छापेमारी करते हुए दो दुकानदारों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान दोनों दुकान से गैस रीफिलिंग की मशीन, 24 छोटे-बड़े गैस सिलेंडर व अन्य सामान कब्जे में लिया है। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर डीएसटी प्रभारी सुमन कुमार की टीम ने जिला रसद विभाग की टीम के साथ मिलकर छापेमारी की कार्यवाही की। टीम ने चित्रांश कॉलोनी बाड़ी रोड पर स्थित सुनील कुमार पुत्र द्वारिका प्रसाद प्रजापति निवासी नगला विधौरा तथा जगदीश टॉकीज के पास स्थित योगेश कुमार पुत्र हुकुम सिंह निवासी छावनी की दुकानों पर अवैध तरीके से गैस रीफिलिंग की सूचना पर छापेमारी की। इस दौरान दोनों ही आरोपी दुकान पर घरेलू गैस सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में और ऑटो में गैस भरते हुए पकड़े गए। इस दौरान दोनों दुकानों से 24 सिलेंडर, 4 ऑटो, 2 इलेक्ट्रॉनिक कांटे, 5 रिफलिंग मशीन, रेगुलेटर पाइप, रिफिलिंग के लिए प्रयोग की जाने वाली पाइप सहित नोजल रीफलर बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रसद विभाग की तरफ से दोनों ही आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कराए गए हैं। दोनों ही आरोपियों को गिरफ्तार कर अनुसंधान किया जा रहा है। जिले में अवैध तरीके से गैस रिफलिंग करने वाले लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

बाइक सवार चाचा-भतीजे को वैन ने कुचला, दोनों की हुई दर्दनाक मौत

धौलपुर (ए.)। जिले के कौलारी थाना इलाके के रतनपुर गांव के पास वैन और बाइक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दो बाइक सवार चाचा-भतीजे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची कौलारी थाना पुलिस (छ्रद्धश्चश्चह्लह्म क्काद्यद्धह्ल) ने दोनों के शवों को जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। जहां दोनों शवों का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिए। पुलिस मामले में आगामी कार्रवाई कर रही है। जानकारी के मुताबिक बीती रात सदर थाना बाड़ी इलाके के गांव मुगलपुरा निवासी चाचा-भतीजे महावीर और हरेंद्र किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ठेकुली आए हुए थे। कार्यक्रम में शामिल होकर जब बीती रात वह वापस अपने गांव लौट रहे थे इसी दौरान कौलारी थाना इलाके के रतनपुर के पास सामने से आ रही एक वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दोनों ही युवकों की मौत हो गई।

आस्थाधामों में फैलत रहा है स्मैक का जाल

करौली (ए.)। चार आस्थाधामों से जिले की पहचान है तथा लोगों की आजीविका भी इन्हीं पर निर्भर है। लेकिन अब अस्थाधाम के लोग व श्रद्धालु स्मैक के काले कारोबार के जाल में फंसने लगे हैं। युवा वर्ग इसकी चपेट में तेजी से आया है। उत्तरभारत प्रसिद्ध आस्थाधाम कैलादेवी, भगवान मदनमोहन का धाम करौली, श्रीमहावीरजी व मेंहन्दीपुर बालाजी कस्बे में स्मैक का नशा पनपा है। करौली राजकीय अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि इन चारों आस्थाधामों में नशे से पीड़ित लोग उपचार कराने आ रहे हैं। पहले इन आस्थाधामों से कभी-कभार मरीज सामने आते थे, लेकिन अब संख्या 15 से 20 की प्रतिदिन की हो गई है। 5-7 मरीज स्मैक से पीड़ित होते हैं। जिनकी उम्र लगभग 17 से 40 वर्ष तक की है। इसके अलावा शेष मरीज अन्य मादक पदार्थों से पीछा छुड़ाना चाहते हैं, जिसमें अफीम, गांजा तथा अन्य नशे की चीज शामिल है। जिले में स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थी भी काफी संख्या में स्मैक की चपेट है। इनमें वो विद्यार्थी शामिल है, जो अकेले रहते हैं तथा पहले से ही किसी-ना किसी मादक पदार्थ का नशा करता है। स्मैक का अवैध कारोबार श्रीमहावीरजी से सटे गांव व हिण्डौन सिटी शहर में व्यापक स्तर पर होता है। श्रीमहावीरजी तक ट्रेन के जरिए सप्लायर विभिन्न स्थानों से पहुंचते हैं। जहां से मोटरसाइकल के जरिए कैलादेवी, करौली व अन्य स्थानों पर स्मैक पहुंचाई जाती है। पुलिस ने अनेकों बार नशे के सौदागरों को श्रीमहावीरजी से पकड़ा भी है। लेकिन इस पर अंकुश नहीं लग पाया है। अब श्रीमहावीरजी के बाद कैलादेवी भी नशे के सौदागरों का केन्द्र बनने लगा है। कैलादेवी से समीप के गांवों में स्मैक व अन्य नशे की सप्लाई होने लगी है। इस कारण ग्रामीण क्षेत्र का तबका नशा करने लगा है। यह नशा काफी महंगा भी माना जाता है। मेहन्दीपुर बालाजी का सम्पर्क दौसा व भरतपुर से भी है। यहां पर बसों के मार्फत ही नशा पहुंचता है। चिकित्सक बताते है कि स्मैक पीना वालों के अंगूठा व अंगुली पर काले निशान पड़ जाते हैं।, होठों पर कालापन छा जाता है तथा टेडे-मेडे हो जाते हैं। हाथ पैरों में दर्द, दस्त, आंखों में आंसू आना आदि स्मैक के लक्षण है। इसके अलावा हाथ पैरों में टूटन, नाक से पानी बहना, दिल की धड़कन बढ़ना, घबराहट, बैचेनी तथा नदीं नहीं आना भी स्मैक के लक्षणों में शामिल है। स्मैक व अन्य मादक पदार्थों की अवैध आपूर्ति पर रोक लगाना पुलिस की साल भर की प्राथमिकता में शामिल है। स्मैक की सौदागरों पर नजर रखी जा रही है। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए टीम का गठन किया हुआ है।

अनिल कुमार बेनीवाल पुलिस अधीक्षक करौली

आस्था धाम श्री महावीरजी में स्मैक व अन्य नशे की चपेट में आने से युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। पुलिस -प्रशासन को नशे के सौदागरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी होगी। इसके अलावा आमजन को भी जागरुक होना पड़ेगा।

राजेश गुर्जर पंचायत समिति सदस्य अकबरपुर

कैलादेवी में स्मैक का नशा तेजी से पनपा है। कैलादेवी के अनेक स्थानों पर युवाओं को नशे की हालात में देखा जा सकता है। नशा करने वाले व उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जरुरत है।

गर्भ में आए आदिनाथ, गोद भरने पहुंचे श्रद्धालु

■ सवाईमाधोपुर (ए.)

गंगापुरसिटी. शहर के सैनिक नगर स्थित नूतन जिनालय एवं जिनबिम्ब प्राण प्रतिष्ठा के लिए चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव के तहत मंगलवार को गर्भ कल्याणक उत्तरार्ध मनाया गया। इस मौके पर भगवान आदिनाथ की मां मरूदेवी की गोद भराई के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। इससे पूर्व मां मरूदेवी व पिता नाभिराय की शोभायात्रा निकाली गई।

सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सुभाष पांड्या व मंत्री नरेंद्र गंगवाल ने बताया कि बुधवार को भगवान का जन्मकल्याणक मनाया जाएगा। पुरानी अनाज मण्डी से सुबह 10 बजे मुख्य बाजारों से होकर सैनिक नगर तक धार्मिक जुलूस निकाला जाएगा। आयोजन में देश भर से जैन धर्मावलंबी भाग लेंगे।

धार्मिक जुलूस सुबह 10 बजे से मुनि श्रद्धानंद एवं पवित्रानंद महाराज के सानिध्य में रवाना होगा। उधर, पंचकल्याणक के तहत सोमवार रात्रि को आयोजन स्थल पर इन्द्र का दरबार सजाया गया। कुबेर व सौधर्म इन्द्र व इन्द्र-इन्द्राणी के संवादों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। आयोजन समिति के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन साह ने बताया कि मरुदेवी की भूमिका अंगूरी देवी व नाभिराय के रूप में शिखरचंद साह आए।

बैण्डबाजों के साथ सवारी निकली।

अष्टकुमारियों ने नृत्य किए। सारथी की भूमिका आलोक जैन ने निभाई। कुबेर बने डॉ. मनोज जैन ने रत्नों की बरसात की। वहीं प्रतीन्द्र डॉ. शैलेन्द्र जैन आदि ने संवाद किए।

प्रतिष्ठाचार्य राजेश जैन राज भोपाल व सहायक प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी संजय जैन आहार व अंकित शास्त्री के मार्गदर्शन में महिलाओं ने नूतन जिनालय के वेदी शुद्धि पूजन किया। अलसुबह गर्भकल्याणक पूजन किया। इस मौके पर दिगम्बर जैन समाज अलवर, खेड़ली, जयपुर, सूरत, केकड़ी, मुम्बई, दिल्ली, आगरा एवं सवाईमाधोपुर से आए जैन समाज के लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कन्या भ्रूण हत्या महापाप : श्रद्धानंद

दिगम्बर जैन मुनि श्रद्धानंद महाराज ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या महापाप है। प्रत्येक समाज की नारी को इस कलंक को दूर करने के लिए संकल्प लेना चाहिए। पंचकल्याणक महोत्सव में प्रवचन करते हुए मुनि ने नारी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तीर्थकरों से लेकर अवतारी भगवान को जन्म देने वाली माताओं की देश की जरूरत है। उन्होंने श्राविकाओं, बालिकाओं के मंदिर में प्रवेश करने के तौर-तरीकों पर चर्चा करते हुए मौजूदा लोगों से कन्या भ्रूण हत्या नहीं करने एवं नारी जाति का सम्मान करने का संकल्प दिलाया।

सडक़ पर बदहाल संविधान की प्रस्तावना

करौली (ए.)। हिण्डौनसिटी. पंचायत समिति क्षेत्र के गांव खेड़ा में सड़क किनारे लगा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का शिलालेख उपेक्षा का शिकार है। गंगापुरसिटी मार्ग पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के बाहर लगे लगे संविधान की प्रस्तावना के शिलालेख के चारों ओर गंदगी के ढेर लगे हैं। फाउंडेशन जीर्ण-शीर्ण होने लगा है। शिलालेख को ग्रामीण संविधान की प्रस्तावना की बजाय शहीद स्मारक के नाम से जानते हैं। स्वतंत्रता सैनानियों के संघर्ष की स्मृति में आजादी की 25 वी वर्ष गांठ पर वर्ष1972 में भारत सरकार के शिलालेख लगवाया था। करीब साढ़े पांच फीट ऊंचे शिलालेख के अग्रभाग पर संविधान की प्रस्तावना उकेरी हुई है। जिस पर संविधान के मूल उद्देश्य न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता मय विवरण के अंकित है। वहीं पृष्ठभाग पंचायत समिति हिण्डौन क्षेत्र के स्वतंत्रता सैनानी हिण्डौन निवासी प्रेमनिधि अग्रवाल व सूरौठ निवासी मूलचंद शर्मा का नाम अंकित है। संविधान प्रस्तावना के शिलालेख पर शीर्ष पर दोनों ओर राष्ट्रीय प्रतीक बने हैं। इसमें अशोक चक्र, राष्ट्रीय पक्षी मयूर, राष्ट्रीय पशु शेर व राष्ट्रीय पुष्प कमल बना हुआ है। शहीद स्मारक विद्यालय परिसर से बाहर है। इसकी सारसंभाल के लिए कई बार ग्रामपंचायत को लिखा गया है। वैसे एसयूपीडब्ल्यू शिविर के दौरान विद्यार्थियों से सभी सफाई करा दी जाती है।

लकी शर्मा, प्रधानाचार्य
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खेड़ा, हिण्डौनसिटी

रेल की पटरी पर लेट कर एक ने की आत्महत्या, दूसरा ट्रेन से गिर हुआ घायल

करौली (ए.)। हिण्डौनसिटी. शहर में सोमवार सुबह एक युवक ने ट्रेन के आगे लेट कर आत्महत्या कर ली तो दोपहर में एक युवक चलती ट्रेन से गिरने से घायल हो गया। आरपीएफ व जीआरपी मृतक के शव व घायल युवक को राजकीय चिकित्सालय लेकर पहुंची। जहां पोस्टमार्टम के बाद मृतक महू खास निवासी जलसिंह जाटव (35) पुत्र दयाराम का शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं घायल हुए अज्ञात व्यक्ति को उपचार के लिए भर्ती किया गया है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब साढ़े छह बजे सवाई माधोपुर-मथुरा पैसेंजर ट्रेन के लोको पायलट ने ड्यूटी स्टेशन मास्टर फतेसिंह मीना को डाउन ट्रेक पर सिग्नल के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना दी। मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। जेब से मिले आधार कार्ड से शव की शिनाख्त जलसिंह के रूप में हुई। इसी प्रकार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे सिकरौदा जट्ट गांव के पास आगरा-कोटा पैसेंजर ट्रेन से एक युवक ट्रेन पर गिर गया। सूचना पर पहुंची आरपीएफ एम्बुलेंस 108 से घायल युवक को लेकर राजकीय चिकित्सालय पहुंची। जहां उसका उपचार चल रहा है।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

करौली (ए.)। सपोटरा. क्षेत्र के लोकेश नगर में रविवार को कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। सपोटरा पूर्व सरपंच कमल मीणा ने बताया कि भागवताचार्य देवकीनंदन शरण गज्जूपुरा ने कलशों का पूजन कराया। महिलाएं कलशों को सिर पर रखकर चल रही थी। वहीं श्रद्धालु भजनों पर नृत्य कर रहे थे। इस दौरान जयकारों से माहौल धर्ममय हो गया। इस दौरान हेमराज मीना, रामभजन मीना जगदीश, प्रभुलाल, कमलेश आदि मौजूद रहे।

श्रीयादे माता जयन्ती महोत्सव मनाया

करौली (ए.)। हिण्डौनसिटी. प्रगतिशील प्रजापति संस्थान द्वारा रविवार को श्रीयादे माता जयन्ती समारोह मनाया गया। इसमें छात्रावास निर्माण की रणनीति तय की गई। संस्थान के चरण सिंह प्रजापति ने बताया कि श्रीयादे माता की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन से शुरू हुए कार्यक्रम में श्रीयादे माता शतक के सामूहिक वाचन से माहौल धर्ममय हो गया। वक्ता रामकिशन व राकेश कुमार ने श्रीयादे माता के जीवन पर प्रकाश डाला। इस दौरान छात्रावास निर्माध के लिए भामाशाहों ने राशि दान की। वक्ताओं ने छात्रावास निर्माण के लिए निर्माध समिति के विचारों से अवगत कराया। (पत्रिका संवाददाता)

शिक्षा से शिखर पर पहुंचे थे कलाम

करौली (ए.)। हिण्डौनसिटी. नगर परिषद की ओर से करौली रोड बाय पास तिराहे पर सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की धात्विक प्रतिमा अनावरण किया। समारोह में विधायक भरोसी लाल जाटव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मामू, नगर परिषद सभापति अरविंद जैन व उप सभापति नफीस अहमद ने शिलापट्टिका का फीता काट प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि कलाम कलाम आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से होने के बाद भी तरक्की के शिखर पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि कलाम ने बाधाओं को शिक्षा के बल पर पार किया। उच्च स्तर की पढ़ाई कर वे वैज्ञानिक बने और देश को सुरक्षा के लिए मिसाइल दी। देश के लिए समर्पित रहे कलाम राष्ट्रपति के पद तक पहुंचे। उपसभापति के मंच संचालन में हुए कार्यक्रम में समीप स्थित मुस्लिम बस्ती के लोगों ने विधायक सहित अतिथियों का माला साफा पहना कर स्वागत किया। इस दौरान विधाय व सभापति ने लोगों के अभियोग सुने। साथ ही समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। समारोह में कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष नरेश गुर्जर, नगर परिषद आयुक्त प्रेमराज मीणा सहित, अनेक पार्षद मौजूद रहे।

नाकाबंदी के बीच आए बजरी से लदे वाहन

धौलपुर (ए.)। जिले में अवैध चम्बल बजरी निकासी व परिवहन की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मनियां पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अवैध चम्बल बजरी से भरे हुए 3 ट्रैक्टर मय ट्रॉली को जब्त करते हुए एक चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया है कि परमजीत सिंह थानाधिकारी थाना मनियां को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि थाना इलाके से चम्बल बजरी के ट्रैक्टर निकल कर जा रहे हैं। जिस पर थानाधिकारी थाना मनियां ने मय पुलिस टीम के साथ जीटी रोड मनियां पर नाकाबंदी करते हुए अलग-अलग जगह से चम्बल बजरी से भरे तीन ट्रैक्टर मय ट्रॉली को जब्त किया और एक ट्रैक्टर चालक युधिष्ठिर पुत्र गणेशीलाल गुर्जर निवासी गजपुरा थाना सदर बाड़ी जिला धौलपुर हाल निवासी ग्राम बीकापुरा थाना इरादतनदर जिला आगरा को गिरफ्तार किया गया है।

कोटा संभाग

जेवर और नकदी के लालच में मौत के घाट उतार दिया मां बेटी को

कोटा (ए.)। भीमगंजमंडी थानाक्षेत्र में नौकर द्वारा साथी के साथ मिलकर मां-बेटी की सरिए से नृशंस हत्या व बलात्कार के मामले में पोक्सो विशिष्ट न्यायालय क्रम संख्या चार में मंगलवार को 48 गवाहों के बयान पूरे हो गए। मामले का निर्णय अंतिम चरण में चल रहा है। मामले की अगली तारीख 13 फरवरी है। अधिवक्ता हरीशचंद्र शर्मा व मनु शर्मा ने बताया कि 31 जनवरी 19 की रात को अज्ञात बदमाशों ने सरिए से मां-बेटी की नृशंस हत्या कर सोने-चांदी व नकदी लूट की वारदात को अंजाम दिया था। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने तफ्तीश शुरू की। पुलिस ने शोक जताने आए पुराने नौकर बूंदी जिले के तीरथ निवासी मस्तराम मीणा व उसके साथी लोकेश मीणा को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त सरिया व लूटे गए रुपए व जेवर बरामद किए।

देखने को मिलेगा कड़ा मुकाबला, पंचायतीराज चुनाव का तीसरा चरण आज

■ कोटा (ए.)

जिले में पंचायतीराज चुनाव के तीसरे चरण में बुधवार को मतदान होगा। इस चरण में 612 प्रत्याशी सरपंच पद की दौड़ में हैं। पंचायत आम चुनाव के तृतीय चरण में जिले में पंचायत समिति इटावा व खैराबाद में सरपंच एवं वार्ड पंच के पद के लिए बुधवार सुबह 8 बजे से मतदान होगा। तृतीय चरण में दोनों पंचायत समितियों में सरपंच पद के लिए 612 उम्मीदवार मैदान में हैं,जबकि वार्ड पंच के लिए 1744 उम्मीदवार मैदान में हैं। 210 वार्ड पंच निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

पंचायत समिति इटावा में 30 ग्राम पंचायतों में कुल 1 लाख 14 हजार 357 मतदाता हैं। यहां पर 271 सरपंच उम्मीदवार तथा 599 वार्ड पंच के उम्मीदवार मैदान में है, जबकि 109 वार्ड पंच निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

पंचायत समिति खैराबाद में 37 ग्राम पंचायतों में 1 लाख 49 हजार 706 मतदाता हैं। यहां पर 341 सरपंच पद के उम्मीदवार 1145 वार्ड पंच के उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि 101 वार्ड पंच

निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिया संदेश

जिला निर्वाचन अधिकारी व जिला कलक्टर ओम कसेरा ने कहा कि मतदान दल के सभी सदस्य शांतिपूर्ण, त्रुटि रहित चुनाव सम्पन्न कराने के लिए टीम भावना से कार्य करें। आदर्श आचार संहिता की पालना करते हुए किसी का आतिथ्य स्वीकार नहीं करें और इस प्रकार करें कि निष्पक्षता दिखाई भी दे।

जिला कलक्टर मंगलवार को इटावा और खैराबाद पंचायत समिति क्षेत्रों के सरपंच व वार्ड पंच चुनाव के लिए मतदान दलों के महाराव उम्मेदसिंह स्टेडियम में आयोजित अंतिम प्रशिक्षण व रवानगी के समय उपस्थित कार्मिकों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मतदान दल का प्रत्येक सदस्य निर्वाचन विभाग का प्रतिनिधि मानकर निष्पक्षता एवं पारदर्शिता से कार्य कर अपना व्यवहार भी निष्पक्ष रखे।

अनुपस्थित बीएलओ को नोटिस

निर्वाचक पंजीयन अधिकारी निर्वाचन क्षेत्र कोटा उत्तर, सहायक कलक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा चुनाव कार्य में बीएलओ, प्रगणक के ड्यूटी आदेश की अनुपालना में भी ड्यूटी ग्रहण नहीं करने पर 20 कार्मिकों के विरुद्ध नोटिस जारी किया गया। निर्वाचन पंजीयन अधिकारी ने बताया कि रामस्वरूप मेघवाल, नवल किशोर, रामबाबू शर्मा, राजेश मीणा, कमल मीणा, जलाज सिंगल, जगदीश प्रसाद शर्मा, हीरालाल मीणा, कन्हैयालाल मीणा, दिनेश कुमार गुप्ता, श्याम बिहारी गौतम, अम्बरीश कुमार मेवाड़ा, सीताराम शर्मा, रजनीश गोचर, लता शर्मा, सीमा, मधु जैन, पूजा टांक, ललित प्रभा शर्मा, पूजा शर्मा के ड्यूटी ग्रहण नहीं करने पर निलम्बन की कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व अधिकारियों की बैठक 31 को

बारां (नि.सं.)। जिला कलक्टर इन्द्र सिंह राव की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक मिनी सचिवालय सभागार में 31 जनवरी 2020 को प्रात: 11.30 बजे आयोजित की जाएगी। उक्त जानकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर मोहम्मद अबूबक्र ने दी।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान पखवाड़ा कल से

बारां (नि.सं.)। जिले में कुष्ठ दिवस पर 30 जनवरी से 13 फरवरी तक 'स्पर्ष कुष्ठ जागरूकता अभियान' जलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संपत राज नागर ने बताया कि अभियान के तहत जिला स्तर पर 30 जनवरी को जिला कलक्टर द्वारा शपथ व ब्लॉक स्मर पर माइकिंग करवाई जाएगी तथा पंचायत स्तर पर ग्राम सभाओं का आयोजन कर सरपंच द्वारा अभिभाषण पढ़ा जाएगा। साथ ही अन्य प्रेरक कार्यक्रम होंगे। वहीं 31 जनवरी को ब्लॉक स्तर पर सर्वे से पूर्व चिकित्सा अधिकारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, सुपरवाईजर व आषा सहयोगिनियों को रिफ्रेशर प्रषिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 1 से 13 फरवरी तक ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सुपरवाइजर एवं आषा द्वारा डोर टू डोर सर्वे किया जाएगा। सर्वे में संदेहास्पद कुष्ठ रोगियों का सत्यापन करवा कर एमटीडी दवा चालू करवायी जाएगी। डिफाल्टर केसों को प्रोत्साहित कर पुन: इलाज चालू करवाने तथा आरसीएस योग्य केसों को सर्जरी के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

मीडिया कर्मियों के लिए उपलब्ध रहेगा वाहन

बारां (नि.सं.)। जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार पंचायत राज चुनाव के कवरेज के लिए मिनी सचिवालय स्थित जिला सूचना केन्द्र पर मीडिया प्रतिनिधियों के लिए वाहन उपलब्ध रहेगा।

प्रशंसनीय चुनाव कार्य के लिए दिया प्रशस्ति पत्र

बारां (नि.सं.)। जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र सिंह राव ने निर्वाचन आयोग के निर्देषानुसार चुनाव कार्य करने के फलस्वरूप प्रषंसनीय कार्य हेतु राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मिसई किषनगंज के शिक्षक हेमराज गौड़ को प्रषस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है।

लाख 7 हजार 690 मतदाता चुनेंगे गांवों की सरकार

बारां (नि.सं.)। पंचायत राज आम चुनाव 2020 के तहत तीसरे चरण में जिले की पंचायत समिति किषनगंज व छबड़ा के कुल 230 मतदान केन्द्रों पर बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान होगा। जिसमें कुल 2 लाख 7 हजार 690 मतदाता मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। मतदान की सभी तैयारियों को पूर्ण करते हुए जिला मुख्यालय से मंगलवार को मतदान दलों को अंतिम प्रषिक्षण के बाद गन्तव्य स्थलों के लिए रवानगी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र सिंह राव ने कोटा रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित अंतिम प्रषिक्षण में मतदान अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की पवित्रता बनाए रखने के लिए स्वतंत्र व निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया आवष्यक है और लोकसेवकों का उत्तरदायित्व है कि वे इस प्रक्रिया को पूर्ण निष्ठा तथा ईमानदारी से संपादित कराकर अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि चुनाव कार्य सदैव लोकसेवकों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है और वे हर बार इसमें खरे उतरे हैं। निर्वाचन विभाग भयमुक्त व शांतिपूर्ण चुनाव के लिए कृत संकल्पित है, सभी मतदान अधिकारी इसमें अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता दें। उन्होंने कहा कि मतदान कार्य में चुनाव आयोग के निर्देषों की शत प्रतिषत पालना सुनिष्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा पहुंचाने वाले तत्वों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। चुनाव पर्यवेक्षक भवानी सिंह पालावत ने कहा कि मतदान दल पूर्ण मनोयोग व कुषलता से मतदान संबंधी दायित्वों का निर्वहन करें और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव में अपनी सफल भागीदारी दें। प्रषिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी बृजमोहन बैरवा ने भी मतदान अधिकारियों को संबोधित करते हुए मतदान दिवस व उससे पूर्व मतदान केन्द्र पर किए जाने वाले कार्यों व सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर उपजिला निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद अबूबक्र, उपखंड अधिकारी, चुनाव समन्वयक हीरालाल वर्मा, लेखा प्रकोष्ठ प्रभारी धीरज कुमार सोनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। यहां पहले दौर में किषनगंज पंचायत समिति तथा दूसरे दौर में छबड़ा पंचायत समिति के लिए नियुक्त मतदान अधिकारियों को प्रषिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सुनील शर्मा ने किया। मतदान दलों ने प्रषिक्षण के पश्चात राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के भवन परिसर में स्थापित किए गए विभिन्न काउंटरों से ईवीएम मषीन, मत पेटी, लेखा सामग्री सहित अन्य आवष्यक निर्वाचन सामग्री प्राप्त की तथा निर्धारित वाहनों से रूट चार्ट के अनुसार निर्धारित मतदान केन्द्रों के लिए रवाना हुए। पंचायत समिति किषनगंज व छबड़ा की सभी 66 ग्राम पंचायतों में स्थापित 230 पोलिंग बूथों पर प्रात: 8 बजे से सायं 5 बजे तक सरपंच व पंच पदों के लिए मतदान होगा। सरपंच पद के चुनाव में पहली बार ईवीएम मषीन उपयोग में ली जा रही है जबकि वार्ड पंचों के चुनाव मतपत्र के माध्यम से होंगे, जिन्हें मतपेटी में डाला जाएगा। मतदान प्रारंभ करने से पूर्व मतदान दल ईवीएम मषीन पर मॉक पोल की प्रक्रिया करेंगे। मतदान केन्द्र से 200 मीटर की परिधि में अभ्यथियों द्वारा काउंटर नहीं लगाए जाएंगे न ही किसी प्रकार का प्रचार किया जा सकेगा। मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात मतदान केन्द्रों पर मतगणना प्रारंभ होगी व परिणाम घोषित किया जाएगा। अगले दिन उपसरपंच के चुनाव के पश्चात सभी मतदान दल जिला मुख्यालय लौटेंगे तथा राउमावि कोटा रोड में स्थापित सामग्री संग्रहण केन्द्र पर निर्वाचन सामग्री जमा कराएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी राव ने बताया कि पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में पंचायत समिति किषनगंज, छबड़ा की कुल 66 ग्राम पंचायतों एवं 435 वार्ड के लिए चुनाव होंगे। उल्लेखनीय है कि किषनगंज में 114 तथा छबड़ा में 57 वार्ड पंचों सहित कुल 171 पंचों का निर्विरोध निर्वाचन किया गया है। पंचायत समिति किषनगंज में 39 ग्राम पंचायत, 225 वार्ड के लिए 137 मतदान केन्द्र एवं छबड़ा में 27 ग्राम पंचायत, 210 वार्ड के लिए 93 मतदान केन्द्र पर चुनाव होंगे। उन्होंने बताया कि मतदान में कुल 2 लाख 7 हजार 690 मतदाता मताधिकार का प्रयोग कर पाएंगे। जिनमें एक लाख 7 हजार 290 पुरूष तथा एक लाख 400 महिला मतदाता हैं। मतदान दिवस पर संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल के साथ निगरानी के लिए वीडियोग्राफर सुपरवाईजर नियुक्त किए गए हैं।

घर से लापता हुए ग्रामीण का शव कुएं में मिला

बूंदी (ए.)। देई थाना क्षेत्र के बांसी कस्बे में सोमवार शाम से लापता ग्रामीण 50 वर्षीय महेश कुमार शर्मा का शव मंगलवार शाम को एक कुएं में पड़ा मिला। मृतक बांसी व सादेड़ा के ग्राम डाकघरों में डाकिया (बीपीएम) था। शव मिलने की सूचना पर देई थाने से हैड कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से शव बाहर निकाला। फिर नैनवां सामुदायिक चिकित्सालय लेकर आए। परिजनों द्वारा मृतक के साथ कोई अनहोनी की आशंका जताने पर नैनवां थानाधिकारी ओमप्रकाश सोलंकी चिकित्सालय पहुंचे। परिजनों की मांग पर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया मौत का कारण पानी में डूबना माना है। बड़े भाई ब्रह्मानन्द शर्मा ने पुलिस को रिपोर्ट देकर बताया कि उसका भाई महेश दिन में डाक का काम निपटाने के बाद की बांसी के मेन बाजार में उसके बेटे की चाय की दुकान बैठता था। सोमवार शाम साढ़े 6 बजे वह दुकान बंद कर बाइक लेकर निकला था। उसके बाद लापता हो गया था। उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था। मंगलवार शाम करीब चार बजे ग्रामीणों को बांसी कस्बे के पास उसकी बाइक खड़ी नजर आई। आसपास तलाश किया तो मालियों के कुएं में उसका शव नजर आया। महेश के सिर व ललाट पर चोट थी। ऐसे में भाई के साथ कोई अनहोनी होने की संभावना है। इसलिए मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया जाए।

भजन संध्या में रात भर बरसा श्याम रंग

बूंदी (ए.)। नैनवां. कस्बे में चल रहे श्री श्याम प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रविवार रात को गढ़ चोक मैदान में आयोजित श्याम भजन संध्या में आगरा, दिल्ली व जयपुर से आए भजन गायकों ने रात भर श्याम रंग बरसाया। भजन संध्या में उमड़े श्रद्धालुओं के कारण पूरा गढ़ चोक मैदान खाँचाखच भरा रहा। राधा-कृष्ण के रास के भजनों के साथ खाटू श्याम की महिमा के भजनों पर श्रद्धालु झूमते रहे। रात नौ बजे जयपुर के भजन गायक निजाम भाई ने गणेश वंदना और हनुमान जी की स्तुति के बाद श्याम भजनों की प्रस्तुतियों के बाद दिल्ली से आई भजन गायिका ऋतु पांचाल ने राधा व कृष्ण के रास के भजनों की प्रस्तुति ने रंग बरसाना शुरू किया तो श्रद्धालु झूमने लग गए। पकड़ ले हाथ बनवारी....,कुछ तो है यार तेरी सरकारी में...., अपना बनाकर देख यार सांवरिया....., श्याम पिया मेरी रंग दे चुनरिया....भजनों की प्रस्तुतियां दी। आगरा के भजन गायक राजू बावरा ने म्हारी झोपड़ी में श्याम जी पधारे, किस्मत की मेरी चमके सितारे....,डिसेंट सांवरिया एक्सीडेंट सांवरिया प्रेजिडेंट सांवरिया सहित अन्य भजनों की प्रस्तुतियां दी। रात ढाई बजे महाआरती के बाद समापन हुआ।

मासूम बेटे के साथ घर से निकली महिला का पता नहीं चला

झालावाड़ (ए.)। भवानीमंडी. क्षेत्र के गांव नेहरावद में रविवार रात एक महिला का अपने पति से झगड़ा हो गया। इसके बाद वह अपने दो साल के बेटे को लेकर कहीं चली गई। सुबह उसके कपड़े और चप्पल नदी किनारे मिलने पर पुलिस ने दोनों की नदी में तलाश शुरू करवा दी। शाम 5 बजे तक दोनों का कहीं कोई पता नहीं चल सका था। पुलिस ने बताया कि महिला नर्मदाबाई (25) पत्नी बनेसिंह गुर्जर को बीती रात अपने पति से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। वह अपने दो साल के बेटे प्रदीप को लेकर रात में किसी समय घर छोड़कर कहीं चली गई। उसका पीहर भी इसी गांव में होने से ससुराल वाले वहां जाने की सोच रहे थे, लेकिन बाद में तलाश करने पर महिला व उसका पुत्र वहां नहीं मिले। जिसके बाद तलाश करने पर नदी किनारे महिला की चप्पल आदि दिखने पर सबने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। इस पर नदी में गोताखोरों के जरिए तलाश शुरू की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक दोनों का कहीं कोई पता नहीं चल सका था। उधर, भवानीमंडी पुलिसथाना सीआई महेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि महिला के पीहर पक्ष वालों ने उसके ससुराल वालों के खिलाफ उसे मार देने का आरोप लगाया है।

बालक के टक्कर लगने पर शिक्षिका के साथ मारपीट

झालावाड़ (ए.)। सारोलाकलां. गांव बन्या में रविवार सुबह स्कूटी से बालक के टक्कर लगने से क्षुब्ध एक जने ने शिक्षिका के थप्पड़ जड़ दिया। शिक्षका सीमा मीणा ने रिपोर्ट में बताया कि वह स्कूटी से रविवार सुबह करीब 8 बजे स्कूल जा रही थी। बालक के स्कूटी अड़ गई। इससे क्षुब्ध भरतराज नागर ने उसे थप्पड़ मार दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इधर, दिव्यांश नागर ने ीाी स्कूटी सवार शिक्षिका सीमा मीणा के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

शहर को देंगे 70 घंटे बनाएंगे स्वच्छ, प्लास्टिक से करेंगे परहेज

झालावाड़ (ए.)। गणतंत्र दिवस की 70वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में पत्रिका की ओर से रविवार को स्वर्णिम भारत अभियान का आगाज किया गया।राजस्थान के अभियान के तहत रविवार को गणतंत्र दिवस पर चाणक्य एज्युकेशन संस्थान में मौजूद युवाओं ने संकल्प लिया कि अगले एक साल में 70 घंटे अपने शहर/ गांव को दंगे। स्वच्छता और सुंदरता को लेकर खुद जागरूक रहेंगे, दूसरों को भी जागरूक करेंगे। कार्यक्रम में निदेशक अनंत शर्मा ने कहा कि आज प्लास्टिक से मवेशी मर रहे हैं, पर्यावरण को खासा नुकसान हो रहा है। इंसानों में कई तरह के चर्म रोग व बीमारियां सामने आ रही है। इसके पीछे प्लास्टि का उपयोग एक बड़ा कारण है। संस्थान में करीब 250 विद्यार्थियों ने ध्वजारोहण के बाद स्वर्णिम भारत की शपथ ली। शपथ संस्थान के निदेशक अनंत शर्मा ने दिलाई। जिसमें हम अपने मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों का निर्वाह निष्ठापूर्वक करेंगे।

तीसरे चरण के मतदान के लिए मतदान दल रवाना

बारां की किशनगंज व छबड़ा पंचायत समितियों में सरपंच व पंच के होगें चुनाव

■ बारां (ए.)

बारां में पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2020 के तहत तृतीय चरण में पंचायत समिति किशनगंज व छबड़ा में पंच, सरपंच पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए मतदान दलों को जिला मुख्यालय से रवानगी दी गई । इससे पूर्व उन्हें जिला मुख्यालय स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। चुनाव के लिए सभी तैयारियों को पूर्ण कर लिया गया है। दोनों जगह बुधवार को 230 मतदान केन्द्रों पर वोट डाले जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र सिंह राव ने बताया कि पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में पंचायत समिति किशगंज व छबड़ा की ग्राम पंचायतों एवं वार्डों के लिए चुनाव होंगे। पंचायत समिति किशनगंज में 137 मतदान केन्द्र एवं छबड़ा में 93 मतदान केन्द्रों पर 29 जनवरी को चुनाव सम्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि किशनगंज पंचायत समिति तथा छबड़ा पंचायत समिति के मतदान दलों को प्रशिक्षण व मतदान सामग्री देकर निर्धारित ग्राम पंचायतों के लिए वाहनों से रूट चार्ट के अनुसार रवाना किया गया है 7

जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र सिंह राव ने बताया कि पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में पंचायत समिति किशनगंज व छबड़ा की ग्राम पंचायतों एवं वार्डों के लिए चुनाव होंगे। पंचायत समिति किशनगंज में 137 मतदान केन्द्र एवं छबड़ा में 93 मतदान केन्द्रों पर 29 जनवरी को चुनाव सम्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि किशनगंज पंचायत समिति तथा छबड़ा पंचायत समिति के मतदान दलों को प्रशिक्षण व मतदान सामग्री देकर निर्धारित ग्राम पंचायतों के लिए वाहनों से रूट चार्ट के अनुसार रवाना किया गया है। दोनों जगह बुधवार को 230 मतदान केन्द्रों पर वोट डाले जाएंगे।

बूंदी व तालेड़ा की 63 ग्राम पंचायतों में सरपंच व पंच पदों के लिए मतदान आज

■ बूंदी (ए.)

पंचायत आम चुनाव-2020 के तीसरे चरण में बूंदी जिले की बूंदी व तालेड़ा पंचायत समितियों की 63 ग्राम पंचायतों में सरपंच व पंच पदों के निर्वाचन के लिए बुधवार को सुबह 8 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। अगले दिन 30 जनवरी को उपसरपंच का निर्वाचन होगा। दोनों पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में मतदान दल मंगलवार को मतदान केंद्रों पर पहुंच गए।

तालेड़ा की 33 व बूंदी पंचायत समिति की 30 ग्राम पंचायतों के सरपंच व पंच पदों के चुनाव को लेकर मंगलवार को बूंदी के हायर सैकण्डरी स्कूल मैदान से मतदान दल, जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट कोअंतिम प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कार्यवाहक जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश जोशी ने कहा कि मतदान दलकर्मी सभी तैयारियों के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचे एवं धैर्य और शांति से चुनाव सम्पन्न कराएं। मतदान दल गठन प्रभारी एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुरलीधर प्रतिहार ने सभी मतदान दलों को निर्धारित समय पर मतदान केंद्रों पर पहुंचने तथा पूरी तैयारी के साथ चुनाव कराने के

निर्देश दिए। इस दौरान चुनाव पर्यवेक्षक जयनारायण मीणा भी मौजूद थे।

इवीएम से चुनेंगे सरपंच

बूंदी एवं तालेड़ा पंचायत समितियों की 6 3 ग्राम पंचायतों में सरपंच का चुनाव इवीएम से होगा इसके लिए 131 मतदान केंद्र बनाए गए। बूंदी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत सिलोर तथा उलेड़ा ग्राम पंचायत के मतदान केंद्र पर सरपंच के उम्मीदवार 16 या अधिक होने से 2-2 बैलट यूनिट प्रयोग में ली जाएंगी। बूंदी पंचायत समिति की 30 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए 247 व पंच पद के लिए 6 76 तथा तालेड़ा पंचायत समिति की 33 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए 214 एवं पंच पद के लिए 793 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

उदयपुर संभाग

सचेत रह कर बचें ठगी से

राजसमंद (ए.)। साइबर अपराधी रोजाना नए-नए फंडे अपनाकर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला रविवार का है। ठगों ने चिकित्सा विभाग के प्रोग्राम मैनेजर (डीपीएम) की फोटो को व्हाट्सएप पर लगाकर उनके परिचितों/परिजनों से करीब 25 हजार रुपए की ठगी कर ली। बाद में जब डीपीएम को पता चला तो उन्होंने भीलवाड़ा सहित राजसमंद पुलिस से इसकी शिकायत की है। डीपीएम आशीष दाधीच ने बताया कि रविवार को किसी परिचित का फोन आया और उसने बताया कि एक नए नम्बर से व्हाट्सएप आया है, जिसमें डीपी पर आपकी फोटो लगी है, तथा आप परेशानी में हो बताकर पैसे की मांग कर रहा है।

मेहमान पक्षियों की दस्तक से गुलजार होने लगी झील

■ राजसमन्द (ए.)

हमारी राजसमंद झील इन दिनों देसी-विदेशी पक्षियों से गुलजार हो रही है। अल सुबह इनकी जलक्रीडा पक्षी प्रेमियों को आकर्षित कर रही है। इनमें सबसे खास है ग्रे लेग गूज। जो सात समुद्र पार से हजारों किमी का सफर कर राजसमंद आए हैं। प्रवासी पक्षियों के आगमन को ध्यान में रखते हुए वनविभाग ने भी पक्षी गणना कार्यक्रम तय कर लिया है। गौरतलब है कि गतवर्ष भी जिले के विभिन्न तालाबों में पक्षी गणना के साथ ही पक्षी दर्शन कार्यक्रम आयोजित हुआ था।

ये पक्षी आ रहे नजर

ग्रे लेग गूज, पेलिकन, नॉर्दन पिंटेल, कोंबडक, सैंडपाइपर, कॉमन कूट, ओपन बिल स्टॉक जैसे पक्षी झील किनारे अटखेलियां करते नजर आ रहे हैं। इसमें ग्रे लेग गूज लम्बी दूरी तयकर आया है। मुख्य रूप से ये पक्षी सेंट्रल एसिया, यूरोप और ठंडे प्रदेशों से आते हैं। पक्षी बहुत ही आकर्षक होता है। ग्रे लेग गूज गोल व भारी शरीर वाला बड़ी बतख है। इसकी चोंच व पैरों का रंग सुर्ख गुलाबी तथा पूछ का रंग सफेद व काला होता है। इसका शरीर सिलेटी रंग का होता है और इसके पैरों में काली रेखाएं होती हैं। यह अक्सर समूह में रहता है, और विशेष प्रकार की आवाज करते हुए जल क्रीडा करता है।

ये पक्षी आते हैं नजर

राजसमंद झील व यहां के जलाशयों में अबतक जो पक्षी दर्शन या वर्डफेयर के आयोजन हुए हैं उनमें पेलिकन, फ्लेमिंगो, पाइड एबोसेट, कॉमन टेल, पिनटेल, पन-कौआ, ओसप्रे, कौमन कूट, कौमन पोचार्ड, रिवर्टन, गेडवाल, स्पाट विल, गौड़ विट, गजपांव, जलमोर, खंजन,जल मुर्गी, किंगफीसर, डबचिक, पिनटेल आदि नजर आते रहे हैं।

इन तालाबों में आए हैं पक्षी

राजसमंद झील के अलावा राज्यावास तालाब, गोवलिया पिकअप, लाखेला तालाब, राघव सागर तालाब, कुंडेली, सोपरी आदि तालाबों में प्रवासी पक्षी नजर आ रहे हैं।

दो दिवसीय पक्षी गणना शुरू

जिले के 15 से अधिक जलाशयों में 28 जनवरी से दो दिवसीय पक्षी गणना का आयोजन शुरू हो गया। पक्षी गणना राजसमंद झील के अलावा देवगढ़ के राघव सागार तालाब, जोजावर के रेनिया, देवगढ़ के सोपारी बांध, रावली लेक, जोजावर के सिरियारी, राजसमंद के राज्यावास तालाब, रावली के रोडियाला डेम, जोजावर के सारन जंक्शन, राजसमंद के गोवलिया, बीजागुड़ा के गजनाय, जोजावर के कंटालिया, राजसमंद के गारडियावास, रावली के बाजलाई तालाबों पर गणना होगी। इसमें विभागीय अधिकारियों के साथ ही पक्षी प्रेमी भाग लेंगे।

झील व जिले के अन्य जलाशयों में इन दिनों ग्रे लेग गूज, पेलिकन, नॉर्दन पिंटेल, कोंबडक, सैंडपाइपर आदि पक्षी नजर आ रहे हैं। इनकी अठखेलियां देखने लायक होती हैं। ग्रे लेग गूज तो बहुत ही सुंदर पक्षी होता है।

-हिमांशुसिंह चंद्रावत, पक्षीविद, राजसमंद

दो दिन करेंगे गिनती

पक्षी गणना का कार्यक्रम तय कर दिया है। इसके तहत दो दिन विभाग के अधिकारी और पक्षी प्रेमी जलाशयों के किनारे बैठकर गणना करेंगे।

फतेहसिंह राठौड़, डीएफओ, राजसमंद

फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर आईजी ने दिए मामला दर्ज करने के आदेश

उदयपुर (ए.)। खेरोदा में जनचेतना यात्रा पर हुए हमले के वीडियो पर फेसबुक पर यात्रा में शामिल डॉ. हेमेन्द्र सिंह चण्डालिया कि विरुद्ध आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाले कथित नरेश कुमार शर्मा के विरूद्ध आईजी ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। विभिन्न संगठनों द्वारा 19 जनवरी से 26 जनवरी तक जनचेतना यात्रा निकाली थी। 19 जनवरी को खेरोदा में असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया था। इस पर खेरोदा में मामला दर्ज करवाया गया। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद नरेश कुमार शर्मा ने फेसबुक पर डॉ.चंडालिया की फोटो डाल आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस पर डॉ.चंडालिया व उसके साथ शंकरलाल चौधरी,राजेश सिंघवीख् डॉ.चन्द्र देव ओला, सौरभ नरूका, डीएस पालीवाल, उमर अशरफी,अख्तर हुसैन, जयन्तीलाल मीणा आदि ने आईजी से मिलकर शिकायत की। आईजी ने हिरणमगरी थानापुलिस को मामला जर्द कर जांच के आदेश दिए।

बैंकों व सहकारी समितियों का जायजा लिया

उदयपुर (ए.)। पंजाब सहकारिता विभाग के अधिकारियों के दल ने सोमवार को दी उदयपुर सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक एवं मावली की आसना ग्राम सेवा सहकारी समिति का निरीक्षण कर सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे क्रियाकलापों की जानकारी ली। पंजाब के अधिकारियों ने सहकारी समितियों, लेम्पस व बैंकों में ऋण व्यवसाय, अमानतों, डिपोजिट्स, विनियोग, स्वंय सहायता समूहों, अल्पकालीन ऋण वितरण, कृषि, अकृषि निवेश ऋण वितरण, ऋण वसूली, एनपीए एवं बैकों द्वारा कृषक सदस्यों एवं ग्राहकों को दी जाने वाली बीमा सुविधाओं पर चर्चा की।

हत्या के मामले में अभियुक्त को उम्र कैद

राजसमंद (ए.)। वर्ष 2017 में घर में घुसकर हुई महिला की हत्या के मामले में जिला एवं सेशन न्यायालय ने अभियुक्त को आजीवन कारावास तथा 12 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है। जुर्माना नहीं देने पर आठ माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। लोक अभियोजक जयदेव कच्छावा ने बताया कि जिला एवं सेशन न्यायालय के न्यायाधीश धीरेंद्र जोशी ने सोमवार को घर में घुस कर हत्या के मामले में दीपेश पुत्र जगदीशचंद्र जोशी निवासी बड़ा भाणुजा (सुरावतो की भागल) को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। इसमें आईपीसी की धारा 302 के तहत उम्रकैद व 10 हजार रुपए का जुर्माना तथा धारा 454 के तहत तीन साल की सजा व 2 हजार रुपए का आर्थिक दंड लगाया है। मामले में 25 गवाह व 37 दस्तावेज पेश किए गए। 4 मार्च 2017 को दोपहर के समय गोविंद नगर हाउसिंगबोर्ड में किराए पर रहने वाली शारदा पत्नी शैलेश जोशी (32) निवासी दडवल थाना खमनोर की हत्या हो गई थी। हत्या वाले दिन शारदा का पति मस्कट विदेश में था। पुलिस पड़ोसियों मुक्ता जोशी पत्नी चंद्रकांत जोशी, सीता पत्नी रवी नागदा आदि को गवाह बनाकर मामला दर्ज किया था।

बेणेश्वर मेले की तैयारी बैठक में शामिल हुए बांसवाड़ा-डूंगरपुर के अधिकारी, स्वच्छता पर दिया जोर

बांसवाड़ा (ए.)। वागड़ प्रयाग बेणेश्वर धाम पर आयोजित होने वाले प्रसिद्ध मेले की तैयारी बैठक सोमवार को बेणेश्वर में आयोजित की गई। बैठक में बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले के अधिकारी शामिल हुए। जनजाति क्षेत्र की आस्था के केंद्र बेणेश्वर धाम पर भव्य मेले का आयोजन होगा। जिसमें लाखों श्रद्धालु पहुंचेंगे और धाम पर स्थित सोम, माही और जाखम नदियों के पवित्र त्रिवेणी संगम में डूबकी लगाकर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। तैयारी बैठक में मेलार्थियों के अतिरिक्त रोडवेज बसें लगाने, पेयजल के लिए पानी के टैंकर, पार्रि्कंग व्यवस्था और रोशनी के बेहतर प्रबंध करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा मेले में स्वच्छता पर विशेष जोर दिया जाएगा। मेले में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर सख्ती रखी जाएगी और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस जाप्ते तैनात किए जाएंगे। बैठक में बांसवाड़ा जिला कलक्टर अंतरसिंह नेहरा, पुलिस अधीक्षक केसरसिंह शेखावत, डूंगरपुर कलक्टर आलोक रंजन, एसपी जय यादव, घाटोल एसडीएम बिंदुबाला राजावत, पुलिस उपाधीक्ष कमल कुमार जांगिड़ आदि मौजूद रहे।

रेलों के रूट बदलने से यात्री परेशान

चित्तौड़गढ़ (ए.)। जिले के गंगरार एवं सोनियाणा के बीच में शनिवार को करीब पौने चार बजे मुख्य रेलवे लाइन पर भीलवाड़ा की ओर से आ रही एक मालगाड़ी के दो पहिए पटरी से उतर गए। जिससे रेलवे यातायात अवरूद्ध हो गया। जिसके चलते कई यात्री गाडियों का रूट बदल दिया गया। देर रात तक चित्तौडग़ढ़ भीलवाड़ा रेलेव मार्ग बहाल नहीं हो सका। जिसके चलते कई यात्री गाडियों को चित्तौडग़ढ़ एवं भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन पर ही रोक लिया गया। घंटों तक रेलवे स्टेशन बैठकर यात्री अपनी गाड़ी के आने एवं जाने का इंतजार करते रहे। शनिवार को एक मालगाड़ी भीलवाड़ा से चितौडग़ढ़ की ओर सीमेन्ट लदान के लिए आ रही एक मालगाड़ी के दो डिब्बे अचानक अपरान्ह 3 बजे के करीब तकनीकी कारणों से पटरी स उतर गये। डिब्बों के उतरने की सूचना के साथ ही रेलवे प्रशासन में हड़कम्प मच गया। सोनियाणा स्टेशन प्रबंधक ने तुरंत इसकी सूचना रेलवे के उच्च अधिकारियों को दी। सूचना के साथ ही रेलवे के चितौडग़ढ़ ,नीमच,तथा अन्य स्थानों से यांत्रिकी ट्रेन के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गये। इस मार्ग पर आने जाने वाली ट्रेनों को चित्तौडग़ढ़, भीलवाड़ा, नीमच आदि स्टेशनों पर रोक दिया गया। रेलवे के सूत्रों के अनुसार जहां पर चित्तौडग़ढ़-हरिद्वार यात्री गाड़ी को करीब पांच घंटे देरी से रात नो आठ बजे बाद वाया कोटा जयपुर होकर रवाना किया गया। वहीं चेतक एक्सप्रेस को भी अपने निर्धारित समय ये करीब चार घंटे देरी से रवाना किया गया। वहीं जयपुर से आने वाली इंटरसिटी को अजमेर में ही निरस्त कर दिया गया। वहीं उदयपुर जयपुर वाया चंदेरिया को भी चंदेरिया स्टेशन पर निरस्त कर दिया गया। वहीं जोधपुर से इंदौर जाने वाली गाड़ी को भीलवाड़ा में रोका जबकि इंदौर से बीकानेर यात्री गाड़ी को नीमच में ही रोका गया।

झोंक दी पूरी ताकत, मतदाताओं की हुई मनुहार

चित्तौडग़ढ़ (ए.)। गांवों की सरकार माने जाने वाले ग्राम पंचायत के सरपंच एवं वार्ड पंच चुनाव के तीसरे एवं अंतिम चरण में बुधवार को होने वाले मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस चरण में बेगूं विधानसभा क्षेत्र में शामिल गंगरार पंचायत समिति की 22, बेगूं पंचायत समिति की 31 एवं भैसरोडग़ढ़ पंचायत समिति के 27 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं वार्ड पंच के चुनाव होने है। बेगूं पंचायत समिति क्षेत्र की शादी ग्राम पंचायत के सरपंच एवं वार्ड पंचों का निर्विरोध निर्वाचन हो जाने से अब मतदान 79 ग्राम पंचायतों के लिए ही होना है। पहली बार ईवीएम से वोट डाल सरपंच का चुनाव हो रहे है। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इसके तुरंत बाद मतगणना होगी। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई है। उप सरंपचों के चुनाव गुरूवार को होंगे। भैसरोडग़ढ़ क्षेत्र के लिए मतदान दल सोमवार को ही रवाना हो गए थे जबकि गंगरार व बेगूं पंचायत समिति क्षेत्र के लिए मंगलवार को शहीद मेजर नटवर सिंह शक्तावत राजकीय सीनियर उच्च माध्यमिक विद्यालय, चित्तौडग़ढ़ से द्वितीय प्रशिक्षण के बाद मतदान में प्रयुक्त होने वाली सभी आवश्यक सामग्री साथ लेकर वाहनों से रवाना हो गए।

अंतिम प्रशिक्षण में चुनाव पर्यवेक्षक मूलचंद ने चुनाव निष्पक्षता से कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर चेतन देवड़ा ने कहा कि सटीक, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से अपना कार्य कर चित्तौडग़ढ़ की श्रेष्ठ परंपरा को कायम रखें।उप जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश कुमार कलाल ने कहा कि चुनाव में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं करें, सभी प्रपत्रों का भलीभाति अध्ययन कर जांच ले।पर्यवेक्षक मूलचंद ने प्रशिक्षण स्थल पर लगी विभिन्न प्रपत्रों की प्रदर्शनी, आदर्श मतदान केंद्र, ईवीएम एवं मत पेटी प्रायोगिक प्रशिक्षण के विभिन्न काउन्टरों का निरीक्षण किया।

चुनाव पर्यवेक्षक मूलचंद ने मंगलवार को भैंसरोडग़ढ़ पंचायत समिति क्षेत्र में कमजोर तबके के लोगों के क्षेत्रों तथा संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों को निरीक्षण किया।पंचायत चुनाव के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत के लिये पर्यवेक्षक महोदय के मोबाइल नं. 9414221211 अथवा पर्यवेक्षक कार्यालय के सर्किट हाउस स्थित दूरभाष नं 01472-244403 पर अथवा व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क किया जा सकता है।

अंतिम समय तक करते रहे वोट की मनुहार

मतदान से पहले अंतिम समय तक प्रत्याशी मतदाता की मान-मनुहार में जुटे रहे। सोशल मीडिया के माध्यम से भी वादों की बौछार की गई तो पहली बार ईवीएम का उपयोग होने से सरपंच प्रत्याशी इसके माध्यम से किस तरह वोट डालना ये भी मतदाताओं को समझाते रहे। कई जगह महिला प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार में पुरूष परिजन सक्रिय नजर आए। गैर दलीय आधार पर चुनाव होने से कांग्रेस व भाजपा ने सीधे रूप से किसी प्रत्याशी का समर्थन नहीं किया लेकिन उनके नेता समर्थक कार्यकर्ताओ को सरपंच व वार्ड पंच बनाने की जोड़ तोड़ में सक्रिय रहे। सरपंच चुनाव के दावेदारों ने नामांकन पत्र भरने से पहले ही सोशल मीडिया पर प्रचार शुरू कर दिया था। इसके लिए ग्रामीण स्तर पर ग्रुप बनाकर संदेश वायरल किए गए। स्वंय की खूबियां गिनाने के साथ प्रतिस्पर्धी की कमी का जिक्र भी इस तरह के संदेशों में हुआ। गैर राजनीतिक आधार पर होने से सरपंच व पंच चुनाव में कांग्रेस व भाजपा की सीधी दावेदारी तो नहीं है लेकिन समर्थक कार्यकर्ताओं को चुनाव जीताने पर जोर दिया जा रहा है ताकि जिला परिषद व पंचायत समिति चुनाव में राजनीतिक लाभ मिल सके।

जेल में बंदी से मिलने आए युवक के पास मिला गांजा

उदयपुर (ए.)। केन्द्रीय कारागृह में बंद बंदी से मिलने आए एक युवक की तलाशी में गांजा मिला। सूरजपोल थानापुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। सीआई रामसुमेर ने बताया कि 25 जनवरी को जेल प्रहरी जवानमल ने रिपोर्ट दी कि जेल में बंद बंदी ममिया पुत्र अशरफ खां से मुलाकात करने नागानगरी चांदपोल निवासी शोएब पुत्र एजाज आया था। उसकी मैनगेट पर ही तलाशी ली गई तो उसके पास मौजे में दो गांजे की पुडिया मिली। जेल प्रबंधन की सूचना पर सूरजपोल थानापुलिस के जाप्ते ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया। धानमंडी थानापुलिस दो युवकों को गांजे के साथ गिरफ्तार किया। सीआई मनीष चारण ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि तीज का चौक में एक स्कूटी में दो युवक गांजा बेचने के लिए घूमने रहे है। सूचना पर पुलिस ने स्कूटी रोककर तलाशी ली तो उसमें 470 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने मामले में मिलन औदिच्य व चाहत सोनी को गिरफ्तार किया।

बालश्रम में लिप्त दो मेट गिरफ्तार

उदयपुर (ए.)। गुजरात में बालश्रमिकों को ले जाने वाले दो मेट को हिरणमगरी थानापुलिस ने गिरफ्तार किया। गत दिनों मानव तस्करी विरोधी यूनिट व आसरा विकास संस्थान ने एक ट्रैवल्स बस में कुछ बालश्रमिकों को छुड़वाते हुए उन्हें गुजरात ले जाने वाले दो मेट को नामजद किया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी ढढ़ावली झाड़ोल निवासी वालचंद पुत्र रामाजी व मालिया सायरा निवासी वालचंद पुत्र रामाजी को गिरफ्तार किया।

अंजुमन सदर सोहराब हत्याकांड का शूटर कोटा से गिरफ्तार, जगह बदल कर काट रहा था फरारी

■ बांसवाड़ा (ए.)

शहर में सवा साल पहले हुए बहुचर्चित अंजुमन सदर सोहराब खां की गोली मारकर हत्या के मामले में वांछित शूटर को कोतवाली पुलिस ने सोमवार को कोटा से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक केसरसिंह शेखावत ने बताया कि 7 अक्टूबर 2017 को बांसवाड़ा के तत्कालीन अंजुमन सदर सोहराब खां उर्फ गोटा की राजतलाब पर चार-पांच बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी और मोटर साइकिलों पर बैठकर फरार हो गए थे। लोगों द्वारा पीछा करने पर आरोपी श्रीराम कॉलोनी मे फायरिंग करते हुए दाहोद की तरफ भाग छूटे। इस हत्याकांड से शहर का माहौल खराब होने से एकबारगी कानून व्यवस्था भी प्रभावित हुई। वारदात पर राजतालाब क्षेत्र निवासी अमजद उर्फ अट्टू की रिपोर्ट पर केस दर्ज हुआ। मामले में कुख्यात अपराधी सिराज सहित 11 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। अनुसंधान से सामने आया कि भूमि विवाद के चलते सिराज ने झालावाड़ से भाड़े के शूटर बुलाकर सोहराब की हत्या करवाई।

इनमें शामिल शूटर कासम, अकीब उर्फ लाला, अमन संजरी, आसीफ उर्फ मोहम्मद आसीफ पकड़ लिए गए, जबकि पुरानी जेल रोड, इमाम सागर कोठारी भवन के पीछे झालावाड़ निवासी जाहिद हुसैन उर्फ गोलू फरार हो गया। झालावाड़, कोटा आदि जगह लगातार दबिश देने पर वह हाथ नहीं आया

और ठिकाने बदल बदल कर फरारी काटता रहा। फिर जाहिद हाल ही कोटा शहर पुलिस ने मुंबई में पकड़ा गया। इसकी इत्तला पर कोतवाली से एएसआई गोविन्दसिंह, कांस्टेबल सुखराम व सुनील विश्नोई की टीम कोटा गई और वहां से बापर्दा लाकर कोर्ट में पेश किया। सीआई भैयालाल आंजना ने बताया कि कोर्ट ने उसकी शिनाख्त परेड कराने के लिए भेजन का आदेश दिया। अब पहचान परेड के बाद आरोपी को दोबारा रिमांड लेकर अनुसंधान किया जाएगा।

दरगाह की टापरी में छिपा था ईनामी आरोपी जाहीद

सीआई आंजना के अनुसार आरोपी जाहीद कोटा के केथुनीपोल थाना क्षेत्र मे हुए हत्या के आरोपियों के साथ मुम्बई शहर में बाबा दमदार शाह दरगाह की टापरी मे छिपा हुआ था। धरपकड़ के बाद कोटा लाया गया था। जाहीद जिले के टॉप 10 वांछित अपराधियों मे शामिल है, जिन पर मार्च 2019 में गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक ने पकडने या पकड़वाने वाले व्यक्ति को 1 हजार रुपए ईनाम की घोषणा की थी। जाहीद झालावाड़ शहर कोतवाली का आदतन अपराधी है। इसके खिलाफ झालावाड़ के अलावा, कोतवाली बारां सहित अन्य थानों में हत्या का प्रयास, लूट, अवैध हथियार रखने व फिरौती के 4 प्रकरण दर्ज होकर चालान भी हुए हैं।

वाहनों में तोडफ़ोड़-आगजनी से लाखों का नुकसान, भरपाई की उठी मांग

बांसवाड़ा (ए.)। पंचायत चुनाव में उपद्रव के चलते ड्यूटी पर इस्तेमाल चार निजी बसें और एक जीप में आगजनी और तोडफ़ोड़ से हुए नुकसान पर वाहन मालिकों ने भरपाई की मांग उठाई है। वागड़ मोटर यूनियन के अध्यक्ष रामसिंह चौहान के साथ वाहन मालिकों ने कलक्टर से मिलकर ज्ञापन दिया। इसमें बताया कि पंचायत चुनाव के लिए 14 जनवरी से 23 जनवरी तक निजी वाहन अधिगृहित किए गए। इनमें से चार मतदान केंद्रों पर बड़े पैमाने पर हुए उपद्रव में 2 बसें फूंक दी गई, वहीं 2 बस और एक जीप क्षतिग्रस्त हुई। इससे वाहन मालिक सडक़ पर आ गए हैं। वाहन मालिकों ने बताया कि वैसे भी राजनीकि पार्टियों के आयोजनों और चुनाव ड्यूटी पर वाहन के इस्तेमाल के बाद डीजल का पैसा भी पूरा नहीं दिया जाता। इस पर भी चुनाव में स्टाफ को खाने-पीने का बंदोबस्त तो दूर, उपद्रवी घटनाओं पर जान का खतरा बना रहने से चालक गाड़ी चलाने को तैयार नहीं होते। मुश्किल से उन्हें भेजना पड़ता है, जिसका अलग से खर्चा लगता है। इस पर लाखों के वाहन बर्बाद होने से इंश्योरेंस कंपनियां भी मामूली राशि ही देती है, जिससे आगे वाहन संचालन मुश्किल हो जाता है। इसके मद्देनजर पंचायत चुनाव में हुए नुकसान पर वाहन मालिकों को निर्वाचन विभाग और सरकार से उचित हर्जाना देने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में बस-जीप मालिक नवीन कलाल, सतीशचंद्र, दलीचंद पुत्र भोगजी नायक, मनीष जैन और करणसिंह उर्फ राजेश शामिल थे।

ऑनलाइन भुगतान की भी बताई दिक्कत,

मोटर मालिकों ने चुनाव ड्यूटी में लगाए वाहन का भुगतान ऑफलाइन करने की मांग भी की। यूनियन सदस्यों ने बताया कि ज्यादातर मोटर मालिक ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं होने से ऑनलाइन की प्रक्रिया समझ ही नहीं पाते। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि अगर इस बार नुकसान का संतोषप्रद मुआवजा नहीं मिलता है, तो भविष्य में गाडियां चुनाव ड्यूटी पर देना मुश्किल रहेगा।

सार-समाचार

रील परिसर में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित

■ दैनिक जलतेदीप, वासं, जयपुर

राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड, (रील) के कनकपुरा स्थित परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास से किया गया। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक डॉ. ए. के. जैन द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, साथ ही सभी उपस्थित कर्मचारियों व उनके परिजनों द्वारा राष्ट्रीय गान गाकर देश के 71वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर राष्ट्र के प्रति सम्मान व देश प्रेम की भावना प्रकट की गई। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक, डॉ. ए. के. जैन ने अपने उदबोधन में सभी कर्मचारियों, उनके परिजनों व सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। डॉ. जैन ने कहा कि हमने विगत 38 वर्षों से अपने निरंतर व अथक प्रयासों से कंपनी को एक लाभकारी उपक्रम की श्रेणी मे स्थापित रखा है। जो हम सब के लिए गर्व व हर्ष का विषय है, जिसके फलस्वरूप कंपनी को राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। इसका श्रेय उन्होने कंपनी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत, लगन एवं कर्तव्य निष्ठा को दिया। उन्होंने सभी को पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए कंपनी को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपने परिवार, समुदाय व राष्ट्र के विकास में अपना शत प्रतिशत योगदान देने की बात कही, साथ ही सभी से एकजुट हो कर कार्य करते हुए वर्ष 2019-20 में निर्धारित बिजनेस टारगेट को द्रुत गति से पूरा करने का आव्हान किया। इस समारोह में सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व समारोह के समापन पर समस्त सदस्यों ने जल-पान का आनंद लिया।

पार्कर सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की छठी वर्षगांठ का आयोजन

■ दैनिक जलतेदीप, वासं, जयपुर

पार्कर सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की छठी वर्षगांठ का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर किरोड़ी लाल मीणा, राज्यसभा सांसद एवं विधायक रामनिवास गावड़िया ने शिरकत की प्राइवेट लिमिटेड एक ऐसी कंपनी है जो सोशल मीडिया वेबसाइट डेवलपमेंट क्षेत्र में अपनी उत्सव सेवाओं के लिए जानी जाती है सलूशन प्राइवेट लिमिटेड डायरेक्टर पंकज ने बताया कंपनी निरंतर तरक्की कर रही है और अपने ग्राहकों को संतुष्टि सेवाएं दे रही है जिससे ग्राहक बढ़-चढ़कर पार्किंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ काम करने के लिए आगे आ रहे हैं इस कायक्रम में कई गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की साथ ही साथ विगत 6 वर्षों में कंपनी के साथ जो ग्राहक निरंतर साथ रहे उन्हें आमंत्रित कर उनका सम्मान भी किया गया उनसे आगे कंपनी के साथ निरंतर बने रहने का आश्वासन भी लिया गया।

एक वर्ष के भीतर राज्य में दुगनी व्यापार वृद्धि का लक्ष्य

पेटीएम ऑल-इन-वन क्यूआर के साथ प्रदेश में 1 लाख व्यापारियों को बनाएगा सशक्त

■ दैनिक जलतेदीप, वासं, जयपुर

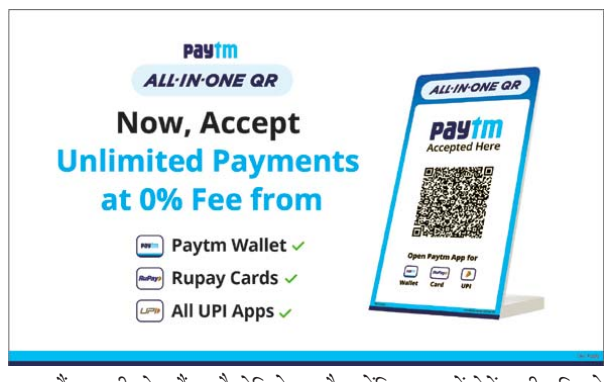

भारत के सबसे बड़े पेमेंट्स प्लेटफॉर्म पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के अधीन) ने घोषणा की है कि वह अगले 12 महीनों में राजस्थान के 1 लाख व्यापारियों को अपने परिवार में शामिल करेगा। देशभर के व्यापारियों के लिए ऑल-इन-वन-क्यूआर के हालिया लॉन्च ने अब तक इस राज्य के व्यापारियों को पेटीएम वॉलेट, रुपे कार्ड्स और सभी यूपीआई आधारित पेमेंट्स एप के माध्यम से 0 फीसदी शुल्क पर सीधे अपने बैंक खाते में असीमित भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा भी, ये कंपनी अगले एक वर्ष के भीतर राजस्थान में दुगनी व्यापार वृद्धि के लक्ष्य से आगे बढ़ रही है।

ये प्लैटफॉर्म अपने पेटीएम फॉर बिजनेस ऐप के माध्यम से सभी भुगतानों का एक सम्पूर्ण समाधान प्रदान करता है। कंपनी आगे भुगतान के आलावा भी और गहरे सम्बन्ध बनाने के लिए व्यापारिक समाधानो में निवेश करने की योजना बना रही है। पेटीएम ने अपने ऑल-इन-वन पेटीएम क्यूआर को कैलकुलेटर, पावर बैंक, घड़ी, पेनस्टैंड और रेडियो जैसे विभिन्न उपयोगिता वाले वस्तुओं में भी लॉन्च किया है जिनका उपयोग व्यापारी अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दुकानों में कर सकते हैं। इसने व्यापारियों के नाम, लोगो और चित्रों के साथ व्यक्तिगत क्यूआर कोड का भी अनावरण किया है ताकि डिजिटलपेमेंट के साथ उनका जुड़ाव और मजबूत हो सके। इनक्यूआरकोड्सको 'पेटीएम फॉर बिजनेस ऐप के मर्चेंडाइज स्टोर से डोर स्टेप डिलीवरी के लिए ऑर्डर किया जा सकता है। साउंड बॉक्स सबसे लोकप्रिय क्यूआर मर्चेंडाइज में से एक है जो व्यापारियों को पसंद है क्योंकि यह उन्हें पेमेंट की पुष्टि को सुनने की अनुमति देता है। यह सभी पेमेंट मोड और कई भाषाओं का सपोर्ट करता है। पेटीएम अपने डायनामिक क्यूआर के साथ व्यापारियों के लिए भुगतान को और अधिक सुविधाजनक बना रहा है जहां अलग ऑर्डर के लिए एक विशिष्ट क्यूआर कोड उत्पन्न किया जा सकता है जिसे व्यापारी बाद में किसी भी PoS प्रणाली में एकीकृत कर सकते हैं। केवल व्यापारिओं के लिए निर्मित ऐप 'पेटीएम फॉर बिजनेस' काबड़ेपैमानेपर 10 मिलियन पेटीएम भागीदारों द्वारा उपयोग किया जाता है। इस ऐप ने उन्हें अपने भुगतानों को प्रबंधित करने, एक ही स्थान पर अपने सभी लेन देन देखने, व विभिन्न अन्य सेवाओं के बीच पेटीएम क्यूआर मर्चेंडाइज का ऑर्डर करने में सक्षम किया है। व्यापारी कई व्यावसायिक सेवाओं और वित्तीय समाधानों जैसे कि ऋण व बीमा का लाभ उठा सकते हैं। इस अभिनव पेशकश ने पेटीएम मर्चेंट भागीदारों को किसी भी समय अपने बैंक खातों में तुरंत पेमेंट को ट्रांसफर करने का अधिकार दिया है। डिजिटल भुगतानों की व्यापक स्वीकृति को प्रोत्साहित करने के लिए, पेटीएम अपने लंबे समय से जुड़े व्यापारी भागीदारों को पुरस्कार और कैश बैक प्रदान करता है। पेटीएम ने एक नई महत्वपूर्ण सेवा पेटीएम बिजनेस खाता भी शुरू की है जो पेटीएम ऑल-इन-वन क्यूआर का पूरक है। यह आगे चलकर पेटीएम मर्चेंट केभागीदारों को अपने सभी लेन-देन के कैश और क्रेडिट (उधार) सहित एक डिजिटल खाता बनाए रखने का अधिकार देता है। पेटीएम बिजनेस खाता के साथ, व्यापारी क्रेडिट लेन देन के लिए देयतिथि निर्धारित कर सकते हैं और स्वचालित अनुस्मार कभी भेज सकते हैं।

गोदरेज अप्लायंसेज ने एयर कूलर श्रेणी में कदम रखा

■ दैनिक जलतेदीप, वासं, जयपुर

होम अप्लायंसेज सेगमेंट की प्रमुख कंपनी, गोदरेज अप्लायंसेज ने भारतीय बाजार के लिए पहली बार एयर कंडीशनर की इनवर्टर टेक्नोलॉजी युक्त अपने विशिष्ट एयर कूलर्स लॉन्च किए। इन इको-फ्रेंडली कूलर्स के साथ, इस ब्रांड ने डेजर्ट कूलर श्रेणी में कदम रखा, जो अनुमानतः कुल कूलर इंडस्ट्री का लगभग 60-65 प्रतिशत है। पर्यावरण के प्रति गोदरेज की वचनबद्धता के अनुरूप, ब्रांड द्वारा एयर कूलर्स में इन्वर्टर तकनीक का पहली बार प्रयोग किया गया है, जो कि बेहतर क्षमता के साथ दमदार कूलिंग सुनिश्चित करता है और इससे बिजली की भी 50 प्रतिशत तक अधिक बचत होगी, जिससे 3 वर्षों में 3000 रु. तक की बचत हो सकेगी। एक मजबूत डिजाइन के साथ गोदरेज एयर कूलर की विस्तृत श्रृंखला बेहतर सुविधाओं के साथ भरी हुई है। इन्वर्टर तकनीक कॉपर वायर्ड माइक्रोप्रोसेसर-इनेबल्ड एलडीसी (ब्रश लेस डीसी) फैन मोटर के साथ गोदरेज एयर कूलर जो फैन की गति को समायोजित करता है और परिवेशी तापमान के अनुसार पंप ऑपरेशन करता है।

गोदरेज अप्लायंसेज के प्रोडक्ट ग्रुप हेड-एयर कूलर्स, अमित जैन ने कहा, एक संगठन के रूप में, गोदरेज ने हमेशा ग्राहकों को अधिकतम उत्पाद मूल्य देने का प्रयास करता है। हम लगातार अपने उत्पादों को तैयार करने वाले अत्याधुनिक उत्पादों और सेवाओं के साथ अपने ग्राहकों को खुश करने के उद्देश्य से लगातार खोज, नवाचार और विकास कर रहे हैं। गोदरेज अप्लायंसेज के जोनल बिजनेस हेड, आदित्य यादव ने कहा, ''हमने इन्वर्टर तकनीक से संचालित गोदरेज एयर कूलर की नई रेंज के साथ एयर कूलर श्रेणी में अपने पोर्टफेलियो को बढ़ाया है।

पैनासोनिक इंडिया ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश किया

■ एजेंसी, नई दिल्ली

भविष्य के लिए तैयार कार्यबल विकसित करने के लिए विद्यार्थियों को कौशल प्रदान करने की बढ़ती जरूरत को देखते हुए, डाईवर्सिफाईड टेक्नोलॉजी कंपनी, पैनासोनिक ने अपने दो शिक्षा आधारित समाधानः 'करियरेक्स' एवं 'एक्सेलइट' लांच करने की घोषणा की है। करियरेक्स को कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए डिजाईन किया गया है। यह उन्हें डेटा साईंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग/एआई एवं इंटरनेट ऑफ थिंग्स आदि का कौशल प्रदान करता है। दूसरी तरफ एक्सेलइट खासकर छोटे व मध्यम शहरों में रहने वाले स्कूली विद्यार्थियों के लिए डिजाईन किया गया है। यह उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार होने में मदद करता है। पैनासोनिक इंडिया के इनोवेशन केंद (आईआईसी) में डिजाईन व विकसित किए गए ये समाधान संस्थान द्वारा श्री अनिल सहस्त्रबुद्धे, चेयरमैनय एम. पी. पुनिया, वाईस चेयरमैन, एआईसीटीई एवं डॉ. अंतरिक्ष जौहरी, डायरेक्टर, सीबीएसई ने आज विज्ञान भवन में प्रस्तुत किए। इस समारोह में भारत में 75 अग्रणी विश्वविद्यालयों एवं

संस्थानों के चेयरपर्सन और डीन मौजूद थे। पंकज राणा, बिजनेस चीफ, सैन्यो एवं ईकॉमर्स, पैनासोनिक इंडिया ने कहा, 'भारत तेजी से डिजिटल रूप से विकसित देश बन रहा है। व्यवसायों में भारी परिवर्तन आ रहा है। बदलती टेक्नोलॉजी को देखते हुए कौशल की कमी को पूरा करन एवं भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना बहुत जरूरी है। इस उद्देश्य के साथ पैनासोनिक में हम जमीनी स्तर पर केंद्रित हैं और हमें काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। हम भारत में विद्यार्थियों के साथ काम करते हुए उन्हें विकसित होती टेक्नोलॉजी की जानकारी प्रदान करते रहेंगे।

आसुस ने जयपुर में आसुस एक्सक्लूसिव स्टोर लॉन्च करने की घोषणा की

■ दैनिक जलतेदीप, वासं, जयपुर

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र की प्रमुख कंपनी, आसुस इंडिया ने जयपुर, भारत में अपना आधुनिकतम नया स्टोर लॉन्च करने की घोषणा की। पीयूष सेठ, डिस्ट्रीब्यूशन एवं कमर्शियल मैनेजर, आसुस इंडिया और हिमांशु गुप्ता, स्टोर के मालिक ने आज आसुस विशेष स्टोर का उद्घाटन किया। नया आसुस एक्सक्लूसिव स्टोर इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर हार्डवेयर की विस्तृत रेंज के साथ तैयार है, जिसमें ब्रांड के प्रमुख उत्पाद जैसे कि वीवोबुक, ज़ेनबुक, ज़ेनबुक-फ्लिप, ज़ेनबुक-डुओ और रिपब्लिक ऑफ गेमर्स (आरओजी) लैपटॉप शामिल हैं। ब्रांड का नया आसुस एक्सक्लूसिव स्टोर मंगलम , एल. जी. 2, मंगलम इलेक्ट्रॉनिक मॉल, रिद्धि सिद्धि चौराहे के पास , गोपालपुरा , जयपुर 302018 में स्थित है।

नया स्टोर लॉन्च विभिन्न मार्केट टियर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए डिजाइन किये गये

आसुस की सोच का हिस्सा है, जिसके लिए आसुस इस वित्तीय वर्ष के अंत से पहले 200 स्टोर लॉन्च् करने जा रहा है। यह स्टोर उपयोगकर्ताओं को ब्रांड के नये और प्रमुख प्रॉडक्ट तक पहुंच को आसान बनायेगा। इच्छुक ग्राहक स्टोनर में आकर वीवोबुक, ज़ेनबुक, ज़ेनबुक-फ्लिप, ज़ेनबुक-डुओ और रिपब्लिक ऑफ गेमर्स (आरओजी) लैपटॉप सहित आसुस के नये प्रॉडक्टम के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

खेल दीप

सार-समाचार

दो दशक तक खेलने के बाद विनीत सक्सेना ने लिया संन्यास, बनाए कई अनूठे रिकॉर्ड

■ दैनिक जलतेदीप, निस., जयपुर

राजस्थान के ओपनर बल्लेविनीत सक्सेना ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। टीम को दो रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सक्सेना को राजस्थान क्रिकेट का दिग्गज बल्लेबाज माना जाता है। इस 39 वर्षीय बल्लेबाज ने 1998-99 में बंगाल के खिलाफ पदार्पण किया था। उन्होंने अपना आखिरी मैच 2018-19 में उत्तराखंड की तरफ से विदर्भ के खिलाफ जनवरी 2019 में नागपुर में खेला था। इस मैच में उन्होंने रजत भाटिया की जगह टीम की कप्तानी की थी। विनीत सक्सेना लेवल एक का कोचिंग सर्टिफिकेशन कोर्स पास कर चुके हैं। उम्मीद है कि वे दूसरी पारी में बतौर कोच नजर आएंगे। विनीत सक्सेना ने राजस्थान, रेलवे और उत्तराखंड की तरफ से कुल मिलाकर 129 प्रथम श्रेणी मैच खेले जिसमें 36.89 की औसत से 7637 रन बनाए। इसमें एक दोहरा शतक, 17 शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं। उनका उच्चतम स्कोर 257 रन है जो उन्होंने 2011-12 के सत्र में तमिलनाडु के खिलाफ रणजी फाइनल में बनाया था। उनकी इस पारी से राजस्थान ने लगातार दूसरे साल रणजी खिताब जीता था। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 7225 रन बनाए हैं। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 7 हजार से अधिक रन बनाने वाले 21 बल्लेबाजों में शामिल हैं।

एयू बैंक जयपुर मैराथन 2 फरवरी को

■ दैनिक जलतेदीप, निस., जयपुर

फेस्टिवल सिटी जयपुर में उत्साह और उमंग भरने के लिए एक बार फिर से जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर एयू बैंक जयपुर मैराथन होने जा रही है। कड़ाके की ठंड और कोहरे के बीच 2 फरवरी को सुबह 3.30 बजे से लेकर 10 बजे तक सिर्फ मैराथन का जश्न जयपुर में दिखाई देगा। संस्कृति युवा संस्था और वर्ल्ड ट्रेड पार्क की ओर से एयू बैंक जयपुर मैराथन के 11वें सीजन में दौड ही नहीं बल्कि गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए अटेम्प्ट करेंगे 11000 रोटेरियंस एक ही टी शर्ट पहने भाग लेंते हुए। स्टार्ट पाइंट से लेकर पूरे रूट पर कई चीयरअप जोन में राजस्थान के अलावा देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति नृत्य, संगीत, चित्रकारी और कला के विभिन्न माध्यमों के जरिए देखने को मिलेगी। यानी 2 फरवरी को टोटल मस्ती और धमाल होगा। अध्यक्ष, संस्कृति युवा संस्था, पंडित सुरेश मिश्रा और प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष, वर्ल्ड ट्रेड पार्क, अनूप बरतरिया व रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि जयपुर को ग्रीन, क्लीन और स्मार्ट सिटी बनाने के लक्ष्य और जयपुरवासियों में जागरूकता के लिए एयू बैंक जयपुर मैराथन हर साल की जा रही हैं। इस साल 1 लाख से अधिक रनर्स विभिन्न रन कैटेगरी में दौड लगाएंगे। एयू बैंक जयपुर मैराथन में इस बार रोटरी क्लब द्वारा गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए अटेम्प्ट किया जाएगा। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि जयपुर के विभिन्न रोटरी क्लब्स के साथ साथ पूरे भारत वर्ष के रोटरी क्लब्स को भी आमंत्रित किया है।

भारत वर्सेज न्यूजीलैंड तीसरे टी20 के लिए प्लेइंग इलेवन तय

■ एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में जीत दर्ज करने के इरादे से तीसरे मुकाबले में उतरेगी। टीम इंडिया ने लगातार दो मुकाबले जीत कर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना रखी है और तीसरा मैच में जीत हासिल करते ही सीरीज भारत के नाम हो जाएगी। इस मैच में भारत के प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना नहीं है। कोहली ने दूसरे मैच के बाद ही कह दिया था वो कोई बदलाव करना नहीं चाहते हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला हेमिल्टन में खेला जाना है। विराट कोहली ने दूसरा मैच जीतने के बाद कहा था, हमने कुछ बदलाव किया जो अब सही साबित हो रहा है। जडेजा बहुत शानदार थे, चहल ने भी अच्छा किया और बुमराह हमेशा की तरह कमाल थे। जब इस तरह का कंप्लीट परफॉर्मेंस हो तो बहुत मदद मिलती है। ये वो एक टीम है जिसने हमारे लिए दोनों मैच जीते हैं। कप्तान कोहली के इस बयान से तो ऐसा ही लगता है कि वो प्लेइंग इलेवन में बदलाव के मूड में नहीं हैं। इससे मतलब यह निकाला जा सकता है कि जो खिलाड़ी पहले दो मैचों में बाहर बैठे थे उनको तीसरे मैच में भी प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिलेगी। तीसरे टी20 में भी टीम इंडिया की ओपनिंग का जिम्मा एक बार फिर रोहित शर्मा और केएल राहुल की जोड़ी पर होगा। राहुल इस मैच में भी ओपनर के साथ-साथ विकेटकीपर की भूमिका में होंगे। मिडिल आर्डर में एक बार फिर से कप्तान विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और मनीष पांडे बल्लेबाजी करते दिखेंगे। लगातार दोनों मुकाबलों में कोहली के आउट होने के बाद अय्यर ने टीम को जीत तक पहुंचाया था। पहले दोनों ही मुकाबले में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन किया है। दोनों ही गेंदबाज के साथ-साथ बल्लेबाजी में टीम इंडिया के उपयोगी साबित होते हैं। स्पिन गेंदबाजी में कोहली के भरोसेमंद युजवेंद्र चहल ही प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। तेज गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर ही अनुभवी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की जोड़ी का साथ देंगे।

भारत का संभावित प्लेइंग इलेवन

रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, युजवेंद्र चहल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, शार्दुल ठाकुर।

शोएब अख्तर ने न्यूजीलैंड का उड़ाया मजाक, टीम इंडिया को कहा बेरहम

■ एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा कि विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम धीरे-धीरे बेरहम टीम बनती जा रही है और इस बात को उन्होंने एक बार फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में एकतरफा मात देकर साबित किया है। भारत ने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया था और इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली। अख्तर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, भारत बेरहम टीम बनती जा रही है, इसका सबूत उसके द्वारा न्यूजीलैंड को दूसरे टी-20 मैच में दी गई हार से मिलता है। अगर आप (न्यूजीलैंड) इतने कम स्कोर पर आउट हो जाओगे तो आप भारत जैसी टीम के साथ कैसे लड़ाई करोगे जिसकी बल्लेबाजी काफी गहरी है।

अख्तर ने कहा, मैंने पहले कहा था कि कोलिन मुनरो और मार्टिन गप्टिल को बड़े स्कोर करने होंगे नहीं तो भारतीय टीम को रोकना मुश्किल हो जाएगा। अख्तर ने साथ ही कहा कि क्रिकेट में धीरे-धीरे प्रतिस्पर्धा खत्म हो रही है क्योंकि टीमें लड़ने की क्षमता नहीं दिखा रही हैं।

पूर्व पाक तेज गेंदबाज ने कहा, इस समय भारत का पूरे विश्व पर दबदबा है, लेकिन दूसरी टीमों को

क्या हो गया? जब ऑस्ट्रेलिया का विश्व क्रिकेट पर दबदबा था तो कम से कम भारत और पाकिस्तान तो उसे चुनौती देते थे। हम जो न्यूजीलैंड में देख रहे हैं उसमें तो मेजबान ने पूरी तरह से भारत के सामने सरेंडर कर दिया है। आपको बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले में 6 विकेट से शिकस्त दी थी। इसके बाद दूसरे टी-20 मैच को भी 7 विकेट से जीतकर भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली। भारत अगर तीसरा टी-20 इंटरनेशनल मैच भी जीत लेता है, तो वह न्यूजीलैंड की धरती पर इतिहास रच देगा। इस मैच में जीत के साथ भारत पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर कीवियों के खिलाफ द्विपक्षीय टी-20 इंटरनेशनल सीरीज फतह कर लेगा। भारत अब तक न्यूजीलैंड की धरती पर द्विपक्षीय टी-20 इंटरनेशनल सीरीज नहीं जीत पाया है।

IPL 2020 में आया ये नया नियम, चोटिल खिलाड़ी पर होगा लागू

■ एजेंसी, मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग के 2020 सीजन में कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियम लागू किया जाएगा। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने गवर्निंग काउंसिल की बैठक से इतर यह जानकारी दी। आईसीसी के नए नियम के मुताबिक, अगर किसी खिलाड़ी को बल्लेबाजी या गेंदबाजी के दौरान चोट लग जाती है तो वह मैच से बाहर जा सकता और उसके स्थान पर कोई और खिलाड़ी मैच में आ सकता है। इसे कन्कशन रूल कहा जाता है। आईपीएल से पहले बीसीसीआई विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों को मिलाकर एक ऑल स्टार्स मैच का आयोजन करेगा। यह मैच, चैरिटी मैच होगा। गांगुली ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, हम इस सीजन कन्कशन सब्स्टीट्यूट और ऑल स्टार मैच लेकर आ रहे हैं। इस बार IPL फाइनल मुंबई में खेला जाएगा। गांगुली ने कहा कि इस सीजन 5 डबल हेडर मतलब एक दिन में दो मैच होंगे। ऐसे में पहला मैच 4 बजे और दूसरा 8 बजे से खेला जाएगा। क्रिकेट सलाहकार समिति पर पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि बीसीसीआई सचिव जय शाह इसका जल्द ही आधिकारिक ऐलान करेंगे। गांगुली ने कहा, 'CAC जल्द ही बनेगी। सचिव अमित शाह इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे। सुलक्षणा नाइक और मदन लाल इसमें हैं, गांगुली से जब NCA में रिहैब कर रहे हार्दिक पंड्या के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा पंड्या अभी तक फिट नहीं हैं और उनका NCA में इलाज जारी है।

धोनी को याद करती है टीम इंडिया, चहल बोले... कॉर्नर सीट अब भी खाली

■ एजेंसी, हेमिल्टन

महेंद्र सिंह धोनी लंबे समय से क्रिकेट के मैदान से दूर हैं और उनकी कमी टीम इंडिया के खिलाड़ियों की खूब खल रही है। BCCI ने लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल का एक वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है। दरअसल, टीम इंडिया तीसरे टी-20 इंटरनेशनल मैच के लिए बस में बैठकर ऑकलैंड से हैमिल्टन जा रही थी। इस दौरान बस में युजवेंद्र चहल ने टीम इंडिया के खिलाड़ियों का इंटरव्यू लिया।

युजवेंद्र चहल ने बताया कि टीम इंडिया महेंद्र सिंह धोनी को बहुत याद करती है। चहल बस में एमएस धोनी की कोने वाली सीट

पर जाते हैं। धोनी की सीट की तरफ इशारा करते हुए चहल कहते हैं, 'यह वो सीट है जहां एक दिग्गज बैठते थे। माही भाई। अभी भी यहां कोई नहीं बैठता। हम उन्हें बहुत मिस करते हैं।'

आपको बता दें कि हाल ही में युजवेंद्र चहल ने कहा था कि जब न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में धोनी भाई आउट होकर वापस लौट रहे थे तो वह पल बहुत ही दुखद था जिसे हम सभी भूलना चाहेंगे। चहल ने बताया कि धोनी के आउट होने के बाद लगा वर्ल्ड कप अब खत्म हो गया है। चहल ने कहा कि वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में जब माही भाई को आउट होकर जाते हुए देखा तो वो काफी दुखद पल था। मेरी आंखों में आंसू थे। जो वर्ल्ड कप में हुआ उसे मैं भूलना चाहूंगा और टी-20 वर्ल्ड कप अगर भारत में आ जाए तो बहुत अच्छा होगा।

इसके अलावा चहल ने बुमराह का इंटरव्यू लिया। चहल ने बताया कि बुमराह से बात करने के लिए उन्हें 50 पेटी (50 लाख) देनी पड़ी है। जब चहल ने बुमराह से पूछा कि आप मेरे साथ डिनर पर क्यों नहीं जाते तो उन्होंने कहा, जब आप बुलाओगे तो हम आ जाएंगे। इस पर चहल ने कहा कि आपको जल्दी बुलाना पड़ेगा तो बुमराह ने जवाब दिया कि हां फिर आपको मेरे हिसाब से खाना पड़ेगा।

दैनिक जलते दीप RNI NO. 26443/66 Postal Regn. No. Jodhpur/09/2018-20 जोधपुर, बुधवार 29 जनवरी 2020

जुगाड़ लगा के- हूं.. इ.. सा

एक तो भले मानुसों ने लोगों के घर रोशन किए इस के बावजूद उन पर लापरवाह होने का ठप्पा ठुक गया। हमारे चासों के हिसाब से उन्हें 'जुगाड़ पुरस्कार' से सम्मानित किया जाना चाहिए था। उलटे उन पर अंगुली उठाई जा रही है। आशंकाएं जताई जा रही है। कोई कहता है-ऐसा हो जाएगा। कोई कहता है-वैसा हो जाएगा। हम भी प्रार्थना करते हैं कि ऐसी रोशनी के फेर में किसी के घर के चिराग ना बुझें। पर एक तल्ख सच्चाई है कि उल्टा-पुल्टा होने के बाद ही हमारा शासन आंखें खोलता है। हमारे प्रशासन की नींद टूटती है। थोडे दिन बाद दोनों वापस सो जाते हैं। शहर की एक हथाई पर आज उसी के चर्चे हो रहे थे।

लापरवाही और भूल में जमीन-आसमान का अंतर है। भूल करना या भूल हो जाना मानवीय प्रवृति है। हमने भूल की, हमें वही इंसान सजा दे, जिसने कभी कोई भूल नही की। ऐसा होने पर सजा देने वाला कोई नही। कारण ये कि देश-दुनिया के हरेक मानखे से कभी ना कभी-कहीं ना कहीं-कोई ना कोई भूल अवश्य हुई है। लोग तो यहां तक कहते है कि रामजी ने मां सीता की अग्नि परीक्षा लेकर भारी भूल की थी। इस की पलट में दूसरे पक्ष का कहना है कि अपनी मर्यादा की खातिर रामजी ने ऐसा किया। हमारे नेतों की भूल के कारण देश के टुकड़े हुए वरना आज अखंड भारत होता। कई सिरफिरे आज भी देश के साथ खिलवाड़ करने की भूल कर रहे हैं। वो टुकड़े-टुकड़े गैंग के पाले में खड़े होकर देश की एकता और अखंडता के साथ खिलवाड़ करने की भूल कर रहे हैं। यह भूल नहीं,

अपराध है। इस अपराध की सजा किसे और कब देनी है, जनता अच्छी तरह से जानती है। हम-आप इंसान है। काम करेंगे तो भूल होना स्वाभाविक है पर इतना याद रहे कि उस भूल की पुनरावृति ना हो। इस पर अपने यहां-भूलचूक लेनीदेनी 'वाला जुमला अजर-अमर।' गाने वाले ने भी लूर ले.. ले.. के गाया-'हम से भूल हो गई.. हम का माफी दे दयो..।' कई तो अभी तक रो रहे हैं-'हम से क्या भूल हुई..जो ये सजा हम का मिली..।'

लापरवाही भूल की बड़ी मम्मी। बड़ी मम्मी बोले तो-ताईजी। ताईजी बोले तो-बड्डी मां। कई लोगों का मिजाज ऐसा कि वो हर काम में लापरवाही बरतते हैं। वो कोई भी काम ढंग से नही कर सकते। कोई भी कार्य गंभीरता से नही कर सकते। हर कार्य में बेपरवाही बरतना उनकी फितरत में। इस का परिणाम वही जो-'नजर हटी-दुर्घटना घटी' के रूप में सामने आता है। लिखमाराम को सरकारी कागजों में उगमाराम और भंवरलाल को सांवरलाल बना देना उसकी एक मिसाल। उलाहना देवें तो कह देंगे-गलती हो गई। ये गलती नहीं लापरवाही है, तुम ने तो सॉरी कह के पिंड छुड़ा लिया। अगली पार्टी को कितनी तकलीफ हुई इसका अंदाजा उन्हें नहीं। डॉक्टर की लापरवाही मरीज को राम प्यारा बना देती है। काले कोट वाले की लापरवाही किसी बेगुनाह को सजा भुगतवा सकती है। इंजीनियर की लापरवाही पुल-इमारत ढहा सकती है। कोई भूल और लापरवाही में जुगाड़ बिठाए तो गलत है।

अपने यहां जुगाड़ का बड़ा नाम हैं। जुगाड़ ने इतने कमाल किए..इतने काम निकाले जिनकी गिनती करना मुहाल है। अगर यूं कहें कि ज्यादातर काम जुगाड़ी पद्धति से ही किए जाते हैं अथवा निकाले जाते हैं, तो गलत नही है। कई बार तो परंपरागत लहरियां बदलने का मन करता है। अब तो खैर नई टेक्नॉलॉजियों का लोकार्पण हो रहा है। नित नए आधुनिक टोटके लॉच हो रहे हैं वरना एक जमाने में विद्युत पोल खड़े करते बखत-'जोर लगा के हूं.. इ.. सा.. की लहरियां बिखरती थी। चार श्रमिक इधर-चार उधर। बीच में रस्सों से बंधा खंभा। श्रमिकों की जुबां पे कुल गीत-'जोर लगा के हूं.. इ.. सा.. और थोड़ा हूं.. इ.. सा..।' अच्छी खासी मेहनत-मशक्कत के बाद पोल खड़ा कर दिया जाता। हम उस गीत को जुगाड़ लगा के हूं.. इ.. सा.. करना चाहते हैं। श्रमिक गीत के साथ छेड़छाड़ करना हमारा मकसद नहीं। हम उस लीक पे चलने का प्रयास कर रहे हैं जिस पर भाई लोग भाग रहे हैं। एक तो उन्होंने जोरदार जुगाड़बाजी दिखाई। एक तो उन्होंने पूरा गांव रोशन किया। एक तो उन्होंने गुवाड़ी तक बिजली पहुंचाई। इस पर जुगाडु-पुरस्कार की अनुशंषा करना तो दूर, उलटा बेपरवाही का ठप्पा ठोक दिया।

अपने बिजली महकमें, जिसे डिस्कॉम कहते है ने विद्युत पोल नही मिले तो-जोधपुर जिले के शैतानसिंह ग्राम पंचायत चौराहा बस स्टेशन स्थित 33 केवी जीएसएस से नागौर-फलौदी राजमार्ग के पास घरेलु कनेक्शन के लिए गुजर रही विद्युत लाइन को खेजड़ी से बांध दिया। भाई लोगों ने पोल मांगे, पर नहीं मिले। इधर ग्रामीणों की ताकीद-उधर जनप्रतिनिधियों का दबाव-कैसे भी कर दे बिजली पहुंचाओ। भाई लोगों ने जुगाड़ तंत्र का सहारा लेकर गांव-ढाणिएं रोशन कर दिए। अब इस बात की चिल्लाहट कि यह लापरवाही है। इससे कभी भी कोई हादसा हो सकता है। हम भी कहते है कि ऐसा नही होना चाहिए। पर डिस्कॉम क्या करे। पोल मिल जाते तो जुगाड़पंथी की जरूरत ही नहीं पड़ती। रही बात हादसे की तो भाईजी शासन-प्रशासन का दस्तूर है कि वो-बिना किसी बड़े हादसे के जागते ही नही हैं। पोल मिल जाएंगे तो गाड़कर पेड़ को तार मुक्त बना देंगे वरना जुगाड़ तेरा सहारा। जुगाड़ लगा के हूं.. इ.. सा..'

तीसरे दौर के लिए वोट आज पड़ेंगे

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2020 के तृतीय चरण के लिए मंगलवार को राजकीय पॉलोटेक्निक महाविद्यालय (छात्र) से मतदान दल रवाना हुए। यह मतदान बुधवार को होगा।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर मदनलाल नेहरा ने बताया कि पंचायत समिति बिलाड़ा में 97 व पंचायत समिति शेरगढ़ में 36 पंचायतों के चुनाव तृतीय चरण में होने हैं। इन पंचायतों के चुनाव तीसरे चरण में करवाए जा रहे हैं। इन्हीं चुनाव को लेकर आज विभिन्न पंचायतों के लिए टीमों को रवाना किया गया। यह टीमें यहां से बिलाड़ा व शेरगढ़ के लिए रवाना हुई जो वहां पंचायतों के चुनाव संपन्न करवाएगी। इस तीसरे चरण के मतदान को लेकर टीमों को ईवीएम मशीन व अन्य सामग्री देकर रवाना किया गया। ये टीमें वहां पर पंचायतों के सरपंच पद के लिए ईवीएम से मतदान करवाएंगे। वहीं वार्ड पंच उपसरपंच के लिए बैलट पेपर का यूज किया जाएगा।

पंचायत चुनाव

खर्च सीमा निर्धारित : राज्य निर्वाचन आयोग पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन के लिए अधिसूचना की प्रकाशन की तारीख से प्रारंभ होने वाली और प्रक्रिया संपूर्ण होने तक किसी भी अभ्यर्थी या उसके सम्यक रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा ध्वनि विस्तारकों के साथ अन्य संबंधित सामग्री संबंधी खर्च सीमा तय की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित के आदेशानुसार ध्वनि विस्तारकों के उपोग के साथ ही कट आऊट, हॉर्डिंग्स, पोस्टर एवं बैनर तथा आम सभा व जुलूस रैली के लिए खर्च की अधिकतम सीमा तय की गई है। इसके अंतर्गत जिला परिषद सदस्य के लिए 1 लाख 50 हजार रुपए, पंचायत समिति सदस्य के लिए 75 हजार रुपए तथा सरपंच के लिए 50 हजार रुपए अधिकतम खर्च सीमा निर्धारित की गई है।

आदेश के तहत चुनाव खर्च का लेखा प्रपत्र-क में परिणाम की घोषणा के 15 दिवस के भीतर प्रस्तुत किए जाने के लिए प्राधिकृत अधिकारी भी नियुक्त किए गए है। इसके अंतर्गत जिला परिषद सदस्य के लिए संयुक्त निदेशक पेंशन एवं पेशनर्स विभाग तथा पंचायत समिति सदस्य एवं सरपंच के लिए संबंधित उपखण्ड अधिकारी नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है।

अष्ट महालक्ष्मी का तृतीय पाटोत्सव आज

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। किला रोड़ स्थित रिक्तेश्वर भैरूनाथ मंदिर परिसर में गजमहालक्ष्मी मंदिर में स्थापित अष्टमहालक्ष्मी का तृतीय पाटोत्सव बुधवार को श्रद्धा से मनाया जाएगा।

प्रवक्ता कृष्ण कुमार व्यास ने बताया कि बुधवार को सुबह ग्यारह बजे स्वस्ति वाचन पूजन के साथ पाटोत्सव आरंभ होगा। दोपहर एक बजे सोलह ब्राह्मणों द्वारा सोलह द्रव्यों अनार रस, बिल्व रस, इक्सु (गन्ने का रस) व अन्य दिव्य द्रव्यों से युक्त सामग्री से अष्टम महालक्ष्मी का अभिषेक किया जाएगा।

इस अवसर पर मंदिर में रंग-रोगन के साथ ही रंग-बिरंगी लाइटों से सजावट की गई है। साथ ही मंदिर में ऋतु पुष्पों से आकर्षक फूल मंडली की जाएगी। सांय काल महाआरती के बाद शहर की नामचीन भजन मंडलियों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

विगत - मुकेश मांडण

देश में सबसे अधिक रोज़गार देने वाली भारतीय रेल जहां परिवहन काति की अगुवा रहीं है, वहीं अब यह गति और इंजीनियरिंग के नये कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है जिनमें हवा से बात करते इलेक्ट्रिक इंजन प्रमुख हैं।

आसमान पर बादलों का डेरा, सर्दी फिर बढ़ी

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। पश्चिमी राजस्थान में एक बार फिर से मौसम बदल गया है। मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बाद प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश व ओले गिरे है। इधर मारवाड़ में भी मौसम में बदलाव आने से एक बार फिर सर्दी की चमक बढ़ गई है। रात से ही सर्द हवा ने जोर पकड़ लिया। मंगलवार को दोपहर में आसमां में बादलों की ओट में सूर्यदेव की दर्शन कुछ कुछ देर के लिए होते रहे। हल्का कोहरा दोपहर तक छाया रहा। सर्द हवा से फिर से लोगों को कंपकंपा दिया। आज दिन का न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री तक पहुंच गया है। सोमवार को घने बादलों के बीच तापमान 30 डिग्री के आसपास तक पहुंच गया था। जोधपुर संभाग के साथ शहर के आसपास से रात भर बादलों ने डेरा डाले रखा है। आज भी बादल छाए रहे। जिले के कई ग्रामीण इलाकों में ओस गिरने व कोहरा छाने के समाचार हैं। इससे एक बार फिर ठंडक शुरू हो गई है। जाते जनवरी में मौसम में बदलाव का दौर जारी है। मंगलवार सुबह से ठंडक बनी रही। बादलों की टुकडियों के बीच सूरज निकला। बादलों और सूरज में लुकाछिपी का दौर भी चलता रहा। हवा सर्द होने से वाले लोग गर्म कपड़ों में लिपटें नजर आए। गलन के कारण लोग धूप का सेवन करते दिखे। जोधपुर जिले के ओसियां कस्बे में रात को ओस की

बूंदें गिरीं व सवेरे घना कोहरा छाया। जोधपुर में न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह बाड़मेर में 11.7 व जैसलमेर में 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राज्य के प्रमुख शहर में चूरू 10.5, बीकानेर 10.6, वनस्थली 10.7, पिलानी 10.7, श्रीगंगानगर 11.1, बूंदी 12.2, जयपुर 12.9, अजमेर 14.0 व कोटा 14.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

हूटिंग और धमाल के बीच सुष्मिता मिस फेयरवेल

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के सभागार में बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा फेयरवैल पार्टी का आयोजन डांस एवं धमाल के साथ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मिस फेयरवेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 40 प्रतिभागियों ने कैटवाक, गायन, डांस व प्रश्नोत्तरी से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कियां। निर्णायक के रूप में डॉ. जनक सिंह मीणा, अब्दुल वाजिद, रविन पुरोहित, गोपाल सोनी व एस.पी. गोयल मौजूद थे।

चार राउण्ड में प्रदर्शन के आधार पर सुष्मिता वैष्णव कमिस फेयरवेल चुनी गयी तथा प्रियंका प्रथम व संतोष परिहार द्वितीय रनर रही। मिस फेयरवेल को खिताब एवं ट्रॉफी प्रदान की। कॉलेज निदेशक प्रो. कैलाश कौशल ने प्रतिभागियों एवं विजेताओं को बधाई देते हुए जीवन में आगे बढने व उन्नति करने की कामना की। इस अवसर पर डॉ. एस.एल.मीणा, मंजू सोनगरा, ममता, दीपिका, अर्चना कुमारी, अंजू, दिव्या, ज्योति, धनुष सहित बडी संख्या में छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे। संचालन उर्मिला बांता ने किया। डॉ. जतन कंवर ने अतिथियों का स्वागत किया।

घंटाघर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही जारी

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। घंटाघर में अतिक्रमणकारियों के खिलाफ नगर निगम की ओर से चलाया जा रहा अभियान मंगलवार को भी जारी रहा। निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने घंटाघर में सड़क पर रखा सामान जब्त किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं उपायुक्त (सतर्कता) सीमा हिंगोनिया व अन्य अधिकारियों ने घंटाघर परिसर का दौरा भी किया और दुकानदारों को अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी।

नगर निगम आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया कि निगम की ओर से कई बार दुकानदारों को फुटपाथ एवं सड़क पर सामान रखकर अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी जा चुकी है।

हिदायत दिए जाने के बावजूद भी व्यापारियों ने अपना सामान दुकानों के बाहर रखा जिस पर नगर निगम की अतिक्रमण टीम ने सामान को जब्त करने की कार्यवाही की।

ओला ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट ने संपूर्ण घंटाघर क्षेत्र को नो-ठेला जोन घोषित किया हुआ है। हाईकोर्ट के आदेश पर घंटाघर में व्यापार करने वाले हाथ ठेला चालकों व फुटकर व्यापारियों को निगम की ओर से हटाया गया था। इन सभी व्यापारियों को व्यापार करने के लिए निगम ने शहर के अलग-अलग स्थानों पर अधिकृत वेंडिंग जोन निर्धारित किए हैं। इन वेंडिंग जोन पर बैठने के लिए हाथ ठेला व्यापारी व फुटकर व्यापारी अपना प्रार्थना पत्र निर्धारित प्रपत्र में भरकर 29 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि वैकल्पिक स्थान पर व्यापार करने वाले के इच्छुक हाथ ठेला चालक ओर फुटकर व्यापारी निर्धारित प्रपत्र के साथ वैध आईडी प्रूफ और दो पासपोर्ट साइज फोटो जमा कराकर आवेदन कर सकेंगे।

जेडीए टीम ने 34 अवैध फैक्ट्रियों को दी चेतावनी

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा मंगलवार को बासनी चौहाना, डांगियावास रोड़, झालामण्ड़ चौराहा व झालामण्ड़ बाईपास सहित आस-पास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने अवैध रूप से संचालित स्टोन कटर एवं मार्बल कटर की फैक्ट्रियों को हिदायत देते हुए बिना स्वीकृति के किसी प्रकार का व्यवसायिक एवं औद्योगिक इकाईयों का संचालन नहीं करने के निर्देश दिए। प्रवर्तन अधिकारी प्रवीण गहलोत ने बताया कि क्षेत्र में 34 अवैध फैक्ट्रियां मिली। फैक्ट्रियों के संचालकों एवं मालिकों को बिना प्राधिकरण की सक्षम स्वीकृति के एवं कृषि भूमि पर बिना भू-उपयोग परिवर्तन करवाये किसी भी प्रकार की औद्योगिक इकाईयों एवं व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन नहीं करने की चेतावनी दी। कार्यवाही के दौरान प्रवर्तन निरीक्षक पश्चिम अनिल शर्मा व अतिक्रमण निरोधक दस्ता मौजूद रहा।

डा. सिंह का स्वागत करते डाक्टर व कॉलेज के कर्मचारी। जलतेदीप

डॉ राठौड़ और मनस्वी राज्य स्तर पर सम्मानित

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। डॉ एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ एसएस राठौड़ को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए कल जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा सम्मानित किया गया। जोधपुर आगमन पर महाविद्यालय के अतिरिक्त प्रधानाचार्य तृतीय वित्तीय सलाहकार, आहरण एवं वितरण अधिकारी, सभी विभागाध्यक्षों एवं विभिन्न संगठनों आरएमसीटीए सदस्यों, मंत्रालयिक कर्मचारियों, तकनीकी कर्मचारियों, सहायक कर्मचारियों तथा अन्य संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर उनका अभिनंदन किया गया।

मनस्वी सम्मानित-इसी प्रकार राज्य स्तरीय समारोह में श्री द्वारा डॉ एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में कार्यरत डॉ विहान चौधरी व डॉ कमला चौधरी सहायक आचार्य की पुत्री सुश्री मनस्वी चौधरी को नृत्य कला के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

दिल्ली चुनाव में जोधपुर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने दमखम दिखाया

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के स्टार प्रचारक जोधपुर के सांसद व केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पालम विधानसभा प्रत्याशी विजय पंडित, राजस्थान प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जोशी, जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार सोनी, नरेश सुराणा, पूर्व जिला महामंत्री महेन्द्र मेघवाल, पूर्व जिला मंत्री विजय राजोरिया व पूर्व जिला कोषाध्यक्ष ज्ञानेश्वर भाटी ने पालम विधानसभा क्षेत्र में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया।

अमितशाह के रोड़ की तैयारियों का जायजा लिया : भाजपा संभाग मीडिया प्रभारी जगदीश धाणदिया ने बताया कि जोधपुर के नेताओं ने पालम विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर पर स्थानीय नेताओं के साथ घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और गृहमंत्री अमित शाह के रोड शो एवं जनसभा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ ही दिल्ली पुलिस के अधिकारियो एवं प्रशाशन के साथ सभा स्थल का निरीक्षण किया। पूर्व जिला महामंत्री मुकेश लोढा ने बताया कि इस दौरान राजस्थान प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, पालम विधानसभा के प्रत्याशी भाई विजय पंडित, जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जोशी, जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार सोनी, नरेश सुराणा, पूर्व जिला महामंत्री महेन्द्र मेघवाल, पूर्व जिला मंत्री विजय राजोरिया, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष ज्ञानेश्वर भाटी सहित कई भाजपा नेता मौजूद रहे।

चुनावी रणनीति पर चर्चा : शेखावत के दिल्ली निवास पर राजस्थान भाजपा इकाई के नेतृत्व में राजस्थान भाजपा नेताओं एवं जन प्रतिनिधियों की बैठक हुई। भाजपा के संभाग मीडिया प्रमुख अचल सिंह मेड़तिया ने बताया कि बैठक में राजस्थान के संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर के सानिध्य में हुई। इसमें प्रवासियों से दिल्ली में अधिक से अधिक संपर्क करने के उद्देश्य से रणनीति बनाई गई। बैठक में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया, भाजपा नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, भाजपा के प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, जयपुर के पूर्व महापौर विधायक अशोक लाहोटी, जोधपुर के जिला अध्यक्ष देवेंद्र जोशी पूर्व महामंत्री जोधपुर महेंद्र मेघवाल, भाजपा नेता शिव प्रकाश सोनी सहित अनेक भाजपा नेता भी बैठक में मौजूद रहे।

बैंक कर्मियों ने प्रदर्शन किया

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर देशव्यापी तीसरे दोर के प्रदर्शन में बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय आखलिया चौराहा पर बैंक कर्मियों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया, वही मुख्य श्रम आयुक्त दिल्ली के समक्ष समझौता वार्ता को नकारना इंडियन बैंक एसोसिएशन के द्वारा तुरन्त वार्ता कर मांगों पर सहमति बनाने को नकारना देश के बैंक कर्मियों ने दुर्भाग्यपूर्ण एवं हठधर्मिता बताया। दो दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल के आगामी चरण में 31 जनवरी को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जालोरी गेट के समक्ष प्रातः 10 बजे सभी कर्मचारी एकत्रित होकर रैली के रूप में शनिश्चरजी का थान होते हुए एसबीआई जालोरी गेट पहुंचेंगे। वहां पर सभी घटकों के एक-एक प्रतिनिधि आम सभा को संबोधित करेंग। एक फरवरी को सरदारपुरा बी रोड स्थित ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष देशव्यापी बैंक हड़ताल के प्रातः 10 बजे एकत्रित होकर प्रदर्शन करेंगे एवं प्रतिनिधि आम सभा को संबोधित करेंगे।

नीम-हकीमों के खिलाफ कार्रवाई

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। चिकित्सा विभाग की ओर से बालेसर क्षेत्र में मंगलवार रात को अवैध रूप से बगैर डिग्री के इंसानों का इलाज करने वाले दो नीम हकीमों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ पुलिस में मुकदमे दर्ज करवाए गए।

बालेसर थाने में दी रिपोर्ट में खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रतापसिंह राठौड़ ने बताया कि चिकित्सा विभाग को सूचना मिली थी कि बालेसर सत्ता में अवैध रूप से बगैर मान्य डिग्री के बालेसर सत्ता निवासी दीनदयाल उर्फ दिनेश सैन पुत्र देवीदान सैन मरीजों को एलोपैथिक दवाइयां व इस पद्धति से इलाज करके मानव जीवन को संकट में डाल रहा है। इसी प्रकार सीएचसी बालेसर के चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल चौपड़ा ने बालेसर सत्ता में ही अवैध रूप से बगैर डिग्री के मरीजों का इलाज करने वाले नीम हकीम मूलतः नेपाल के जनकपुर जिले के सिरसा कटाया निवासी जीवन अधिकारी पुत्र राजेन्द्र अधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया। इस बारे में जांच बालेसर पुलिस की तरफ से की जा रही है।

सब इंस्पेक्टर बनकर रुपए छीने

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। निकटवर्ती सालोड़ी गांव में जीप पर पुलिस का लोगो लगाकर बदमाशों ने उगाही शुरू कर दी। एक व्यक्ति ने जब इसका विरोध किया तब मारपीट करने के साथ पांच सौ रुपए ले लिए। बदमाश ने खुद को पुलिस का सबइंस्पेक्टर होना बताया। घटना की जानकारी पर पुलिस ने जीप को जब्त कर लिया। राजीव गांधी नगर थाने में इस बारे में केस दर्ज किया गया है। इस संबंध में सालोड़ी निवासी गुमानराम पुत्र खेराजराम विश्नोई ने रिपोर्ट दी।

इसमें बताया कि 26 जनवरी को वह अपनी गाड़ी लेकर गांव की तरफ जा रहा था। बीच रास्ते में पुलिस का लोगो लगी जीप उसके पास रूकी। तब उसमें से जोगियासनी निवासी पर्वतसिंह पुत्र बच्चनसिंह उतरा और खुद को पुलिस का सब इंसपेक्टर बताते हुए रुपए मांगे। उसने जब रुपए देने से इंकार किया तो उसकी शर्ट का कॉलर पकड़कर धमकाया और पांच सौ रुपए ले लिए।

इस जीप में अनोपसिंह पुत्र बींजराजसिंह और उटांबर का भैरूसिंह पुत्र मोडसिंह भी सवार था। इधर घटना की जानकारी मिलने पर राजीव गांधी नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने उस फर्जी जीप को जब्त कर लिया। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि जीप चुनावी ड्यूटी में लगी है। पुलिस ने इस बारे में केस दर्ज करते हुए तफ्तीश आरंभ की है।

मायरा भरते संस्थान के पदाधिकारी व कर्मचारी। जलतेदीप

चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी की पुत्रियों के विवाह में भरा मायरा

निजी शिक्षण संस्थान ने दिए 66 हजार रूपए

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। सांगरिया महादेव नगर स्थित भारत आदर्श पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पिछले 12 वर्षों से कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की दो लडकियों की शादी में सहयोग के लिए संस्थान के पदाधिकारियों ने पहल की। कर्मचारी शशि धवल की दो लडकियों मोनिका व चंचल की शादी बुधवार को होनी है। कमजोर आर्थिक स्थिति होने के कारण संस्थान निदेशक ने बैठक बुलाकर आर्थिक सहायता हेतु स्टाफ व अन्य से अपेक्षा जताई। जिस पर प्रधानाचार्य महेंद्र चौधरी, कार्य प्रभारी सवाई सिंह राठौड़ तथा सीआरसी के कार्यालय प्रभारी लक्ष्मण दास खत्री ने इस पहल के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। इसके अलावा अन्य स्टाफ ने भी मदद की इच्छा जताई। जिस पर स्टाफ के द्वारा 15 हजार नकद व संस्था निर्देशक सीआर चौधरी द्वारा 51 हजार नकद के अलावा पूरे परिवार के लिए कपड़े व सूट की मदद की।

वसंत पंचमी आज, कई कार्यक्रम होंगे

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। मां सरस्वती की पूजा के लिए समर्पित बसंत पंचमी का पर्व 29 जनवरी को मनाया जाएगा। इस अवसर पर स्कूलों में कार्यक्रमों के आयोजन के साथ विशेषकर महिलाएं एवं युवतियां पीत वस्त्र धारण करेगी।

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार, बसंत पंचमी का त्योहार माघ मास शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है जो कि इस बार 29 जनवरी को है। कहा जाता है कि बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा करने से विद्यार्थियों को बुद्धि और विद्या का वरदान प्राप्त होता है। बसंत पंचमी के त्योहार पर लोग पीले वस्त्र पहनते हैं और पीले रंग के फूलों से मां सरस्वती की पूजा करते है।

बसंत पंचमी के दिन से ही सबसे सुहाने मौसम बसंत ऋतु की शुरुआत मानी जाती है। शास्त्रों के अनुसार बसंत पचंमी से सर्दी कम हो जाती है और गर्मी के आगमन की आहट मिलने लगती है। साथ ही प्रकृति रंग-बिरंगे फूलों से सजना शुरू हो जाती है। बसंत ऋतु फसलों व पेड़-पौधों में फूल और फल लगने का मौसम होता है जिससे प्रकृति का वातावरण बहुत ही सुहाना हो जाता है।

डॉ. सोलंकी को नेशनल वुमैंस लीडरशिप अवार्ड

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। श्वेताज लिटिल ऐली स्कूल की निदेशिका डॉ. श्वेता सोलंकी को कोलकत्ता में आयोजित एक समारोह में नेशनल वुमैंस लीडरशिप अवार्ड से नवाजा गया। उन्हे यह अवार्ड शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के लिए उच्च शैक्षणिक लक्ष्यों व उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया है।

मैसर्स जलतेदीप की ओर से मुद्रक प्रकाशक पदम मेहता द्वारा मेहता ऑफसेट प्रिंटर्स, मानजी का हत्था, पावटा, जोधपुर से मुद्रित तथा जलतेदीप कार्यालय, मानजी का हत्था, पावटा, जोधपुर द्वारा प्रकाशित। प्रधान संपादक : पदम मेहता फोन : 2546896 फैक्स : 2544896